badhtikalam@gmail.com | Badhti kalam | 09887454960

भारत व राजस्थान सरकार के विज्ञापनों के लिए स्वीकृत

www.badhtikalam.com

बढ़ती कलम

बिना फेवर, तीखे तेवर

सवाईमाधोपुर व करौली जिले में प्रसारित

वर्ष: 12 अंक: 41 | गंगापुरसिटी. बुधवार 8 सितम्बर, 2021 | कुल पृष्ठ 8, मूल्य 3 रु.

छत्तीसगढ़ सीएम के पिता गिरफ्तार

नंद कुमार बघेल को आगरा से रायपुर लाई पुलिस, ब्राह्मणों पर विवादित टिप्पणी करने पर कोर्ट ने 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल को पुलिस ने आगरा से गिरफ्तार कर लिया है। उन्हें मंगलवार को रायपुर डिस्ट्रिक्ट कोर्ट में पेश किया गया है। कोर्ट ने उन्हें 14 दिन के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। बताया जा रहा है कि नंद कुमार बघेल ने जमानत लेने और वकील रखने से मना कर दिया है। उन पर ब्राह्मणों को लेकर विवादित बयान देने का आरोप है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के पिता नंद कुमार बघेल के खिलाफ रायपुर के डीडी नगर थाने में केस दर्ज किया गया है। सर्व ब्राह्मण समाज की शिकायत पर ये केस दर्ज किया गया। नंद कुमार पर सामाजिक द्वेष पैदा करने का आरोप है। उनके खिलाफ आईपीसी की धारा 505- समुदायों के बीच शत्रुता, घृणा या वैमनस्य की भावनाएं पैदा करने और धारा 153 ए के तहत सामाजिक तनाव बढ़ाने वाला बयान देने का आरोप है।

कोरोना की तीसरी लहर : विपरीत परिस्थितियों के लिए तैयार भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत में इस वर्ष अप्रैल और मई में कोरोना महामारी का जो भयानक दौर झेला है वो दौर फिर से न आए इसके लिए खुद को तैयार कर रहा है। महामारी की दूसरी लहर के दौरान इन दो माह में राजधानी दिल्ली समेत देश के दूसरे राज्यों के कई अस्पतालों में आक्सीजन खत्म हो गई थी। देश के कई राज्यों से आक्सीजन किल्लत की खबर सामने आई थी और उस वक्त की तस्वीर आज भी शरीर में सिहरन पैदा कर देती है।

राजधानी का सर गंगा राम अस्पताल भी इन हालातों से अलग नहीं था। लेकिन अब ऐसा न हो इसके लिए इस अस्पताल में व्यापक तैयारियां की गई है। इसके तहत इस अस्पताल ने न सिर्फ आक्सीजन की स्टोरेज कैपेसिटी को पचास फीसद तक बढ़ा

दिया है बल्कि करीब एक किलोमीटर लंबी पाइप लाइन के जरिए इसको सीधे ही कोविड आईसीयू तक पहुंचाने का प्रबंध किया गया है।इस अस्पताल के मेडिकल डायरेक्टर सतेंद्र कातोच का कहना है कि ऐसे उपकरण भी यहां पर लगाए गए हैं जिनसे आक्सीजन की फ्लो कम न हो सके। इसके अलावा आनसाइट आक्सीजन उत्पादन प्लांट के भी आदेश दे दिए गए हैं। इनमें से ज्यादातर यूरोप में बने हुए हैं जिनको आने में अभी कुछ समय लगेगा। गौरतलब है कि पूरी दुनिया कोरोना वायरस के म्यूटेंट की खबरों को लेकर चिंतित है।

डाक्टर अरुण प्रकाश के मुताबिक महामारी की दूसरी लहर के दौरान अस्पताल में मरीजों के लिए 600 अतिरिक्त बेड लगाए गए थे। वो बताते हैं कि इस दौरान हर रोज करीब 500 मरीजों को भर्ती के लिए वेटिंग लिस्ट में डाला जा रहा था। उनकी निगरानी में यहां का वाररूम काम कर रहा था। पूरे भारत की बात करें तो देश के लगभग सभी अस्पतालों में इस दौरान अतिरिक्त बेड की व्यवस्था की गई है। साथ ही आक्सीजन सप्लाई की मात्रा को बढ़ाने की तरफ भी कदम बढ़ाए गए हैं। पूरे देश में ही आक्सीजन के उत्पादन को करीब 50 फीसद तक बढ़ाने की तरफ विचार किया जा रहा है। इसका अर्थ है कि हर रोज 15000 टन आक्सीजन का उत्पादन किया जाएगा। लिंडे कंपनी का कहना है कि वो किसी भी तरह के हालातों से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार है। यदि देश में आक्सीजन की मांग बढ़ती है तो वो विदेशों से इसकी सप्लाई को जारी रखेगी। इस कंपनी के साउथ ईस्ट हैड मनोज वाजपेयी का कहना है कि दूसरी लहर के दौरान कई तरह की परेशानियां सामने आई थीं। इसमें उत्पादन, इंफ्रास्ट्रक्चर और लाजिस्टिक भी शामिल है। कोरोना की तीसरी लहर के मद्देनजर जानकारों का ये भी मानना है कि जिस तरह से वायरस म्यूटेट कर रहा है उसके लिए वैक्सीन न पाए बच्चों का बचाव बेहद जरूरी है।

पायलट के जन्मदिन पर शक्ति प्रदर्शन

प्रदेश भर में सचिन पायलट के बैनर-पोस्टर लगे

बड़ी संख्या में समर्थक जुटे, पायलट के सपनों का राजस्थान वीडियो चर्चा में

जयपुर (एजेंसी)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट का आज 44 वां जन्मदिन है। प्रदेश भर में पायलट समर्थक कई कार्यक्रम आयोजित हुए। जिलों में सचिन पायलट को जन्मदिन की बधाई देने वाले पोस्टर लगाए गए। जयपुर में भी बैनर पोस्टरों की भरमार रही। पायलट के जन्मदिन पर उनके समर्थक पिछले दो दिन से कार्यक्रम कर रहे हैं। आज जन्मदिन पर पायलट प्रदेश भर से आए समर्थकों से मिले हैं। पायलट से मिलने के लिए सुबह से समर्थक जयपुर पहुंचे। भीड़ की वजह से सिविल लाइंस में पालयट के बंगले की रोड पर वाहनों की आवाजाही बंद कर दी गई।

पायलट ने आज जन्मदिन पर राजधानी के कई मंदिरों में जाकर पूजा अर्चना की। सबसे पहले सुबह जयपुर के खोले के खोले के हनुमानजी मंदिर जाकर पूजा अर्चना की। इसके बाद शिव मंदिर और अन्य मंदिरों में जाकर दर्शन किए, पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

पुष्कर के सैंड आर्टिस्ट अजय रावत ने सैंड आर्ट बनाकर सचिन पायलट को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। कल से प्रदेश भर में समर्थक वृक्षारोपण अभियान चला रहे हैं। हर विधानसभा क्षेत्र में 5 हजार पौधों के हिसाब से पूरे प्रदेश में 10 लाख पौधे लगाने का टारगेट दिया गया है। कई जगहों पर ब्लड डोनेशन कैंप लगाए जा रहे हैं। पायलट समर्थक विधायकों और नेताओं के क्षेत्रों में भी कार्यक्रम रखे गए।

पायलट समर्थकों का शक्ति प्रदर्शन चर्चा में

सचिन पायलट के जन्मदिन से पहले ही उनके समर्थकों ने जिलों में बैनर पोस्टर लगा दिए। जिला मुख्यालय से लेकर कस्बों तक पायलट के बैनर पोस्टर लगाए गए हैं। पोस्टर पॉलिटिक्स में भी कांग्रेस की अंदरूनी राजनीति के कई मैसेज दिख रहे हैं।

पायलट के सपनों का राजस्थान वीडियो चर्चा में

सचिन पायलट के सपनों का राजस्थान वीडियो दो दिन से सोशल मीडिया पर खूब शेयर हो रहा है। इस वीडियो की सियासी हलकों में भी खूब चर्चा हो रही है। इसी तरह का वीडियो कांग्रेस ने विधानसभा चुनावों में जारी किया था। सचिन पायलट फैन क्लब ने यह वीडियो तैयार किया है। 57 सेकंड के इस वीडियो में विकसित राजस्थान की तस्वीर दिखाते हुए इसे पायलट के सपनों से जोड़ा गया है।

मुद्दे अब भी अनसुलझे

सचिन पायलट के जन्मदिन पर उनके खेमे की अधूरी मांगों पर एक बार फिर चर्चा शुरू हो गई है। पिछले साल बगावत के बाद हुई सुलह को एक साल से ज्यादा हो चुका है, लेकिन पायलट खेमे की मांगें अब भी अनसुलझी हैं। सचिन पायलट समर्थक अब जन्मदिन पर सियासी ताकत भी दिखाई दी।

उमड़ा समर्थकों का प्यार, बधाई देने वालों का लगा तांता

राजस्थान कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट के जन्मदिन को लेकर पूरे राजस्थान भर के पायलट समर्थकों में खुशी का माहौल है। पायलट के सिविल लाइन आवास के बाहर बधाई देने वालों का तांता लगा रहा । पूरे प्रदेश से पायलट समर्थक देने शुभकामनाएं आ रहे हैं। समर्थक सचिन पायलट के पोस्टर हाथों में लेकर पायलट जिंदाबाद के नारे भी लगा रहे थे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, विधानसभा अध्यक्ष डा सी पी जोशी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष डा सतीश पूनियां सहित कई नेताओं ने सचिन पायलट को उनके जन्म दिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। इस अवसर पर गहलोत ने पायलट को जन्मदिन की बधाई देते हुए उनके खुशी, अच्छा स्वास्थ्य और लंबी उम्र की कामना की। इसी तरह डा जोशी ने जन्म दिन की शुभकामनाएं देते हुए पायलट के अच्छे स्वस्थ एवं खुशी की कामना की। डोटासरा एवं डा पूनियां ने पायलट को उनके जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए ईश्वर से उनके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। इसी प्रकार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गुलाब चंद कटारिया, कृषि मंत्री लाल चंद कटारिया,उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र सिंह राठौड़, पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीपेन्द्र सिंह शेखावत एवं पूर्व नेता प्रतिपक्ष एवं कांग्रेस नेता रामेश्वर लाल डूडी तथा अन्य कई नेताओं ने पायलट को उनके जन्म दिन की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

अब जयपुर, भरतपुर में हुआ उलटफेर

6 में से 5 उप जिला प्रमुख कांग्रेस के

केवल सिरोही में बीजेपी का उपजिला प्रमुख; जयपुर, जोधपुर, भरतपुर, दौसा, सवाईमाधोपुर में कांग्रेस की जीत

जयपुर (एजेंसी)। जिला प्रमुख और प्रधानों के बाद मंगलवार को 6 जिलों में उप जिला प्रमुखों और 78 पंचायत समितियों में उप प्रधानों के चुनाव के रिजल्ट आने शुरू हो गए हैं। जयपुर, जोधपुर, सवाईमाधोपुर और दौसा, भरतुपर में कांग्रेस के उपजिला प्रमुख जीते हैं। जयपुर में कांग्रेस के मोहन डागर, जोधपुर में विक्रम सिंह विश्नोई, दौसा में मानदाता मीणा और सवाईमाधोपुर में बाबूलाल मीणा उपजिला प्रमुख बने हैं। चारों कांग्रेस के हैं।

जयपुर में कांग्रेस के मोहन डागर ने 26 वोट लेकर बीजेपी उम्मीदवार राजकंवर को हराया, राजकंवर को 25 वोट मिले। जयपुर में कुल 51 सदस्य हैं। जोधपुर में कांग्रेस के विक्रम विश्नोई ने बीजेपी उम्मीदवार सुशीला विश्नोई को हराकर उपजिला प्रमुख चुनाव जीता। विक्रम विश्नोई को 23 और सुशीला को 16 वोट मिले। जोधपुर में कुल 37 सदस्य हैं।

दौसा में कांग्रेस के मानदाता मीणा ने 22 वोट लेकर बीजेपी उम्मीदवार बृजमोहन मीणा को हराया, बृजमोहन को केवल 6 वोट मिले। दौसा में कुल 29 सदस्य है। यहां एक वोट नोटा को गया है। बीजेपी में यहां क्रॉस वोटिंग हुई है। एक सदस्य ने कांग्रेस को वोट दिया, जबकि एक ने नोटा को दे दिया।

भरतपुर

बीजेपी के 17 में से केवल 3 सदस्य ही वोट करने पहुंचे, इसलिए 8 वोट लेकर भी कांग्रेस जीत गई भरतपुर में कांग्रेस उम्मीदवार प्रियंका गुर्जर 37 सदस्यों वाली जिला परिषद में केवल 8 वोट लेकर भी उप जिला प्रमुख का चुनाव जीत गईं। बीजेपी उम्मीदवार शिखा शर्मा को केवल तीन वोट मिले। बीजेपी के 17 में से केवल 3 सदस्य ही उप प्रमुख चुनाव में वोट करने पहुंचे। कांग्रेस के भी भरतपुर में 14 सदस्य हैं, लेकिन वोट देने केवल 8 ही पहुंचे।

सवाईमाधोपुर

कांग्रेस के बाबूलाल मीणा उप जिला प्रमुख का चुनाव जीते: कांग्रेस के बाबूलाल मीणा उप जिला प्रमुख का चुनाव जीते हैं। बाबूलाल मीणा ने बीजेपी के उम्मीदवार पुखराज गुर्जर को 9 वोटों से हराया। बाबूलाल मीणा को 17 और पुखराज गुर्जर को 8 वोट मिले। सवाईमाधोपुर में 25 सदस्य हैं।

सिरोही

बीजेपी का उप जिला प्रमुख: सिरोही में बीजेपी की मनीषा मीना को 17 वोट मिले हैं। कांग्रेस उम्मीदवार को 3 वोट मिले। सिरोही में 21 सदस्य हैं।

बाड़ेबंदी हुई खत्म

सोमवार की तरह मंगलवार को भी दोनों ही पार्टियों ने कई जगह जोड़तोड़ के जरिए हार जीत के समीकरण बदलने का प्रयास किया है। जिला परिषद सदस्य और पंचायत समिति सदस्यों की आज बाड़ेबंदी खत्म हो गई है। 6 जिलों में मंगलवार को पंचायतीराज चुनाव की प्रक्रिया खत्म होने के साथ ही पूरी तरह आचार संहिता भी हट गई है। सोमवार को जिला प्रमुखों और प्रधानों के चुनाव में कई जगह उलटफेर देखने को मिला था। सबसे बड़ा उलटफेर जयपुर में हुआ, जहां कांग्रेस आपसी फूट के कारण बहुमत होते हुए अपना जिला प्रमुख नहीं बना सकी। जयपुर में कांग्रेस जिला परिषद सदस्य रमा देवी और जैकी टाटीवाल की बगावत ने जीती बाजी हार में बदल दी। रमा देवी को बीजेपी ने सिंबल देकर जिला प्रमुख जितवा दिया। इस मामले में कांग्रेस हाईकमान ने रिपोर्ट भी मांगी है।

खूब चला सियासी जोड़तोड़

कांग्रेस और बीजेपी ने कल के चुनाव में कई जगह जोड़तोड़ से समीकरण बदले। बीजेपी के पास केवल सिरोही जिला परिषद में बहुमत था। उसने जोड़-तोड़ कर तीन जिला प्रमुख बना लिए। कांग्रेस का केवल 24 पंचायत समितियों में बहुमत था, लेकिन निर्दलीयों के सहयोग से और बीजेपी में क्रॉस वोटिंग से 49 प्रधान जीत गए। बीजेपी को भी 14 पंचायत समितियों में ही बहुमत था, लेकिन कांग्रेस में क्रॉस वोटिंग और निर्दलीयों के सहयोग से 25 प्रधान बनाए।

राजस्थान के बेरोजगारों को बड़ी राहत

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने परीक्षा कैलेंडर किया जारी, 6 महीने में होगी 9 प्रतियोगी परीक्षा

50 लाख से ज्यादा अभ्यार्थी होंगे शामिल

जयपुर (एजेंसी)।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने प्रदेश में होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं का कैलेंडर जारी कर दिया है। जिसके तहत सितंबर 2021 से फरवरी 2022 तक राजस्थान में 9 प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाएगा। जिसमें प्रदेशभर के लगभग 50 लाख अभ्यर्थी शामिल होंगे। इनमें सात परीक्षाएं इसी साल दिसंबर तक जबकि दो परीक्षाएं अगले साल फरवरी में आयोजित की जाएंगी।

वहीं राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा परीक्षाओं का

कैलेंडर जारी करने का युवाओं ने भी स्वागत किया है। जयपुर के जयदेव शर्मा ने बताया कि पिछले लंबे समय से परीक्षाओं का शेड्यूल जारी नहीं हुआ था। जिससे अभ्यार्थी भी असमंजस की स्थिति में थे। लेकिन अब जब एक साथ 9 परीक्षाओं का शेड्यूल जारी किया गया है। तो अभ्यर्थी को समय रहते परीक्षा की जानकारी मिल गई है। जिससे अभ्यार्थी सही समय पर परीक्षाओं की तैयारी कर सकेगा।

12 सितंबर - कृषि अभियंता सिविल डिग्री संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा 2020
18 सितंबर - कृषि पर्यवेक्षक सीधी भर्ती 2021
23-24 अक्टूबर - पटवार सीधी भर्ती परीक्षा 2019
29-30 और 31 - अक्टूबर शीघ्र लिपिक सीधी भर्ती परीक्षा 2018 (फेज 2)
दिसंबर 2021 - संगणक भर्ती परीक्षा 2021
दिसंबर 2021 - सहायक अग्निशमन अधिकारी एवं फायरमैन सीधी भर्ती परीक्षा 2021
दिसंबर 2021 - ग्राम सेवक/ ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा (प्रारंभिक)
फरवरी 2022 - कृषि अभियंता (कृषि अभियांत्रिकी) सीधी भर्ती परीक्षा 2021
फरवरी 2022 - ग्राम सेवक/ ग्राम विकास अधिकारी परीक्षा 2021 (मुख्य)

काबुल में पाकिस्तान विरोधी रैली पर तालिबानियों ने की फायरिंग

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान पर कब्जे के लिए तालिबान की मदद करने को लेकर पाकिस्तान के खिलाफ काबुल से लेकर अमेरिका तक में प्रदर्शन हो रहे हैं। इस बीच खबर है कि काबुल में पाकिस्तान के खिलाफ विरोध पर्दर्शन कर रहे लोगों पर तालिबानियों ने फायरिंग की है। पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आइएसआइ प्रमुख फैज हमीद के काबुल दौरे से अफगानिस्तान में बाहरी दखल को लेकर लोग गुस्से में हैं। जानकारी के मुताबिक काबुल में राष्ट्रपति पैलेस के पास भारी संख्या में लोगों पाकिस्तान और आइएसआइ के चीफ के खिलाफ लोग प्रदर्शन कर रहे थे। इस दौरान वहां मौजूद तलिबान के लड़ाकों ने फायरिंग शुरू कर दी। फिलहाल लोगों के मारे जाने या घायल होने की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है।

क्रिकेटर बनना चाहते थे, लंबाई कम होने की वजह से छोड़ा, पिता की सलाह पर थामा रैकेट, 3 साल में बने वर्ल्ड चैंपियन बने कृष्णा नागर

लोग कहते थे बौना, अब परिवार की पहचान बना

जयपुर (एजेंसी)।

टोक्यो पैरालिंपिक में जयपुर के बैडमिंटन खिलाड़ी कृष्णा नागर ने गोल्ड मेडल जीता है। कृष्णा की जीत के बाद जयपुर के प्रतापनगर में उनके घर में खुशी का माहौल है। आम से खास सभी कृष्णा के घर पहुंच रहे हैं और परिजनों को बधाई दे रहे हैं। वहीं कृष्णा के जयपुर आने का इंतजार कर रहे हैं, ताकि गोल्ड मेडलिस्ट कृष्णा का स्वागत सत्कार कर सके।

कृष्णा का जयपुर से लेकर टोक्यो तक का सफर इतना आसान नहीं था। महज 2 साल की उम्र में कृष्णा के परिजनों को उनकी लाइलाज बीमारी का पता चला। इसके बाद कृष्णा की उम्र तो बढ़ रही थी, लेकिन लंबाई नहीं बढ़ रही थी। कृष्णा भी निराश होने लगे। कृष्णा की हाइट 4 फीट 2 इंच पर ही थम गई। परिजनों ने

कृष्णा का हर पल पर साथ दिया और उन्हें मोटिवेट किया। उसका ही नतीजा है कि कृष्णा बैडमिंटन शॉर्ट हाइट कैटेगरी में भारत के लिए पहला गोल्ड मेडल जीतने वाले खिलाड़ी बने हैं।

कृष्णा ने लोगों के ताने सुनकर घर से बाहर निकलना बंद कर दिया था

कृष्णा के पिता सुनील नागर ने बताया कि गोल्ड मेडल जीतने से पहले कृष्णा ने कड़ी मेहनत की है। कृष्णा ने बैडमिंटन के लिए घर-परिवार, यारी-दोस्ती सबकुछ छोड़ दिया और लगातार मेहनत की। उसी का नतीजा है कि आज यह मुकाम हासिल किया है। उन्होंने बताया कि यह सफर इतना आसान नहीं था। लंबाई कम होने की वजह से लोग कृष्णा को ताने देने लगे थे। बौना कहते थे। कृष्णा ने घर से बाहर निकलना भी बंद कर दिया था, लेकिन परिवार के सदस्यों ने उन्हें कभी कमतर महसूस नहीं होने दिया। लगातार खेलने के लिए मोटिवेट करते रहे। ताकि वह खुद को सब बच्चों की तरह ही समझ सके।

क्रिकेटर बनना चाहते थे कृष्णा

कृष्णा के पिता सुनील नागर ने बताया कि कुछ सालों पहले तक कृष्णा क्रिकेटर बनना चाहते थे। लंबाई कम होने की वजह से बैटिंग के दौरान हर बॉल बाउंस होकर कृष्णा के सिर के ऊपर से निकल जाती थी। इसके बाद कृष्णा ने क्रिकेट छोड़ वॉलीबॉल खेलना शुरू किया। इसमें वे काफी अच्छे डिफेंडर बन गए, लेकिन लंबाई की वजह से उसने वॉलीबॉल भी छोड़ दिया। फिर पिता ने बैडमिंटन खेलने की सलाह दी और कृष्णा को सवाई मानसिंह स्टेडियम लेकर गए। जहां साल 2017 से उन्होंने बैडमिंटन खेलना स्टार्ट किया।

सम्पादकीय

छोटे बयान के निहितार्थ बड़े

अगर समाज पूरी तरह से विभक्त हो, तो एक मिनट से कम का बयान भी किस तरह का भूकंप ला सकता है, इसका एक मजेदार अनुभव अभी हमें हुआ है। फिल्मों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाने वाले नसीरुद्दीन शाह वहां तो दूसरों का लिखा डायलॉग बोलते और तालियां वसूलते रहे हैं, मगर जैसे ही उन्होंने अपने मन की बात करने की कोशिश की कि आसमान फट पड़ा। कुछ महीने पहले भी उन्होंने अपनी जुबान खोली थी और इसी तरह कुछ लोग उन पर टूट पड़े थे, बल्कि कुछ ने तो उन्हें हाथोंहाथ लिया था। फर्क सिर्फ इतना हुआ है कि दोस्तों और दुश्मनों के रोल बदल गए हैं। उस समय उनके बयान का आशय था कि एक मुसलमान की पहचान के साथ भारत में रहते हुए उन्हें डर लगता है। इस वक्तव्य के आते ही राष्ट्रवादी उन पर हमलावर हो गए और उन्हें किसी 'सुरक्षित' जगह जाकर बसने की सलाह दी जाने लगी थी। इस बार जब उन्होंने भारतीय मुसलमानों के एक वर्ग द्वारा अफगानिस्तान में तालिबान की जीत पर जश्न मनाने की प्रवृत्ति की शदीद मजम्मत की, तो वह राष्ट्रवादियों के नायक बन गए। जिन उदारवादियों और धर्मनिरपेक्ष जमातों ने उस समय उन्हें एक महत्वपूर्ण आवाज के रूप में पेश किया था, वे समझ नहीं पा रहे हैं कि इस बयान पर क्या प्रतिक्रिया दें? नसीर ने इस बार आखिर क्या कहा है? उनकी एक मिनट से भी छोटी क्लिपिंग में दो बातें महत्व की हैं। एक तो उन्हें इस बात पर आपत्ति है कि दुनिया भर के लिए खतरनाक तालिबान की विजय पर भारतीय मुसलमानों का एक बड़ा तबका खुशी जाहिर कर रहा है और दूसरी, वह चाहते हैं कि दुनिया भर से भिन्न भारतीय मुसलमान यह तय करें कि वे मध्ययुगीन बर्बरता के साथ हैं या इस्लाम का एक आधुनिक संस्करण चाहते हैं। वह जब बोल रहे थे, तब यह स्पष्ट था कि फिल्मों की तरह उनके पास कोई लिखित संवाद नहीं था। वह भावनाओं की बाढ़ से जूझते हुए अपने दिल की बात कह रहे थे, इसीलिए उनके मूल्यांकन के लिए व्याकरण की बारीकियों में नहीं जाना चाहिए। नसीर के वक्तव्य के खिलाफ उनके अपने समुदाय के अंदर से कई तरह की आवाजें उठीं। कुछ तो धार्मिक पहचान की राजनीति करने वाले लोग थे, जो मानते हैं, दुनिया में शरीयत आधारित राज्य व्यवस्था कायम करने की दिशा में तालिबान का जीतना एक बड़ा कदम है और इसलिए नसीर के बयान को एक कमजोर यकीन वाले मुसलमान के प्रलाप से अधिक और कुछ नहीं समझा जाना चाहिए। पर ऐसे लोगों की संख्या कम थी, ज्यादातर वे लोग हैं, जो उनके शब्दों के चयन से दुखी थे कि उन्होंने सारे मुसलमानों को तालिबान की जीत का स्वागत करने वालों की श्रेणी में रख दिया है। इनमें से कुछ ने तो यहां तक दावा किया कि भारतीय मुसलमानों के नगण्य प्रतिशत ने अफगानिस्तान के घटनाक्रम पर खुशी जाहिर की है। सोशल मीडिया पर एक नजर दौड़ाने से स्पष्ट हो जाएगा कि यह बचाव सही नहीं है। मेरे लिए ये प्रतिक्रियाएं प्रत्याशित ही थीं, लगभग उसी तरह जैसे हिंदुत्ववादियों को वह अब नायक की तरह लगने लगे हैं। मैं यहां नसीर विरोधी उन प्रतिक्रियाओं की बात करने जा रहा हूं, जो उस सेकुलर लिबरल समाज की तरफ से आई है, जिसके वह तब नायक थे, जब उन्हें 'डर' लग रहा था। बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता की एक बहुत पुरानी बहस है, जो पूरी दुनिया की ही तरह भारत में भी चलती रहती है। मेरा मानना है कि बहुसंख्यक समाज की सांप्रदायिकता ज्यादा खतरनाक है, क्योंकि उसमें राज्य पर कब्जा करने का सामर्थ्य होता है। भारत का अनुभव यही बताता है, पर इसका मतलब यह हरगिज नहीं है कि अल्पसंख्यक समुदाय की सांप्रदायिकता किसी मायने में कम नुकसानदेह है। दोनों एक-दूसरे के लिए खाद का काम करती हैं। जहां पहली उदार संस्थाओं को नष्ट करती है, तो वहीं दूसरी अपने ही समाज के कमजोर तबकों पर आघात करती है। यह एक बड़ा दुर्भाग्य है कि हमारा वाम हिंदू कट्टरता पर तो जमकर हमला करता है, लेकिन राजनीतिक इस्लाम पर बातें करते समय कन्नी काटने लगता है। मेरी समझ है, ऐसा करके मुसलमानों के बीच के प्रगतिशील तबकों को वह अकेला छोड़ देता है। आजादी के फौरन बाद से ही कपड़े-लत्ते से लेकर भाषा तक में उनकी एक खास पहचान बनाई गई है और राजनीतिक दलों के लिए उनकी हैसियत एक वोट बैंक से अधिक नहीं रह गई है। जैसी प्रतिक्रिया कुछ सेकुलर तबकों से नसीर के बयान पर आई है, वह तो उन्हें कट्टरपंथियों के बीच और हाशिये पर पहुंचा देगी। इस प्रसंग में मुझे अपना एक अनुभव याद आ रहा है, जो शायद मेरी बात ज्यादा बेहतर ढंग से समझा सके। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के एक सेमिनार में भाग लेते समय मैंने पाया कि हर वक्ता (ज्यादातर) मुस्लिम श्रोताओं के बीच हिंदुत्व के बढ़ते खतरों पर बोल और तालियां वसूल रहा था। अपने अध्यक्षीय भाषण में मैंने कहा कि आप सब हिंदुत्व का दंश अपने रोजमर्रा की जिंदगी में झेलते ही रहते हैं, इसलिए उसके खतरों के बारे में आपको बताने का बहुत फायदा नहीं है, मैं तो आपके सामने निवेदन करने के लिए खड़ा हुआ हूं कि इतिहास के जिस मुकाम पर हम हैं, उसमें अब अल्लाह की हुकूमत नहीं कायम की जा सकती और अगर कोई दुनिया के किसी भी कोने में शरिया नाफिज करने की बात करता है, तो वह मुसलमानों का दुश्मन है। भाषण के इस अंश पर कि धर्मनिरपेक्षता सिर्फ भारत के लिए नहीं, पाकिस्तान, सऊदी अरब और ईरान के लिए भी जरूरी है, मेरे हिस्से में भी तालियां आईं। नसीरुद्दीन शाह के छोटे से बयान के निहितार्थ बहुत बड़े हैं। मुझे बड़ी खुशी हुई कि मुसलमानों के एक बड़े तबके ने उसका स्वागत किया है। अगर कट्टरपंथी उनका विरोध कर रहे हैं, तब तो और भी जरूरी है कि देश भर का सेकुलर और लिबरल तबका मजबूती से उनके साथ खड़ा हो और वह उसी तरह से अलग-थलग न पड़ जाएं, जैसा पूर्व में उन जैसे बुद्धिजीवियों का अपने समाज में हश्र हुआ है।

> **बहुसंख्यक और अल्पसंख्यक सांप्रदायिकता की एक बहुत पुरानी बहस है, जो पूरी दुनिया की ही तरह भारत में भी चलती रहती है।**

आसानी से नहीं झुकेगा तालिबान

आर्थिक संकट के बावजूद विचारधारा से समझौता करने को नहीं तैयार

> **2014 के यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट आफ पीस के अध्ययन के अनुसार तालिबान के कुछ प्रमुख मुद्दे सैन्य ताकत, जिहाद और अफगानिस्तान में इस्लामिक एमिरेट को स्थापित करना है। अपनी रणनीति बनाने के लिए हमें सामरिक दृष्टि से तालिबान की स्थिति को पाकिस्तान, ईरान, चीन और अमेरिका के दायरे में समझना होगा।**

बीते बीस वर्षों में अफगानिस्तान की अर्थव्यवस्था पूरी तरह पश्चिमी मदद पर आश्रित हो गई थी। सरकार के बजट की 75 प्रतिशत रकम विदेशी मदद से मिल रही थी। तालिबान के कब्जे के बाद अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, अमेरिकी सरकार और अन्य पश्चिमी देशों द्वारा अफगानिस्तान को आर्थिक मदद न देने से अफगानिस्तान निश्चित ही घोर आर्थिक संकट में घिरेगा। अफगानिस्तान के पास विकल्प भी नहीं दिखते हैं। विश्व में अफीम का 80 प्रतिशत उत्पादन अफगानिस्तान में होता है, लेकिन अनुमान है कि इससे तालिबान को मात्र 30 करोड़ डालर सालाना ही प्राप्त होते थे। तालिबान को इससे अधिक आय वैध व्यापार पर अवैध टैक्स वसूलने से होती थी। भारत के साथ विदेश व्यापार प्रतिबंधित करने से भी अफगानिस्तान की आर्थिक समस्याएं बढ़ेंगी। भारत अफगानिस्तान के माल का तीसरा सबसे बड़ा खरीदार रहा है। अफगानिस्तानी फल, ड्राई फ्रूट और खनिज निर्यातकों की दिक्कतें बढ़ेंगी। अफगानिस्तान के पास कथित रूप से एक लाख करोड़ रुपये के खनिज संसाधन हैं। यदि उनके व्यापार से अफगानिस्तान को आय हो सकती थी तो बीते 20 वर्षों में उनके खनन में व्यापक वृद्धि हुई होती। खनन में वृद्धि का न होना यही बताता है कि उनके वाणिज्यिक उपयोग में अवरोध हैं। उदाहरण के लिए चीन द्वारा 2007 में तांबे की खदान का अनुबंध किया गया था, जिससे आज तक उत्पादन शुरू नहीं हो सका है। अफगानिस्तान चारों तरफ से घिरा हुआ है। घरेलू अर्थव्यवस्था खोखली हो गई है। विदेशी मदद बंद हो चुकी है। अफीम का व्यापार सीमित है, विदेश व्यापार प्रतिबंधित है और खनिज पदार्थों का दोहन कठिन है। ऐसे में अफगानिस्तान में महंगाई का बढ़ना तय है। वहां से पूंजी का पलायन होगा और आम अफगान के लिए हालात लगातार खराब होते जाएंगे। तमाम आर्थिक संकट के बावजूद तालिबान के घुटने टेक देने के कोई आसार नहीं दिखते। हमारे सामने सीरिया, ईरान, उत्तर कोरिया, क्यूबा और वेनेजुएला के उदाहरण मौजूद हैं, जहां आर्थिक संकट के बावजूद लोगों ने कष्ट सहे, लेकिन घुटने नहीं टेके। इसलिए हमें किसी भ्रम में नहीं रहना चाहिए कि आर्थिक संकट के कारण तालिबान अपनी विचारधारा से समझौता करने को तैयार हो जाएगा। विशेषकर इसलिए कि तालिबान धार्मिक उद्देश्यों से प्रेरित संगठन है। 2013 में अमेरिका के फारेन पालिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट के अध्ययन के अनुसार तालिबानी अपने मजहब की रक्षा के लिए मरने को तैयार हैं। वे वर्षों से लेकर दशकों तक युद्ध करने को संकल्पित हैं। 2014 के यूनाइटेड स्टेट्स इंस्टीट्यूट आफ पीस के अध्ययन के अनुसार तालिबान के कुछ प्रमुख मुद्दे सैन्य ताकत, जिहाद और अफगानिस्तान में इस्लामिक एमिरेट को स्थापित करना है। अपनी रणनीति बनाने के लिए हमें सामरिक दृष्टि से तालिबान की स्थिति को पाकिस्तान, ईरान, चीन और अमेरिका के दायरे में समझना होगा। तालिबान का पाकिस्तान से घनिष्ठ संबंध जगजाहिर है। पाकिस्तान की तरह तालिबान का एक उद्देश्य कश्मीर में दखल देना है। इसलिए पाकिस्तान हमारे विरुद्ध और तालिबान के साथ ही खड़ा रहेगा। ईरान की स्थिति भिन्न है। अफगानिस्तान मूल रूप से सुन्नी बहुल देश है। यहां शिया समुदाय की संख्या लगभग 20 प्रतिशत है। शियों पर लगातार अत्याचार किए जाते रहे हैं। ईरान शिया बहुल देश है। इसलिए ईरान का स्वाभाविक झुकाव तालिबान के विरुद्ध होगा। वह अपने अल्पसंख्यक शिया समुदाय की रक्षा करना चाहेगा। चीन के सामने दो परस्पर विरोधी उद्देश्य हैं। एक तरफ अफगानिस्तान को वह अपने बेल्ट एंड रोड कार्यक्रम में जोड़ना चाहेगा, जिससे वह अफगानिस्तान के खनिजों का दोहन कर सके। दूसरी तरफ उसे शिनजियांग क्षेत्र के मुस्लिम समुदाय में कट्टर विचारधारा के प्रसार पर भी नियंत्रण करना है। इसलिए चीन चाहेगा कि अफगानिस्तान के साथ आर्थिक संबंध बनाए, लेकिन संभवतः वह गहरा संबंध नहीं बनाना चाहेगा। अमेरिका और अन्य पश्चिमी देशों को तालिबान नैतिक रूप से भ्रष्ट और अपना सबसे बड़ा दुश्मन मानता है। चूंकि भारत के अमेरिका से घनिष्ठ संबंध है इसलिए भारत स्वतः तालिबान का दुश्मन बन जाता है। अमेरिका की आर्थिक ताकत विफल है। मौजूदा परिस्थिति में अमेरिका के साथ जुड़कर भी हमें लाभ नहीं मिलने वाला। वैसे भी अमेरिका का आर्थिक सूर्यास्त हो ही रहा है, जबकि चीन का आर्थिक सूर्योदय हो रहा है। तालिबान न तो आर्थिक संकट से टूटेगा और न ही अमेरिकी दबाव में आएगा। इस स्थिति में भारत को अमेरिका से हटकर ईरान के साथ मिलकर तालिबान-पाकिस्तान के गठबंधन को घेरने का प्रयास करना चाहिए। ईरान हमारे साथ हमारा सहयोग कर सकता है, क्योंकि उसे अफगानिस्तान में अपने शिया समुदाय की रक्षा करनी है। वहीं चीन को भी इस्लामिक कट्टरता से मुकाबला करना है। हमारे सामने पहला विकल्प है कि अमेरिका के साथ सहयोग कर तालिबान की दुश्मनी मोल लें। इससे हम ईरान और चीन दोनों को ही कुपित करेंगे। तब हमारे सामने तालिबान-पाकिस्तान-ईरान-चीन की चौकड़ी दिखेगी। चीन यदि तालिबान को आर्थिक सहायता देगा तो हमें तालिबान का सामना करने में और मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। अतः हमें दूसरे विकल्प पर विचार करना चाहिए। ऐसे में हमें अमेरिका के गठबंधन से अलग होकर ईरान और चीन के साथ समन्वय कर तालिबान-पाकिस्तान के विरोध में ईरान-चीन-भारत की तिकड़ी बनाने का प्रयास करना चाहिए। हमें इससे आगे भी सोचना है। विषय आर्थिक अथवा सैन्य स्तर पर समाप्त होता नहीं दिख रहा। विषय हिंदू बनाम इस्लाम से जुड़ा हुआ है। यदि भारत को विश्वगुरु की भूमिका निभानी है तो ईसाई और इस्लाम मतों के साथ संवाद करना होगा। **-छगन लाल शर्मा**

पुरुष भी प्रताड़ित होता है...

सितारों की मौत

घर से बेहतर कोई पाठशाला नहीं

पिछले दिनों मात्र चालीस साल की उम्र में अभिनेता सिद्धार्थ शुक्ला का निधन हो गया। उसका कारण दिल का दौरा बताया गया। इससे पहले अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की आत्महत्या सुर्खियों में रही थी। इसी तरह अरसा पहले सिल्क स्मिता, स्मिता पाटिल, विवेका बाबाजी जैसे सितारों की मौत चर्चा में रही थी। आम लोग फिल्म और ग्लैमर की चमकीली दुनिया को आश्चर्य और ईर्ष्या से देखते हैं और इन जैसा जीवन जीने के सपने पालते हैं। लेकिन वहां की मुश्किलें मखमली पर्दों के नीचे इस तरह से छिपी रहती हैं कि अक्सर सामने ही नहीं आतीं। मुश्किलों की थोड़ी-बहुत चर्चा तभी होती है, जब कम उम्र में इस तरह की मौतें सुनाई देती हैं। सफलता अपने साथ बहुत चुनौतियां भी लाती है। सफल जीवन में हमेशा विफलता का डर सताता रहता है। सफलता को बनाए रखने के लिए न जाने कितनों के चंगुल में फंसना पड़ता है। सुशांत सिंह राजपूत और सिद्धार्थ शुक्ला फिल्मी दुनिया से नहीं आए थे। वे अपनी सफलता, जिसके साथ बड़ी पूंजी का भी संबंध है, हर हाल में बनाए रखना चाहते होंगे। लेकिन विफलता की कल्पना ही कितनी जानलेवा और तनाव भरी हो सकती है कि जान ले लेती है। अफसोस यह है कि इन दिनों कोई भी विफलता, तनाव, दुख और निराशा से निपटना नहीं सिखाता। जब से यूरोप-अमेरिका के मानकों के अनुसार यह बात चली है कि बच्चे से कभी कुछ न कहा जाए, तब से बच्चे और युवा विफलता और तनाव से निपटना ही जैसे भूल चुके हैं। ये आशा उनमें कभी होती ही नहीं कि कभी तो अच्छे दिन आएंगे, कभी तो निराशा के बादल छंटेंगे। यह जो आज नहीं, अभी और इसी सेकंड में अगर कुछ नहीं कर पाएंगे, तो समझो अवसर गया की सोच ने न केवल जीवन में, बल्कि हमारे मन में ऐसी प्रतिस्पर्धा पैदा कर दी है, जहां हमेशा बस जीतना ही है। इस दुनिया में हारने वाले की कोई जगह नहीं। इसीलिए कभी खबर आती है कि एक बच्ची इसलिए मर गई कि स्कूल की फीस के पैसे नहीं थे। एक लड़के ने इसलिए फांसी लगा ली कि ऑनलाइन जुए में चालीस हजार रुपये हार गया। कोई प्रेम में विफल होने पर जान गंवा बैठा। आखिर अपने युवाओं को हम कैसे बताएं कि अगर आज विफल हो, तो कोई बात नहीं, कल सफल हो सकते हो। न सही वह करियर, जो तुम चाहते थे, कोई और करियर तुम्हारी राह देख रहा है। लेकिन समझाए भी तो कौन? इन दिनों तो हर आदमी समय की कमी का रोना रोता है। वैसे भी घर से बेहतर पाठशाला कोई हो नहीं सकती। जो पाठ आप बचपन में पढ़ते हैं, उन्हें कभी नहीं भूलते। जब हमारे परिवारों में चाचा-चाची, ताई-ताऊ, बुआ आदि होते थे, तब परिवार का हर बड़ा सदस्य बच्चे को किसी न किसी बात पर टोकता था। **-डॉ. सुमनलता शर्मा**

हाशिये पर धकेल दिए गए इतिहास के नायकों के स्मरण का समय

> **स्वतंत्रता का मूल्य समझने वाला तंत्र, समाज और राष्ट्र अपने नायकों एवं स्वतंत्रता-सेनानियों को इतिहास के सुनहरे पृष्ठों में सबसे सुस्पष्ट अक्षरों में स्थान देता है।**

जो समाज एवं राष्ट्र अपने स्वाधीनता सेनानियों पर गौरव करता है, उनके त्याग, बलिदान एवं संघर्ष से प्रेरणा ग्रहण करता है, उनके विचारों, आदर्शों एवं जीवन-मूल्यों का अनुसरण करता है, निस्संदेह उनका आधार सुदृढ़, वर्तमान उपलब्धिपूर्ण एवं भविष्य उज्ज्वल होता है। वह भौतिक प्रगति एवं सांस्कृतिक समृद्धि के नए-नए सोपान तय करता है। देशभक्ति एवं कर्तव्यपरायणता उसकी पीढ़ियों की रगों में लहू बनकर दौड़ते हैं। स्वतंत्रता का मूल्य समझने वाला तंत्र, समाज और राष्ट्र अपने नायकों एवं स्वतंत्रता-सेनानियों को इतिहास के सुनहरे पृष्ठों में सबसे सुस्पष्ट अक्षरों में स्थान देता है। आज जब देश 'आजादी का अमृत महोत्सव' मना रहा है, तब यह प्रश्न सर्वथा उपयुक्त एवं समीचीन ही होगा कि क्या हमने अपने नायकों एवं स्वतंत्रता-सेनानियों के साथ संपूर्ण न्याय किया? क्या उन्हें उतना मान-सम्मान-स्थान प्रदान किया गया, जिसके वे सुपात्र थे? क्या यह सत्य नहीं कि स्वतंत्रता के बाद जिन महापुरुषों, बलिदानियों एवं स्वतंत्रता-सेनानियों को भारतीय नभाकाश पर दैदीप्यमान नक्षत्रों की तरह दमकना चाहिए था, उनकी आभा को तत्कालीन नेतृत्व और उसके समर्थकों द्वारा धूमिल करने एवं जनसाधारण की दृष्टि से उन्हें ओझल रखने का सुनियोजित षड्यंत्र एवं अपराध किया गया? यह तो इस देश का सौभाग्य रहा कि जनसाधारण ने अपने हृदय में उन महान स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति-छवि को कमोबेश जिंदा रखा। न जाने कितने ही ऐसे क्रांतिकारी एवं स्वतंत्रता-सेनानी रहे, जिनकी घनघोर उपेक्षा की गई, जिनके हिमालय सदृश व्यक्तित्व और योगदान को राई समान प्रस्तुत किया गया। उन्हें चंद पृष्ठों क्या, चंद शब्दों में समेट दिया गया। कुछ के व्यक्तित्व, कर्तृत्व एवं ऐतिहासिक अवदान को तो सायास विकृत करने का कुचक्र भी रचा गया। वैचारिक गिरोहबंदी के शिकार एवं प्रायोजित इतिहासकारों द्वारा इतिहास लिखाया गया। देश को गुलाम बनाने वाली विदेशी ताकतों और उनके अधिकारियों-अनुयायियों-दरबारियों द्वारा लिखे गए रिपोर्टों-वृत्तांतों को ही इतिहास का मूल स्रोत, साक्ष्य एवं आधार मान लिया गया। उनकी निष्ठा राष्ट्र एवं समाज के प्रति न होकर दल एवं विचारधारा विशेष के प्रति थी। उनसे मनमानी स्थापनाएं कराई गईं। इन सबका भयावह परिणाम यह हुआ कि इतिहास एवं संस्कृति के गौरवबोध से वंचित स्वाभिमानशून्य पीढ़ी निर्मित होती चली गई। आज कितने ऐसे युवा होंगे, जिन्हें नाना फड़नवीस, बाबू कुंवर सिंह, राम सिंह कूका, वासुदेव बलवंत फड़के, चाफेकर और सावरकर बंधुओं, लाला हरदयाल, मदनलाल ढींगरा, मादाम कामा, बारींद्र कुमार घोष, शचींद्रनाथ सान्याल, सत्येंद्र नाथ बोस, खुदीराम बोस, प्रफुल्ल चाकी, यतींद्र नाथ दास, बटुकेश्वर दत्त, उल्लासकर दत्त, भूपेंद्रनाथ दत्त, रासबिहारी बोस, श्यामजी कृष्ण वर्मा, भाई परमानंद, मास्टर दा, राजा महेंद्र प्रताप, रोशन सिंह, राजेंद्र लाहिड़ी जैसे कई क्रांतिवीरों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के काम तो दूर, नाम तक याद होंगे? जिनके नाम याद हैं, उनके भी काम और योगदान पर इतिहास की पाठ्य-पुस्तकों में व्यापक प्रकाश नहीं डाला गया। उनके योगदान के सामाजिक-सांस्कृतिक-ऐतिहासिक पक्षों-प्रभावों को स्पष्ट नहीं किया गया। भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु, चंद्रशेखर आजाद, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खां को लोक जनमानस, कला और सिनेमा ने जो महत्व दिया, क्या वही महत्व उन्हें इतिहास की पुस्तकों एवं अकादमिक जगत में दिया गया? क्या नेताजी सुभाषचंद्र बोस के महत्व एवं योगदान की न्यायपूर्ण विवेचना हुई? क्या स्वतंत्रता उपरांत योजनापूर्वक यह सिद्ध करने की कुचेष्टा नहीं की गई कि हमें आजादी केवल कांग्रेस के नेतृत्व में अहिंसक आंदोलन से मिली? जबकि तथ्य यह है कि स्वतंत्रता के संधि-पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री क्लीमेंट एटली ने 1956 में बंगाल के कार्यवाहक राज्यपाल जस्टिस पीबी चक्रवर्ती से बातचीत के क्रम में इस सत्य को उजागर किया था कि ब्रिटिश शासन के लिए बोस का आंदोलन और नौसेना विद्रोह अधिक चुनौतीपूर्ण था। उन्हें आशंका थी कि नेताजी की सैन्य गतिविधियों, नौसेना विद्रोह और भारतीय सेना में बढ़ते असंतोष के कारण बड़ी संख्या में अंग्रेजों को अपने प्राण न गंवाने पड़ें। इसलिए ब्रिटिश सरकार ने 1942 में प्रारंभ किए गए भारत छोड़ो आंदोलन की धार कालांतर में कुंद पड़ जाने के बावजूद 1947 में एकाएक भारत को आजाद करने का फैसला किया। क्या यह स्वाधीनता के लिए प्राणोत्सर्ग करने वाले, आजीवन कारावास एवं कालापानी की यातना भोगने वाले उन स्वतंत्रता सेनानियों के साथ किया गया क्रूरतम अन्याय नहीं है कि अधिकांश सरकारी योजनाओं, स्मारकों, सड़कों एवं संस्थाओं का नामकरण चंद नेताओं एवं घरानों तक सीमित कर दिया गया? यह विडंबना ही है कि इतिहास की पाठ्य-पुस्तकें इस तरह से लिखीं गईं कि एक ओर युवा पीढ़ी आक्रमणकारी-साम्राज्यवादी शासकों के क्रम एवं नाम से लेकर उनकी पूरी वंशावली तक से परिचित होती चली गई तो वहीं दूसरी ओर उन्हें जड़-मूल से उखाड़ फेंकने वाले मातृभूमि के सच्चे सपूतों एवं स्वतंत्रता सेनानियों के नाम तक की जानकारी नहीं? यह समय की मांग है कि अतीत की भूलों को वर्तमान में सुधारकर हाशिये पर धकेल दिए गए इतिहास के नायकों को मुखपृष्ठों पर स्थान मिले। **-रतन सिंह**

अब 300 नहीं 225 वर्गमीटर के भूखंडों पर बनाने होंगे रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम

नगरीय विकास विभाग ने जारी किए आदेश

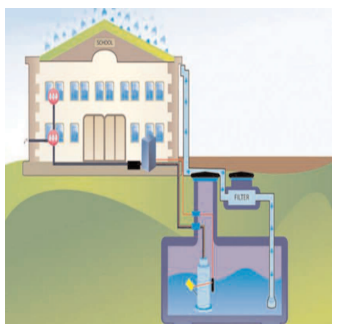

जयपुर (कासं). अब 300 की बजाय 225 वर्गमीटर व इससे बड़े भूखंडों पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम बनाना जरूरी होगी। नगरीय विकास विभाग ने मंगलवार को इस संबंध में आदेश जारी किए हैं। इस आदेश के बाद करीब 10 लाख भूखंड रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम के दायरे में आ जाएंगे। यूडीएच की एक्सपर्ट कमेटी ने इस संबंध में यूडीएच मंत्री शांतिधारीवाल को सिफारिश की थी। जिसके बाद यह आदेश जारी किए गए हैं। प्रमुख सचिव यूडीएच कुंजीलाल मीणा की अध्यक्षता में गठित कमेटी का मानना था कि 300 वर्गमीटर व इससे बड़े भूखंडों की संख्या कम है, इसलिए इस क्षेत्रफल को घटाकर 225 वर्गमीटर किया जाना चाहिए। हालांकि पहले इसे 167 वर्गमीटर से शुरुआत करने का प्रस्ताव था, लेकिन ऐसे भूखंडों पर सेटबैक में ज्यादा जगह नहीं मिलने के कारण ऐसा नहीं हो पाया।

2500 व.मी. भूखंड पर वेस्ट वाटर की रीसाइक्लिंग

छोटे भूखंडों पर बनी इमारतों को भी आदेश के तहत जल संरक्षण के दायरे में लगाया गया है। अब 5000 वर्ग मीटर व उससे बड़े भूखंडों के बजाय 2500 वर्ग मीटर व उससे बड़े भूखंडों के लिए पर बनी इमारतों के लिए बाथरूम और रसोई के वेस्ट वाटर की रीसाइक्लिंग जरूरी होगी। इसमें टॉयलेट से निकलने वाला पानी शामिल नहीं होगा। टॉयलेट में उपयोग किए जाने वाले वॉटर क्लोजेट में ड्यूल प्लस बटन सिस्टम जरूरी होगा। ताकि जितनी आवश्यकता हो, उतना ही पानी खर्च किया जा सके। मॉडल बिल्डिंग बायलॉज में यह प्रावधान जोड़ा गया है।

जयपुर को 6 भागों में बांट व्यापारियों ने बनाई कमेटियां

ट्रेड लाइसेंस का विरोध

जयपुर व्यापार उद्योग महासंघर्ष समिति

जयपुर (कासं)। पांच नए ट्रेड लाइसेंस के विरोध में व्यापारियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। 11 सितंबर को जयपुर बंद को सफल बनाने को लेकर व्यापारियों ने जयपुर को 6 भागों में बांटकर कमेटियां बनाई है। वहीं बंद को सफल बनाने के लिए मंगलवार को भी जयपुर व्यापार उद्योग महासंघर्ष समिति की बैठक हुई। इसमें जयपुर के सभी व्यापार मंडलों व व्यापारियों को 11 सितंबर को जयपुर बंद की जानकारी देने के लिए पंपलेट वितरित जाने पर चर्चा की गई, साथ ही कमेटियों को पंपलेट भी सौंपे गए।

जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल ने बताया कि ट्रेड लाइसेंस काले कानून के विरोध में 11 सितंबर को जयपुर बंद को लेकर व्यापार स्तर पर व्यापारियों को जागरूक करने का काम शुरू कर दिया है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुरेश सैनी ने बताया कि एमआई रोड जल्द ही 11 सितंबर को जयपुर बंद की अपील करता नजर आएगा। बाजार में बैनर—पोस्टर के माध्यम से दुकानदारों के साथ आम जनता को भी ट्रेड लाइसेंस काला कानून की जानकारी दी जाएगी। इस दौरान बैठक में फोर्टी के कार्यकारी अध्यक्ष अरुण अग्रवाल, जयपुर व्यापार महासंघ के अध्यक्ष सुभाष गोयल, कार्यकारी अध्यक्ष हरीश केड़िया, जयपुर लघु उद्योग व्यापार संघ के प्रकाश चंद गुप्ता, राजस्थान दुकानदार संघ के किशोर कुमार टाक सहित विभिन्न व्यापार मंडलों के पदाधिकारी शामिल हुए। बुधवार को रात 8 बजे जयपुर प्राइवेट अस्पताल नर्सिंग होम एसोसिएशन की 11 सितंबर को बंद के संबंध में मीटिंग होगी।

इन एसोसिएशन को किया शामिल

समिति के सुरेन्द्र बज ने बताया कि पूरे जयपुर को छह भागों में विभाजित करके कमेटियां बनाई गई है, कमेटी पदाधिकारी 11 सितंबर के जयपुर बंद के संदर्भ में सभी व्यापार मंडलों, एसोसिएशनों व छोटे से छोटे व्यापारी संगठन से लेकर फ्रूट फल सब्जी, छोटे किराना व्यापारी, सर्राफा ट्रेडर्स कमेटी, हार्डवेयर एसोसिएशन, होलसेल कपड़ा एसोसिएशन, सेनेटरी एसोसिएशन, बिल्डिंग मटेरियल एसोसिएशन, पेन्ट एशोसिएसन सहित जयपुर के सभी क्षेत्रों के व्यापार मंडलों से व्यापक संपर्क कर बंद को सफल बनाने के लिए चर्चा करेंगे। इसके अलावा ये लोग जयपुर बंद के समर्थन की दुकानदारों से अपील भी करेंगे। बैठक में बंद की तैयारियों को लेकर चर्चा की गई।

सार समाचार

महिला मोर्चा की सदस्य नंदा डगला ने भाजपा प्रदेश महामंत्री से की मुलाकात

जयपुर (कासं)। भाजपा महिला मोर्चा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती नंदा डगला ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश महामंत्री (संगठन) श्री चंद्रशेखर से मुलाकात की। इस दौरान डगला ने प्रदेश में संघठन को मजबूत बनाने, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं को जन जन तक पहुचाने, पात्र लोगो को अधिक से अधिक लाभ लाभान्वित करने, बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने, अधिक से अधिक संख्या में महिलाओं को जोड़ने व राज्य सरकार की नाकामियो को जन जन तक पहुचाने को लेकर चर्चा की गई।

सरकार उपभोक्ता संरक्षण के लिए कृत संकल्प -गुर्जर

जयपुर (कासं)। राजस्थान के उपभोक्ता आंदोलनकारियों का 27वां प्रांतीय महासम्मेलन मंलवार को राजस्थान चैम्बर भवन में आयोजित हुआ। सम्मेलन का उद्घाटन भारतीय उपभोक्ता परिसंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. अनन्त शर्मा ने किया। महासम्मेलन में रा%य आयो उपभोक्ता संरक्षण के सदस्य रामफूल गुर्जर मुख्य अतिथि थे। कं%यूमर सेंटर अहमदाबाद की अध्यक्षा प्रीती पण्ड्या, अखिल भारतीय ग्राहक परिषद् नागपुर के महासचिव देवेन्द्र तिवाड़ी एवं रा%य सरकार की रा%य उपभोक्ता हैल्पलाइन के प्रबंधक डॉ. रामबहादुर कुलश्रेष्ठ विशिष्ट वक्ता थे। महासम्मेलन की अध्यक्षता महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष वी.पी. हलचल ने की और इसका संयोजन सीसीआई के प्रदेश अध्यक्ष मुकेश वैष्णव ने किया। अपने उद्बोधन में रामफूल गुर्जर ने कहा कि रा%य सरकार उपभोक्ता कल्याण के प्रति कृत संकल्प है और रा%य आयोग ने कोरोना काल में भी प्रभावी ढंग से कार्य निस्तारण किया है। डॉ. रामबहादुर कुलश्रेष्ठ ने बताया कि राज्य उपभोक्ता हैल्पलाइन के माध्यम से 51 हजार से अधिक शिकायतों का निस्तारण किया गया है। महासम्मेलन का संचालन प्रांतीय महासचिव योगेश पालीवाल ने किया। महासम्मेलन के विभिन्न सत्रों में विभिन्न तकनीकी विषयों पर चर्चा हुई। इनमें मिलावट, कालाबाजारी, भ्रामक विज्ञापन, हॉलमार्क, गुणवत्ता आदि पर विशेषज्ञों ने विचार व्यक्त किए। विभिन्न रा%यों से आए लोगों ने राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रस्तुत किया। महासंघ के प्रदेश उपाध्यक्ष सागर सिंह राठौड़, केन्स महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्षा दीक्षिता पापड़ीवाल, सचिव संजय खण्डेलवाल, सह संयोजक आशा सक्सेना सहित विभिन्न वक्ताओं ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर राय के सभी 7 संभागों के 27 जिलों के प्रतिनिधि शामिल हुए। महासम्मेलन में राज्य के उपभोक्ता आंदोलन की भावी रणनीति तय की गई।

बिल्डर ने नहीं कराए विकास कार्य, जेडीए ने जब्त किए 5 भूखंड

जयपुर (कासं)। जेडीए ने निजी खातेदारी की योजनाओं में बिल्डरों की ओर से विकासकार्य नहीं कराने पर अब कार्रवाई शुरू कर दी है। योजनाओं में विकास कार्यों के पेटे रहन रखे 12.5 प्रतिशत भूखंडों को जब्त करना शुरू कर दिया है। जेडीए ने मंगलवार को जोन-7 में निजी खातेदारी की योजना वैशाली एस्टेट विस्तार के विकास कार्यों के पेटे रहन रखे गए 5 भूखंड जब्त किए। जेडीए इन भूखंडों की नीलाम कर योजना में विकास कराएगा। जेडीए अब अन्य योजनाओं में भी कार्रवाई करेगा। जेडीए आयुक्त गौरव गोयल ने बताया कि वर्ष 2015 से पहले अनुमोदित निजी खातेदारी की योजनाएं, जिनमें विकासकर्ताओं की ओर से राजस्थान टाउनशिप पॉलिसी-2010 में निजी खातेदारी योजनाओं में आंतरिक विकास कार्यों के मानदंड निर्धारित किए। विकासकर्ता निजी खातेदारी योजनाओं के 12.5 प्रतिशत भूखंड विकास कार्यों के पेटे रहन रखता है। इनसे सड़क निर्माण, स्ट्रीट लाइट, जलापूर्ति, सीवरेज व ड्रेनेज और पौधरोपण आदि विकासकार्यों के मानदंड निर्धारित किए हुए हैं।

165 करोड़ की पेयजल परियोजना का शिलान्यास आज

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बजट घोषणा के अनुसार जयपुर शहर के लिए बनी 165 करोड़ की पेयजल परियोजना बुधवार को धरातल पर उतरेगी। हवामहल विधायक महेश जोशी परियोजना पूरा करने के लिए बनाए गए आठ पैकेज में से तीन पैकेज के तहत स्वीकृत कार्यों का शुभारंभ करेंगे। उत्तर सर्किल एसई अजय सिंह राठौड़ ने बताया कि पैकेज के तहत बेनीवाल बाग में 20 लाख लीटर का स्वच्छ जलाशय, ब्रह्मपुरी पीएचईडी कार्यालय परिसर में 20 लाख लीटर का उच्च जलाशय, 50 लाख लीटर का स्वच्छ जलाशय, सेंट्रीफयूगल पंप बदलने का कार्य, परियोजना के तहत ही इन क्षेत्रों में पानी का प्रेशर बढाने के लिए 9 किलोमीटर से ज्यादा की फीडर मैन पाइप लाइन बिछाई जाएगी। इस परियोजना के पूरा होने के बाद ब्रह्मपुरी, गोविंद नगर, गुर्जर घाटी व आसपास के क्षेत्रों में रह रही डेढ़ लाख की आबादी लाभांवित होगी।

मिली 6.02 लाख वैक्सीन की खेप

जयपुर (कासं)। प्रदेश के लिए मंगलवार को 602450 कोविशील्ड वैक्सीन की बड़ी खेप पहुंची। जिनका जिलों के लिए वितरण शुरू कर दिया गया। एक दिन पहले सोमवार को भी प्रदेश को 9.33 लाख कोविशील्ड की बड़ी खेप मिली थी। इस तरह दो दिन में 15 लाख से ज्यादा वैक्सीन डोज प्रदेश के पास पहुंची है। इस बीच शाम तक के अपडेट आंकड़ों के मुताबिक 2.14 लाख से अधिक डोज प्रदेश में लगाई गई। जिनमें 1.23 लाख से अधिक पहली और 90 हजार से अधिक दूसरी डोज शामिल है।

3 क्षेत्रों में मिले तीन नए पॉजिटिव

जयपुर (कासं)। जयपुर जिले में हर दिन नए इलाके से नए संक्रमित मिल रहे हैं। इससे इलाकेवार संक्रमण बढ़ने की संभावना बढ़ रही है। मंगलवार को जिले के 3 क्षेत्रों में 3 नए कोरोना पॉजिटिव दर्ज किए गए। इस दिन गोविंदगढ़, वैशाली नगर और विद्याधर नगर से एक-एक नया मरीज दर्ज किया गया। वहीं एक दिन पहले सोमवार को जामडोली और झोटवाड़ा में नए मरीज मिले थे।

प्रो. संजीव शर्मा का कार्यकाल बढ़ा

जयपुर (कासं)। राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान जयपुर मानद विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. संजीव शर्मा का कार्यकाल एक साल के लिए बढ़ा दिया गया। उनका कार्यकाल 14 सितंबर को पूरा होना था। वे राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान में 5 सालों से निदेशक के पद पर हैं। आयुष मंत्रालय की ओर से आदेश जारी कर उनका कार्यकाल बढ़ा दिया गया है।

प्रदेश में 1656 किलोमीटर सड़कें राजमार्ग बनेंगी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रस्ताव का किया अनुमोदन

जयपुर (कासं)। प्रदेश में 20 जिलों की कुल 1656 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों को राज्य राजमार्गों में क्रमोन्नत किया जाएगा। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने इसके लिए सार्वजनिक निर्माण विभाग के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है। इससे सभी तरह के वाहनों को आने जाने के लिए और बेहतर सड़कें मिल सकेंगी। गहलोत ने बजट 2021-22 में इस संबंध में घोषणा की थी।

स्वीकृत प्रस्ताव के अनुसार व बाड़मेर जिले में 181 किलोमीटर लम्बी एवं सवाईमाधोपुर व करौली से गुजरने वाली 199 किलोमीटर लम्बी दो-दो सड़कें, टोंक से सवाईमाधोपुर होकर करौली जिले तक जाने वाली 158 किलोमीटर लम्बी सड़क, नागौर से अजमेर होकर जयपुर जिले तक जाने वाली 172 किलोमीटर लम्बी सड़क तथा धौलपुर और करौली से गुजरने वाली 137 किलोमीटर लम्बी सड़क राज्य राजमार्ग घोषित की जाएंगी। उल्लेखनीय है कि दौसा, अलवर एवं सवाईमाधोपुर से गुजरने वाली 88 किलोमीटर लम्बाई की सड़कों, भीलवाड़ा से राजसमंद होकर अजमेर जिले तक जाने वाली 75 किलोमीटर लम्बी सड़क, भीलवाड़ा से अजमेर होकर नागौर जिले तक जाने वाली 69 किलोमीटर लम्बी सड़क, कोटा और झालावाड़ से गुजरने वाली 60 किलोमीटर सड़क तथा बारां से कोटा होकर झालावाड़ जिले तक जाने वाली 49 किलोमीटर लम्बी सड़क को भी राजमार्ग बनाया जाना प्रस्तावित है।

प्रस्ताव के अनुसार बूंदी जिले में 152 किलोमीटर से अधिक लम्बाई की 21 सड़कों, झालावाड़ में 63 किलोमीटर लम्बी 14 सड़कों, बारां में 73 किलोमीटर लम्बी 5 सड़कों, पाली में 56 किलोमीटर लम्बी 4 सड़कों, टोंक जिले में 45 किलोमीटर लम्बी 6 सड़कों सहित बीकानेर में 93 किलोमीटर, जोधपुर में 28 किलोमीटर और जयपुर जिले में 15 किलोमीटर लम्बाई की एक-एक सड़क भी राज्य राजमार्ग घोषित की जाएंगी।

भाजपा विधायक दल की बैठक 9 को, राजे हो सकती हैं शामिल

विधानसभा का सत्र 9 सितंबर से शुरू हो रहा है। बिजली बिलों में बढ़ोतरी, बढ़ते अपराध सहित कई मुद्दों को लेकर विपक्ष सरकार को घेरेगा। इसके लिए भाजपा विधायक दल की बैठक 9 सितंबर को होगी। नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया की अध्यक्षता में होने वाली बैठक में सरकार को घेरने की रणनीति बनाई जाएगी। पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे भी विधायक दल की बैठक में शामिल हो सकती हैं।

कटारिया ने बताया कि प्रदेश में बढ़ते अपराध, अब तक अधूरे वादे और अवैध खनन जैसे मुद्दों को सदन में उठाकर सरकार से जवाब मांगा जाएगा। बिजली संकट, अघोषित कटौती और बढ़ते बिजली के बिल के मामले में सरकार को घेरा जाएगा। एमएसपी पर बाजरे की खरीद नहीं होने के मामले में भाजपा सदन में सरकार को घेरेगी। इसके अलावा अतिवृष्टि और आकाश जनित क्षेत्रों की अब तक गिरदावरी नहीं करवाने के मामले में घेरा जाएगा।

13 को आ सकते हैं गडकरी

राजस्थान विधानसभा के मौजूदा सत्र के दौरान ही 13 सितंबर को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का जयपुर आने का प्रस्तावित कार्यक्रम है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ राजस्थान की ओर से विधानसभा परिसर में होने वाली सेमिनार में गड़करी के बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने की संभावना है।

सह आरोपी को जमानत, राजाराम ने भी दायर की याचिका

जयपुर (कासं)। बीवीजी कंपनी के कंपनी प्रतिनिधि ओमकार सप्रे को राजस्थान हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद निलंबित महापौर सौम्या गुर्जर के पति राजाराम गुर्जर जमानत याचिका दायर की है। एसीबी कोर्ट में दायर जमानत याचिका पर दस सितंबर को सुनवाई होगी। याचिका में कहा है कि मामले के सहआरोपी सप्रे को हाईकोर्ट से जमानत मिल चुकी है। मामले में एसीबी ने कोर्ट में चालान भी पेश कर दिया है। कोर्ट में सुनवाई लंबी चलने की संभावना है ऐसे में उसको हिरासत में रखने का कोई उद्देश्य नहीं रहता है। ऐसे में उसको भी जमानत पर रिहा किया जाना चाहिए। कोर्ट राजाराम की जमानत याचिका पर दस सितंबर को सुनवाई करेगा। गौरतलब है कि राजाराम और सप्रे को एसीबी ने 29 जून को गिरफ्तार किया था।

व्यावसायिक निर्माण में अवैध हिस्सा ध्वस्त

जयपुर(कासं)। जेडीए ने मंगलवार को कार्रवाई करते हुए जीरो सेटबैक पर बेसमेंट और 2 मंजिला व्यावसायिक निर्माण में अवैध निर्माण को ध्वस्त किया। सड़क सीमा में बने 4 फुट बालकनी, सीढ़ियों, दीवारें आदि को हटाया। मुख्य नियंत्रक प्रवर्तन रघुवीर सैनी ने बताया कि जोन-6 में गैर अनुमोदित योजना भौंमिया नगर में 272 वर्गगज के भूखंड संख्या 2 का उतरी भाग और दक्षिण भाग तथा भूखंड संख्या 3 में लगते हुए बिना जेडीए की अनुमति एवं स्वीकृति के जीरो सेटबैक पर बेसमेंट और 2 मंजिला व्यावसायिक निर्माण में रोड सीमा में 4 फुट बालकनी, सीढ़ियों बेसमेंट की दीवार बना ली गई, जिसे नोटिस देकर पाबंद किया गया, लेकिन अवैध निर्माण जारी रखा। अवैध बिल्डिंग में बने बालकनी, सीढ़ियों, दीवारें आदि के अवैध निर्माण को 7 लोखंडा मशीनों, गैस कटर व मजदूरों की सहायता से ध्वस्त किया गया।

महावीर कुमार सोनी जीरो माइल आईकन अवार्ड 2021 (ज्योतिर्विद रत्न) से सम्मानित

नागपुर/जयपुर (कासं)। जयपुर के प्रख्यात ज्योतिर्विद एवं वास्तुविद को जीरो माइल आइकन अवार्ड 2021 - ज्योतिर्विद रत्न से अलंकृत किया गया है। नागपुर (महाराष्ट्र) से प्रकाशित प्रमुख राष्ट्रीय हिंदी साप्ताहिक जीरो माइल की ओर से प्रदान किये जाने वाला यह अवार्ड देश के प्रमुख अवार्ड्स में एक अत्यन्त महत्वपूर्ण स्थान रखता है, जो कि अपने कार्य क्षेत्र में अत्यंत विशिष्ट कार्य या सेवाओं के लिए यह प्रति वर्ष प्रदान किया जाता है। इस अवार्ड को प्राप्त करने के लिए देश के विभिन्न प्रदेशों से एक से बढ़कर एक सख्शियत आवेदन करने के बाद, चयन होने की स्थिति में अवार्ड प्राप्त करने के लिए नागपुर पहुंचती है। प्रति वर्ष आयोजित किए जाने वाले इस अवार्ड के लिए जीरो माईल समाचार पत्र द्वारा विशेषांक के रूप में विशिष्ट पत्रिका भी

प्रकाशित कर अवार्ड प्राप्त करने वालों के बारें में उल्लेखनीय जानकारी प्रकाशित करती है। जयपुर के सेलेब्रिटी एस्ट्रोलॉजर महावीर कुमार सोनी को समाचार पत्र के चीफ एडिटर डॉ. आनंद शर्मा एवं एडिटर श्रीमती विद्या शर्मा के कर - कमलों से सम्मान प्रमाण पत्र एवं ट्रॉफी आदि प्रदान कर यह अवार्ड प्रदान किया गया। इस अवसर पर ज्योतिर्विद महावीर सोनी ने उनको इस अवार्ड के लिए चुने जाने पर जीरो माईल समाचार पत्र का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि समाचार पत्र के चीफ एडिटर डॉ. आनंद शर्मा जी के कर-कमलों से यह अवार्ड लेते हुए उन्हें अत्यंत गौरव महसूस हो रहा है, क्योंकि श्री शर्मा देश की उन चुनिंदा हस्तियों में से एक है, जिनने समाजसेवा, लेखन एवं पत्रकारिता के क्षेत्र में ऐसे उल्लेखनीय कार्य किए हैं, जो अपने आप में एक बड़ी मिसाल है। श्री शर्मा इस अवार्ड के जरिए भी समाजसेवा एवं टेलेंट को प्रोत्साहित करने की दिशा में भी अत्यन्त अनुकरणीय कार्य कर रहे हैं।

डिस्कॉम कर्मचारी ही कर रहा था बिजली चोरी, निलंबित

जयपुर (कासं)। बिजली चोरी के मामले में प्रत्यक्ष रूप से दोषी पाए जाने पर जयपुर डिस्कॉम के सहायक अभियन्ता-सुधार षष्ठम कार्यालय में कार्यरत तकनीकी सहायक द्वितीय कैलाश चन्द बैरवा को निलम्बित कर दिया गया। जयपुर डिस्कॉम के प्रबन्ध निदेशक नवीन अरोड़ा ने बताया कि सतर्कता जांच के दौरान तकनीकी सहायक कैलाश चन्द बैरवा को एल टी पोल से अवैध आर्मड केबल डाल कर सीधे एमसीबी बॉक्स में जोड़कर बिजली चोरी करते हुए पाया गया था, जिसकी वीसीआर डिस्कॉम के सम्बन्धित अधिकारी द्वारा भरी गई थी।

रिटायर्ड एसई चावला की हत्या का मामला

गोली मारने वाले शूटर को हरियाणा से दबोचा

जयपुर (कासं)। वैशाली नगर में एनएचएआई कंसल्टेंट कंपनी के सलाहकार को गोली मारने वाले शूटर को पुलिस ने हरियाणा में दबोच लिया है। शूटर ने चावला को मारने के लिए 15 लाख में सौदा किया था। आरोपी ने पूछताछ में बताया कि उसे करीब एक घंटे तक चावला को बाहर निकलने का इंतजार करना पड़ा।

जैसे ही वह बाहर आए तो उसने गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही हैं। डीसीपी ऋचा तोमर ने बताया कि पानीपथ के उरलाना निवासी मुख्य शूटर रामधिया को गिरफ्तार किया। आरोपी रामधिया ने ही चावला को गोली मारी थी। आरोपी के संबंध में पुख्ता सूचना मिली थी कि वह अपने गांव पहुंचा है, तभी हरियाणा में पहले से उपस्थित पुलिस टीम ने उसको पकड़ लिया। पुलिस ने बताया कि मंगलवार देर शाम को मुख्य शूटर को जयपुर लाया गया। पूछताछ के दौरान उसने बताया कि 25 अगस्त को नवीन और विकास ने संपर्क कर उसे और धर्मेन्द्र को गुरुग्राम बुलाया। दोनों शूटर रातभर नवीन और विकास के साथ फ्लैट पर रहे। अगले दिन सुबह नशा कर जयपुर के लिए रवाना हो गए। दोपहर दो बजे वैशाली नगर में चावला के साथ जहां मीटिंग होनी थी। वह स्थान दिखाया और भागने के रास्ते बताए। फिर रामधिया और धर्मेन्द्र पिस्टल अपनी-अपनी पिस्टल लेकर नजदीक पार्क में जाकर बैठ गए।

थाने तक पहुंचा स्कूल फीस विवाद

जयपुर (कासं)। कोविड काल में निजी स्कूल और अभिभावकों के बीच उपजा फीस विवाद अब थाने तक जा पहुंचा है। राजधानी में भांकरोटा थाने में ऐसा ही एक मामला सामने आया है। अभिभावक ने स्कूल संचालक पर टीसी नहीं देने और तीन लाख बकाया फीस निकालने का आरोप लगाया है। जांच अधिकारी राजेन्द्र सिंह ने बताया कि बच्चों के पिता मंगल मेहता ने थाने में परिवाद दिया है। इसमें आरोप लगाया है कि भांकरोटा स्थित एक निजी स्कूल के संचालक ने फीस का दबाव बनाया। इस पर बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया। अब स्कूल से टीसी मांगी गई तो करीब तीन लाख रुपए बकाया निकाल दिया। पुलिस ने दोनों पक्षों की सुनवाई के लिए थाने बुलाया है।

विभाग ने दिए टीसी की अनिवार्यता के आदेश

गौरतलब है कि शिक्षा विभाग ने आदेश दिए हैं कि निजी स्कूलों को निर्देश दिए हैं कि स्कूल छोड़ने वाले स्टूडेंट की टीसी 15 दिन में देनी जरूरी होगी। साथ ही वह उसी सत्र की फीस इन स्टूडेंट्स से ले सकेंगे जब तक वह उस स्कूल में था।

पचास मीटर घसीट ले गया डंपर, बाइक चालक की मौत

जयपुर (कासं)। जगतपुरा रोड पर बालाजी तिराहे के पास मंगलवार दोपहर एक डंपर ने टैक्सी बाइक चालक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि डंपर के टायर में फंसा बाइक चालक 50 मीटर दूर तक घिसटता चला गया। यह देख आस-पास के लोगों ने डंपर को रुकवाने का प्रयास किया तो चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। पुलिस ने बाइक के पीछे बैठे युवक को गंभीर हालत में अस्पताल में भिजवाया है जहां उसका उपचार चल रहा हैं।

घायल को अस्पताल भेजा

पुलिस के मुताबिक मृतक रविशंकर मीना महुवा दौसा का रहने वाला था और टैक्सी बाइक चलाकर अपना गुजारा करता था। वहीं बाइक पर पीछे बैठा युवक भिवाड़ी अलवर निवासी दीपक गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसको निजी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती किया गया है।

'टोल लेने में आगे और सही सड़क देने में पीछे हैं कंपनियां'

परिवहन मंत्री प्रताप सिंह ने केंद्रीय मंत्री गडकरी को लिखा पत्र

कहा - खराब सड़क के कारण राजमार्ग पर बढ़ रही दुर्घटनाएं

जयपुर (कासं)। बारिश के बाद बिगड़ी सड़क की हालत को लेकर परिवहन मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने चिंता जताई। परिवहन मंत्री ने जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग की मरम्मत को लेकर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी को पत्र लिखा। उन्होंने कहा कि यह देश का व्यस्ततम राजमार्ग है। मरम्मत के अभाव में आए दिन दुर्घटनाएं हो रही है और लगातार संभावनाएं भी बन रही हैं। साथ ही खाचरियावास ने टोल टैक्स में वृद्धि पर भी लगाम लगाने की बात कही है। उन्होंने बताया कि जयपुर-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग स्थित शाहजहांपुर, मनोहरपुर और दौलतपुरा पर टोल टैक्स तो बढ़ा दिया गया, लेकिन सेवा प्रदाता कंपनी की ओर से राजमार्ग की समुचित मरम्मत नहीं कराई जा रही। ऐसे में खाचरियावास ने केंद्रीय मंत्री गडकरी से राज्य में स्थित राष्ट्रीय राजमार्गों की मरम्मत कार्य को गति प्रदान कराने, अनावश्यक टोल वृद्धि को रोकने और लापरवाही बरतने वाली सेवा प्रदाता कंपनियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने का आग्रह किया।

फैमिली के लिए बनाएं हैल्दी और टेस्टी अरवी की कढ़ी

आपने अरवी की सब्जी तो कई बार खाई होगी, लेकिन क्या आपने अरवी की कढ़ी खाई है. अरवी की कढ़ी टेस्टी और हेल्दी होती है, जिसे आसानी से फैमिली के लिए बना सकते हैं.

सामग्री
5 अरवी मीडियम आकार की
2 बड़े चम्मच बेसन
1 कप खट्टा दही
3 कप पानी
1 छोटा चम्मच कौर्नफ्लोर
1/2 छोटा चम्मच लालमिर्च पाउडर
2 हरीमिर्चें लंबाई में कटी
1/2 छोटा चम्मच हलदी पाउडर
नमक स्वादानुसार.
सामग्री तड़के की
1 बड़ा चम्मच तेल
1 छोटा चम्मच घी
3-4 करीपत्ते
1/2 छोटा चम्मच अजवाइन
1/2 छोटा चम्मच जीरा
1/2 छोटा चम्मच राई
1/8 छोटा चम्मच हींग
2 साबूत लालमिर्चें सजावट के लिए
1/4 छोटा चम्मच देगीमिर्च पाउडर.

विधि-एक बाउल में बेसन, दही, पानी, लालमिर्च पाउडर, हलदी पाउडर और नमक मिलाएं और हैंड ब्लैंडर से चर्न करें. अरवी को छील धोपोंछ कर लंबाई में काट लें. एक नौनस्टिक कड़ाही में तेल गरम कर के पहले अरवी फ्राई कर के निकाल लें. बचे तेल में हींग, जीरा, राई, अजवाइन का तड़का लगा कर बेसन का घोल डालें और मीडियम आंच पर कढ़ी लायक गाढ़ा होने तक पकाएं. इस में अरवी के टुकड़े भी डाल दें. कढ़ी तैयार हो जाए तो सर्विंग बाउल में निकालें. 1 चम्मच घी गरम कर के साबूत लालमिर्च और देगीमिर्च का तड़का लगाएं और फिर सर्व करें.

चटपटी पाव भाजी

पाव भाजी को घर पर आसानी से बहुत जल्दी बनाया जा सकता हैं. नाश्ते में पाव भाजी बनाकर परोसें, आपको और आपके परिवार को यह बहुत पसन्द आयेगा.

सामग्री
250 ग्राम लौकी छिली व कटी
2 गाजरें
150 ग्राम फूलगोभी
6 फ्रैंचबींस
1/4 कप मटर के हरे दाने
250 ग्राम टमाटर कद्दूकस किया
1 छोटा चम्मच अदरकलहसुन पेस्ट
1/2 कप प्याज बारीक कटा
2 बड़े चम्मच पावभाजी मसाला
2 बड़े चम्मच टोमैटो कैचअप
लालमिर्च स्वादानुसार
2 छोटे चम्मच औलिव औयल
थोड़ी सी धनियापत्ती कटी सजावट के लिए
थोड़ा सा पनीर कटा सजावट के लिए
6 पाव
1 छोटा चम्मच मक्खन, नमक स्वादानुसार.

विधि

गाजरों को छील कर मोटे टुकड़ों में व फूलगोभी को भी मोटे टुकड़ों में काट लें. फ्रैंचबींस को भी 1/2 इंच टुकड़ों में काट लें. अब सभी सब्जियों को 1/2 कप पानी और 1/2 चम्मच नमक के साथ प्रैशरकुकर में पकाएं. 1 सीटी आने के बाद लगभग 7 मिनट धीमी आंच पर और पकाएं. एक नौनस्टिक कड़ाही में औलिव औयल गरम कर प्याज सौते करें. फिर अदरकलहसुन पेस्ट डालें. 2 मिनट बाद टमाटर और पावभाजी मसाला डाल कर भूनें. जब मसाला भुन जाए तब इस में उबली सब्जियां डालें व मैशर से मैश करें. अच्छी तरह पकाएं. इस में टोमैटो कैचअप भी मिला दें. भाजी तैयार हो जाए तो सर्विंग बाउल में निकालें. पनीर के टुकड़ों और धनियापत्ती से सजाएं. एक नौनस्टिक तवे को मक्खन से चिकना कर उस पर पावभाजी मसाला बुरक तुरंत पाव को बीच से काट कर तवे पर डालें. अच्छी तरह सेंक लें. भाजी के साथ सर्व करें.

क्या करे क्या न करे

घर को सुंदर और आरामदेह बनाने की तमन्ना कौन नहीं रखता! लेकिन कई बार हम घर सजाने में यह भूल जाते है कि हम इंटीरियर डिजाइनर नहीं, जो यह जानते हों कि हमारे विचार कितने सही है या कितने गलत। कई बार हम ज्यादा पैसा खर्च करके भी वैसी ही सजावट नहीं कर पाते, जिसकी कल्पना हमने की थी। हमारी सलाह मानें और ध्यान दें कुछ आवश्यक हिदायतों पर।

घर को सुंदर और आरामदेह बनाने की तमन्ना कौन नहीं रखता! लेकिन कई बार हम घर सजाने में यह भूल जाते है कि हम इंटीरियर डिजाइनर नहीं, जो यह जानते हों कि हमारे विचार कितने सही है या कितने गलत। कई बार हम ज्यादा पैसा खर्च करके भी वैसी ही सजावट नहीं कर पाते, जिसकी कल्पना हमने की थी। हमारी सलाह मानें और ध्यान दें कुछ आवश्यक हिदायतों पर।

क्या करे 1. अपनी योजना लिखकर नोट करें। कमरे के आकार, विंडो साइज तथा लोकेशन का ध्यान रखते हुए सोचिए कि इंटीरियर के लिए कौन से रंग और स्टाइल आपको रखने है। खरीदारी करते समय इस प्लान को साथ रखें।

कुछ समय निकालें और इंटीरियर पत्रिकाओं, टीवी शोज या इंटरनेट से कुछ नई जानकारियां हासिल करे।

2.अपने कमरे का फोकल पॉइंट ढूंढिए जैसे फायरप्लेस, बाहर दिखने वाला स्थान, बेड या कोई अन्य स्थान । 3. केवल सोच कर नहीं, लिख कर डिजाइन करे। जैसे वुड का कौन सा टोन किस मोटिफ के साथ चाहिए, उसमें कैसे दरवाजे किस डिजाइन के साथ चाहिए।

4. अपनी सजावट के निर्णय को सही रूप में जानने के लिए एक पीस हर चीज का लें और उनकी योजना बना कर देखें कि कैसा लगेगा।

5. टाइलों और फैब्रिक में सबसे ज्यादा पैसा निवेश करना पड़ता है। इसलिए इनका चयन पहले कर लें। पेंट का चुनाव बाद में करे।

6. समय मिलते ही सजावट के बड़े सामान पहले खरीदें जैसे कालीन, परदे, सोफे आदि। उसी से मेल खाते रंग और स्टाइल चुनें। दूसरों की राय को भी शामिल करे।

7. पैट?र्न्स को आपस में मिक्स एंड मैच करे। बड़े डिजाइन को छोटे के साथ, बड़े चैक को छोटे चैक के साथ, प्लेन को स्ट्राइप के साथ तथा सादे को ज्यामितीय डिजाइन के साथ। इनसे विविधता के साथ सुंदरता भी नजर आएगी।

8. खाली जगह को नैचरल प्लांट्स या डेकोरेटिव आइटम से सजाएं।

9. फर्निशि्ंग और व्यवस्था से पहले यह सोच लें कि इस कमरे का उपयोग कौन और कैसे करेगा। जैसे डाइनिंग रूम के एक हिस्से में ही आपकी स्टडी भी है तो आपको डाइनिंग टेबल के अलावा वहां टेबल-कुर्सी के साथ रैक और लाइटिंग की सुविधा भी चाहिए।

10. नए प्रयोग करें जरूर लेकिन समझदारी से।

11. जब आकार, कलर, पैटर्न और फैब्रिक की योजना बना रही हों तो दोहराने के सिद्धांत को याद रखें।

12. काम के अनुसार ही लाइटिंग की व्यवस्था बनाएं। लाइट नियंत्रण से आप कमरे की सजावट में मूलभूत परिवर्तन कर सकती है।

13. जैसी आपकी गुंजाइश हो उतनी बेहतरीन क्वालिटी का फर्नीचर खरीदें। जिससे लंबे समय तक ये सजावट कायम रह सके।

14. कंट्रास्ट का इस्तेमाल करे इससे स्पेस का सही रूप उभर कर आएगा। फर्नीचर पर इस्तेमाल होने वाली एक्सेसरीज में विविध रंगों का इस्तेमाल करे।

15. बातचीत के क्षेत्र के बीच 8 से 14 फिट का अंतर रखें।

16. अंतिम रूप देने से पहले एक बार उसका अंदाजा

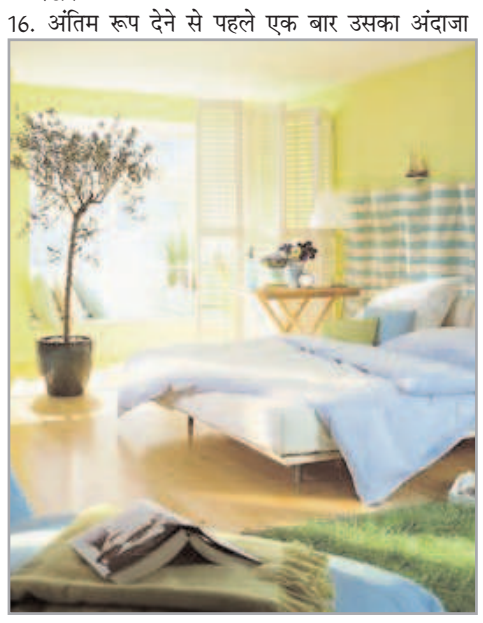

अवश्य लगा लें। 17. खुले स्थान पर कहां क्या बिछाना है उसकी व्यवस्था करें।

18. संतुलन और सही व्यवस्था के लिए जोड़े में सामान रखें।

19. सजावट को आकर्षक बनाने के लिए छोटा, बड़ा व सबसे बड़ा या ऑड या इवन नंबर में सामान रखें।

20. फॉर्मल कमरे में सभी चीजें समान व्यवस्था में रखें। फर्नीचर और एक्सेसरीज को व्यवस्थित कर रखें।

21. कम महत्वपूर्ण चीजों को पीछे रखें।

22. टैक्स्चर में भिन्नता को शामिल करें जैसे नर्म, रफ चमकदार और डल फिनिश। इससे घर सुरुचिपूर्ण दिखेगा। 23. अपने कमरे को स्टाइल देने के लिए लाइन का इस्तेमाल करें। हॉरीजोंटल लाइन लंबाई को बढ़ावा देने के साथ ठंडक का एहसास कराती हैं। वर्टिकल लाइंस ऊंचाई को तथा डायग्नल लाइंस से ऊर्जा और उत्साह मिलता है।

24. अपने कमरे को कोई थीम दें। उसी के अनुसार सामान व एक्सेसरीज से सजाएं।

25. यदि इंटीरियर के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं है तो विशेषज्ञ की सलाह लें।

अभी नहीं, कभी नहीं

1. आपका घर आपका निजी है। इसकी जिम्मेदारी किसी अन्य पर मत डालिए। यदि सलाह लेना चाहती हैं तो ले लें, लेकिन निर्णय केवल आपका ही होना चाहिए।

2. पेंट का कलर बाद में चुनें। पहले कारपेट, फर्निशिंग और एक्सेसरीज को खरीदें।

3. पेंट के संबंध में यह भी याद रखें कि एक छोटे से टुकड़े पर रंग देख आप अंदाजा नहीं लगा सकतीं कि वह कैसा लगेगा। इसलिए हमेशा एक बड़े टुकड़े को पेंट कर अंदाजा लगा लें। 4. पहली दुकान से ही खरीदारी न करें। एक बार घूम कर बाजार का अंदाजा ले लें। कोई चीज लैंप की रोशनी तथा दिन में वह कैसी लगेगी यह भी ठीक से जांच लें।

5. लाल रंग का पेंट का डिब्बा भी उतने का ही आएगा जितना सफेद का। इसलिए अपनी पसंद के साथ समझौता न करें। ऐसा रंग चुनें जिससे आपका व्यक्तित्व उभर कर आए तथा आपका तारतम्य घरेलू पसंद की चीजों से बैठ सके।

6. अपनी पसंद के रंग से घर की सारी दीवारें न भर दें, बल्कि पसंदीदा रंग से हाइलाइट करें। बेस कलर कुछ और रखें। यह न सोचें कि रिलेक्स करने वाले कमरे को आप अपने पसंदीदा लाल रंग से पेंट करवाएंगी तभी आपको आराम मिलेगा। ब्ल्यू और ग्रीन भी ठंडक और रिलेक्स करने वाले रंग हैं। जिस कमरे में एक्शन ज्यादा है या जो बच्चों का कमरा हो उसे रेड और ऑरेंज से कलर करें। ऐसी कलर स्कीम तय करें जिससे उस कमरे का वातावरण आपका मनचाहा बन सके।

7. उन रंगों को न भूलें जो संयोजन में साथ निभा सकते हैं। हलके और चटख रंगों के मेल से कमरा आकर्षक लगता है। यदि व्हाइट कलर चाहती हैं उसे ब्ल्यू या ऑरेंज के साथ मिक्स एंड मैच करा सकती हैं।

8. यदि आपके पास विकल्प है तो सोफा टेबल और चेयर को साथ-साथ मत रखिए। कमरे में कला का प्रदर्शन तथा फर्नीचर की सेटिंग महत्वपूर्ण जगहों के हिसाब से करें।

9. कमरे की सजावट ऐसी करें कि आपका फर्नीचर चलने-फिरने में बाधा न पहुंचाए।

10. कभी भी बाहरी आकर्षण से प्रभावित होकर फर्नीचर न खरीदें। सबसे पहले उसकी क्वालिटी देखें। क्लासिक अंदाज देने के लिए क्वालिटी से समझौता न करिए।

11. दूसरों के इंटीरियर से प्रभावित होकर अपने बजट से खिलवाड़ न करें। ट्रेंड समय के साथ बदलते रहते हैं। कोशिश करें कि ऐसे पीस चुनें जो लंबे समय तक उपयोगी और आकर्षक लगें।

12. पुराने तथा नए फर्नीचर को दुकान की तरह मत भर लीजिए। पुराने को कुछ नया रंग-रोगन करा उसे कमरे के बाकी सामान से मेल खाता रूप दें। पेंट, पॉलिश और फैब्रिक का रंग बदलकर आप यह कर सकती हैं। 13.यदि कोई आइटम आपके उपयोग में नहीं आने वाला तो उसे खरीदने की भूल मत करिए। अपने पैसे का सही और महत्वपूर्ण कामों के लिए इस्तेमाल करना सीखें।

14. यदि आपके पास जगह की कमी है और जरूरत भी नहीं है तो ऐसे पीस को जो भले ही पैतृक संपलि में मिला हो, मत रखिए। यह घर आपका है इसलिए इसे अपने तरीके से सजाएं। 15. ऐसा कुछ भी जो आपकी आंखों को अच्छा नहीं लग रहा, उसे तुरंत दूर कर दीजिए। 16. अपने घर को संग्रहालय मत बनाइए। कुछ चुनी हुई चीजें ही रखिए। यदि आपके पास स्थान की कमी है तो थोड़े-थोड़े समय बाद चीजों की अदला-बदली करते रहिए।

घरेलू सामान और उत्पाद की आजादी

जैसे एक युग में स्टीम इंजन से चलने वाली फैक्ट्रियों ने लाखों छोटे कारीगरों का काम छीना था पर बदले में अपने वर्क्स को ज्यादा खुशनुमा रिहायश और ग्राहकों को अच्छा काम दिया था. वैसे ही आज की डिजिकल क्रांति छोटे दुकानदारों, सेवाएं देने वालों और छोटे मैकेनिकों आदि को समाप्त कर रही है और व्यापार की बागड़ोर बड़ी कंपनियों के हाथों में एम्ब कर रही है.

मोबाइल बेस्ड टैक्नोलौजी से मिली सुविधा के कारण आज किराना शौप्स, टेलर्स, पेंटर, खाने का समय बनाने वाले सब गायब होते जा रहे हैं. फिल्पकार्ट, अमेजान और उस जैसे प्लेटफौर्म खुद कुछ नहीं बना रहे पर दूसरों का सामान बेच कर मोटी कमाई कर रहे हैं.

ओला राइड कंपनी जिस ने सारे देश में लगभग कालीपीली टैक्सियां गायब कर दी है. वे आटो को भी समाप्त करने में लगे हैं. बाइक टैक्सी व्यवसाय भी उन की टैक्नोलौजी में फिट बैठता है. अब कारों को खरीदने में माहिर और अपनी पुरानी गाडियों को बेचने में माहिर हो जाने के बाद वे पुरानी गाडियों के व्यवसाय में उतर रहे हैं और देश भर में फैलसे पुरानी गाडियों को बेचने वालों का सफाया कर देंगे. इस तरह की कंपनियां कानून बदलवा सकती हैं. वे सरकार पर दबाव डालेंगी जब तक सर्टिफाइड कार न हो, कोई पुरानी कार बेची न जाए और फिर सर्टिफेशन बिजनैसों को खरीदना शुरू कर देंगे.

वे सडक़ किनारे कि लगे बाजारों की जगह शहर के बाहर हजारों गाडियां एक जगह खड़ी करने की जगह बना लेंगे. सुविधा के नाम पर आप को गाड़ी का मेप, रंग, कितनी चली, ठीक हालत में है, कैसी गड्डियां हैं. कैसे बैलून हैं, कल और सेफ्टी फीचर सब मिल जाएगा, सिर्फ मोबाइल पर कोई झिकझिक नहीं, कोई डर नहीं कि गाड़ी किसी अपराध में तो नहीं पकड़ी गई है. इस का मतलब है कि लाखों पुरानी कारों के विक्रताओं के बच्चों को अब ओला या उस जैसी एक्टो कंपनियों में नौकरी से संतुष्ट रहना होगा. एक स्वतंत्र व्यवसाय जिस में मालिक गर्व महसूस करता था उसी तरह गायब हो जाएगा जैसे कभी बरतन ठोक कर बना लेने वाला ठठेरा (यह शब्द आज की पीढ़ी के लिए अनजाना है) गर्व भी महसूस करता था और आजादी से अपना छोटा सा काम करता था. यही टाटा एमजी कंपनी करने जा रही है जो दवाइयों को फार्मा कंपनियों से खरीद कर केवल अपने ऊंचाइयों के जरिए घरघर पहुंचाएगी. आप के पड़ोस का कैमिस्ट जो डाक्टर का भी काम करता था, गायब हो जाएगा. यह भी डिजिटल टैक्नोलौजी की कमाल है. ग्राहक चाहे इसे भी सुविधा माने पर असल में यह कैमिस्टों को लाभ डिलिवरी बौय बना देगा. जैसे पहले राजा तलवार के बल पर किसान को लूटते थे, फिर फैक्ट्रियां के बल पर आप मजदूरों को गुलामी करनी पड़ी वैसे ही अब डिजिटल मोनोपोली से आम आदमी गुलाबी की एक और जंजीर गले में डाल लेगा. इस गुलामी का असर घरों पर सब से ज्यादा पड़ता है. जब भी किसी समाज में गुलामी का दौर बढ़ा है, वहां की औरतें और गुलाम हो गई हैं. एक युग में पंडों के पाखंड ने कैरे समाज को वर्चस्व में ले लिया था. जहां भी धर्म का समाज पर मोनोपौली हुई वहां औरतों पर हजारों नए प्रतिबंध लगे. जब आम आदमी के अधिकारों को बल मिला चाहे शिक्षा के कारण या सरकार, उद्योगपति या पाखंडबाजों के खिलाफ विद्रोह से, औरतों ने राहत की सांस ली. यह पूरे समाज में बराबरी के अवसरों और आजादी का नतीजा है.

जब आप घरेलू सामान, घरेलू सेवाओं और यहां तक कि घरों के लिए एकदो कंपनियों पर निर्भर रह जाएंगी. आप की आजादी छिन जएगी. व्हाट्सएप या फेसबुक पर जाने अनजानों के बारे में जान कर खुश न हो कि वाह क्या कमाल है तकनीक का. यह चूहेदान में लगी डबल रोटी है जिसे खाने के लालच में आप चूहेदानियों में फंस रहे हैं और फिर गुलाम हो जाते हैं. एमेजन, फ्लिपकार्ड, ओला ने शुरू में सस्ते में जो कुछ देना शुरू किया था, आज बंद कर दिया है. अब वे हर चीज अपनी मनचाही कीमत पर दे रहे हैं और चूंकि पड़ोस में दुकानदार कम हो गए हैं और आप आलस्य के मारे घर बैठे सामान खरीदने के आदी हो गए हैं, आप आर्थिक गुलाम हो गए हैं.

सार समाचार

डयूरेक्स ने अपना पहला 'मेड फॉर इंडिया' इन्नोवेटिव उत्पाद पेश किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। दुनिया के नंबर 1 सेक्सुअल स्वास्थ्य ब्रांड डयूरेक्स ने डयूरेक्स एक्स्ट्रा-थिन फ्लेवर्ड कॉन्डम के साथ अपना पहला 'मेड फॉर इंडिया' इन्नोवेटिव उत्पाद पेश किया है। दुनियाभर में, यह डयूरेक्स का फ्लेवर्ड कॉन्डम श्रेणी में सबसे ज्यादा उपभोक्ता-केंद्रित उत्पाद है। उपभोक्ताओं की पसंद और फीडबैक के आधार पर यह रेंज तीन अलग-अलग फ्लेवर-चॉकलेट, स्ट्राबेरी और बबलगम में उपलब्ध होगी।दिलेन गांधी, रीजनल मार्केटिंग डायरेक्टर, साउथ एशिया, हेल्थ एंड न्यूट्रिशन, रेकिट ने कहा, भारत में कुल कॉन्डम बिक्री में 60 प्रतिशत से ज्यादा हिस्सेदारी फ्लेवर्ड कॉन्डम कैटेगरी की है, जिनका मुख्य ध्यान फ्लेवर्स पर है न कि प्रोडक्ट इन्नोवेशन और इस श्रेणी में उपभोक्ताओं के सामने आने वाले अंतरंग मुद्दों को हल करने के प्रयासों पर। वैश्विक लीडर के तौर पर, डयूरेक्स ने अपनी उत्पाद विशेषज्ञता और पतले कॉन्डम बनाने में अपनी सर्वश्रेष्ठता का फायदा उठाते हुए डयूरेक्स एक्स्ट्रा-थिन फ्लेवर्ड कॉन्डम के साथ अपनी तरह के पहले मेड फॉर इंडिया उत्पाद को लॉन्च कर इस समस्या का समाधान किया है। यह डयूरेक्स के लिए वैश्विक स्तर पर लॉन्च होने वाला पहला उत्पाद है जो बेडरूम में परम-आवश्यक अंतरंगता लाने पर केंद्रित है। ।बॉबी पवार, चेयरमैन और चीफ क्रिएटिव ऑफिसर, हवस ग्रुप इंडिया ने कहा, डयूरेक्स के नवीनतम उत्पाद को लॉन्च करने के लिए, हमारे सामने एक दिलचस्प सवाल था। क्या मौजूदा फ्लेवर्ड कॉन्डम के साथ संतुष्ट लोगों को इनकी मोटाई से कोई समस्या है? खैर, वास्तविक ड्यूरेक्स फैशन में हमनें वर्तमान सामाजिक नियमों पर बातचीत शुरू करने के लिए एक शुरुआत की।

एक्सिस बैंक ने 'कम एज यू आर' की घोषणा की

मुंबई,(एजेंसी)। एक्सिस बैंक ने अपने 'दिल से ओपन' विचार के अनुरूप आज 'कम एज यू आर' की घोषणा की, जो एलजीबीटीक्यूआईए+ समुदाय के अपने कर्मचारियों और ग्राहकों के लिए नीतियों और प्रथाओं का एक चार्टर है। इस नई पहल के साथ एक्सिस बैंक विविधता, समानता और समावेश को बढ़ावा देने और लागू करने के लिए इस तरह के कदम उठाने वाले भारत के पहले बैंकों में से एक बन गया है। 6 सितंबर 2018 को धारा 377 पर एक ऐतिहासिक फैसले में, भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया था कि निजी तौर पर सहमति देने वाले वयस्कों के बीच सभी यौन संबंधों को अपराध से मुक्त कर दिया जाना चाहिए। माननीय न्यायमूर्ति इंदु मल्होत्रा, जो 5 सदस्यीय खंडपीठ का एक हिस्सा थी ने कहा, 'इस समुदाय के सदस्यों और उनके परिवारों को सदियों से जिस अपमान और बहिष्कार का सामना करना पड़ा है, उसके निवारण में देरी के लिए अतीत कसूरवार है। इस समुदाय के सदस्यों को प्रतिशोध और उत्पीड़न के भय से भरा जीवन जीने के लिए मजबूर किया गया था।' सर्वोच्च न्यायालय की भावना और बैंक की व्यापक ईएसजी गठबंधन प्रतिबद्धताओं को ध्यान में रखते हुए बैंक ने 'कम एज यू आर' - नीतियों और प्रथाओं का एक चार्टर शुरू किया है जो संगठन के भीतर और अपने ग्राहकों के लिए विविधता, समानता और समावेश को अपनाता है।

रेमंड ने सामूहिक टीकाकरण अभियान के माध्यम से कोविड के खिलाफ भारत की लड़ाई का किया समर्थन

मुंबई, (एजेंसी)। सार्वजनिक-निजी साझेदारी के ज़रिए कोविड-19 टीकाकरण कार्यक्रम बड़े पैमाने पर शुरू करने के लिए, रेमंड लिमिटेड ने अपनी सामाजिक पहल के हिस्से के रूप में आज बृहन्मुंबई नगर निगम (एमसीजीएम) के साथ मिलकर दक्षिण मुंबई के वरली में तीन दिनों के कोविड-19 टीकाकरण अभियान की शुरूआत की है।टीकाकरण अभियान का उद्घाटन महाराष्ट्र के माननीय पर्यावरण और पर्यटन मंत्री और मुंबई के पालकमंत्री श्री आदित्य ठाकरे ने और रेमंड लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक श्री गौतम हरि सिंघानिया की उपस्थिति में किया। वरली में टीकाकरण अभियान का उद्देश्य इस इलाके की महिलाओं, झुग्गी-झोपड़ियों में रहने वाले लोगों और टैक्सी चालकों का टीकाकरण करना है। इस अवसर पर, रेमंड लिमिटेड के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, गौतम हरि सिंघानिया ने कहा, मुझे खुशी है कि समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के अपने मूल सिद्धांत का पालन करते हुए रेमंड देश भर में टीकाकरण अभियान में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है। प्रतिरक्षा हासिल करने और मृत्यु दर को कम करने के लिए सामूहिक टीकाकरण को तेज़ी से करना अनुशंसित और उपलब्ध हथियार है। अब तक, हमने बड़े पैमाने पर टीकाकरण सुनिश्चित करने के लिए स्थानीय नगर निकायों, अस्पतालों के साथ भागीदारी की है। वर्तमान अभूतपूर्व समय में, निजी क्षेत्र सार्वजनिक क्षेत्र के साथ मिलकर महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। मुझे यकीन है कि रेमंड के इस कार्य का अनुकरण दूसरों द्वारा किया जाएगा जो न केवल हमारे देशवासियों को वायरस से सुरक्षा दिलाने में मदद करेगा बल्कि आर्थिक सुधार में तेज़ी लाने में भी मदद करेगा।

होंडा कार्स ने आकर्षक फाइनेंस स्कीम्स के लिए इंडसइंड बैंक के साथ साझेदारी की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत में प्रीमियम कारों की अग्रणी निर्माता होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड (एचसीआईएल) ने अपने ग्राहकों की फाइनेंस और पेमेंट से जुड़ी खास जरूरतों को पूरा करने के लिए इंडसइंड बैंक के साथ साझेदारी की है। इसके तहत ग्राहकों के लिए सुविधाजनक, किफायती और व्यक्तिगत फाइनेंस स्कीम पेश की जाएंगी। यह साझेदारी ग्राहकों को होंडा अमेज और होंडा सिटी की खरीद पर कस्टम-बिल्ट फाइनेंसिंग सॉल्यूशंस जैसे लो ईएमआई, फ्लेक्सी टर्म, 100त्न एक्स शोरूम फंडिंग और खास ग्राहक समूहों जैसे किसानों आदि के लिए कस्टमाइज्ड स्कीम्स का लाभ उठाने की सुविधा प्रदान करेगी। राजेश गोयल, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं डायरेक्टर, मार्केटिंग एंड सेल्स, होंडा कार्स इंडिया लिमिटेड ने कहा, इंडसइंड बैंक के साथ साझेदारी नौकरीपेशा और सेल्फ इंप्लॉयड जैसे अलग-अलग प्रकार के ग्राहकों के लिए पर्सनल मोबिलिटी को और अधिक आसान बनाने की दिशा में हमारा प्रयास है।

रीबॉक ने वॉकिंग पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए लोगों को फिट रहने के लिए प्रेरित किया

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारत के फिटनेस ब्रैंड रीबॉक ने अपनी वॉकिंग फुटवियर रेंज में नए स्टाइल्स पेश किए हैं। इस श्रेणी में पुरुषों एवं महिलाओं दोनों के लिए तकनीकी उन्नति के साथ कुछ नए संकलन देखने को मिलेंगे। यह प्रोडक्ट्स वॉकिंग के दौरान सबसे ज्यादा कम्फर्ट एवं सपोर्ट प्रदान करने के लिए बनाये गये हैं। इस घोषणा का लक्ष्य अपने ग्राहकों के लिए फिटनेस भागीदार बनने की रीबॉक की प्रतिबद्धता को मजबूत करना है। साथ ही ब्रांड रोज़ाना की जिंदगी में फिटनेस की अहमियत पर जोर देना चाहता है। ध्यान देने योग्य है कि रीबॉक अपने सभी उपभोक्ताओं के लिए फिटनेस को जिंदगी का एक अहम हिस्सा बनाने की अपनी प्रतिबद्धता का अनुसरण कर रहा है।पिछले कुछ सालों से रीबॉक ने देखा है कि कई लोगों ने खुद को फिट रखने के लिए वॉकिंग को एक एक्टिविटी के तौर पर अपनाया है। इस ट्रेंड को बढ़ावा देने और ज्यादा लोगों को वॉकिंग के लिए प्रेरित करने के लिए, रीबॉक के नये कलेक्शन को बेहतरीन क्वॉलिटी, आराम और तकनीक के साथ किफायती कीमतों में पेश किया जा रहा है। नए प्रोडक्ट्स जैसेकि रीबॉक डेलीफिट डीएमएक्स, एवर रोड डीएमएक्स 4.0, एवर रोड डीएमएक्स स्लिप ऑन, वॉक वे कॉम्फी 2.0 और ड्रुहान आदि वॉकिंग कैटैगरी में रीबॉक की स्थिति को मजबूत करने के लिए तैयार हैं। इस रेंज में रीबॉक के वॉकिंग शूज की सिग्नेचर डीएमक्स मूविंग एयर टेक्नोलॉजी दी गई है, जो शूज के मिडसोल में एयर मूवमेंट को बढ़ावा देती है ताकि एड़ी से लेकर पंजे तक स्वाभाविक कुशनिंग मिल सके। इससे चलने का आरामदायक अनुभव मिलता है। नई डेलीफिट डीएमएक्स उन्नत एवं नवीनतम डीएमएक्स ट्रिपलमैक्स एयर मूविंग टेक्नोलॉजी से लैस है, जो पूरे दिन आरामदायक अनुभव देने के लिए अतिरिक्त आर्च सपोर्ट प्रदान करती है।रीबॉक अपने पुरस्कार विजयी डेलीफिट डीएमक्स वॉकिंग शूज में नए कलर्स भी लेकर आया है। डेलीफिट डीएमएक्स ने महिलाओं को बहुपयोगी और किफायती वॉकिंग शूज के विकल्पों की पेशकश करना जारी रखा है जिन्हें ऐक्टिव लाइफस्टाइल को सपोर्ट देने के लिए बनाया गया है। नए डेलीफिट डीएमएक्स व्हाइट, ब्लैक, पिंक टाई डाई और ग्रे जैसे रंगों में आते हैं। रीबॉक की ब्रैंड एंबेसेडर कैटरीना कैफने वॉकिंग रेंज पर अपनी बात रखते हुए कहा, मेरा रीबॉक के साथ एक लंबा रिश्ता रहा है। इसलिए मुझे ब्रैंड के एक और आकर्षक अभियान का हिस्सा बनकर बहुत खुशी हो रही है। अपनी वॉकिंग श्रेणी में नए स्टाइल्स लॉन्च करने से फिटनेस के प्रति रीबॉक द्वारा किये जा रहे प्रयासों का पता चलता है। इससे यह संकेत भी मिलता है कि वॉकिंग जैसी साधारण सी कसरत किस तरह से किसी की फिटनेस में एक बड़ा अंतर ला सकती है। वॉकिंग एक ऐसी कसरत है जिसे लोग अपने रोज़ के कामकाज में शामिल कर सकते हैं। रीबॉक ने सभी लोगों के लिए इस कसरत को सुविधाजनक बनाने के लिए यह पहल की है। इसके साथ ही इसमें आराम, गुणवत्ता और मजबूती का भी खयाल रखा गया है। यह रेंज देश के अधिक से अधिक लोगों को ज्यादा स्वस्थ और एक बेहतर जिंदगी जीने के लिए उत्साहित करेगी।पुरुषों और महिलाओं के लिए नई वॉकिंग रेंज shopyree-bok.com और चुनिंदा रिटेल स्टोर्स पर उपलब्ध है। अमेज़न, फ्लिपकार्ट, आजियो, मिंत्रा और टाटा क्लिक जैसे फैशन रिटेलर्स के पास भी नई वॉकिंग स्टाइल्स की व्यापक रेंज मिलेगी। ड्रुहान रेंज को सितंबर के मध्य में लॉन्च किए जाने की तैयारी है और नई वॉकिंग रेंज के वॉक वे कॉम्फी 2.0 शूज अक्टूबर के पहले हफ्ते में लॉन्च किए जाएंगे।

एचडीएफसी बैंक ने एमएसएमई को क्रेडिट सपोर्ट देने के लिए एनएसआईसी के साथ समझौता किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। एमएसएमई का सहयोग करने के अपने प्रयास जारी रखते हुए भारत के सबसे बड़े निज़ी क्षेत्र के बैंक, एचडीएफसी बैंक ने देश में मौजूद एमएसएमई को क्रेडिट सपोर्ट देने के लिए नेशनल स्मॉल इंडस्ट्रीज़ कॉर्पोरेशन (एनएसआईसी) के साथ एक समझौतापत्र पर हस्ताक्षर किए हैं।इस गठबंधन के तहत, एचडीएफसी बैंक एमएसएमई को विशेष रूप से तैयार स्कीम्स प्रदान करेगा, ताकि उनकी प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि हो। वित्त की इस व्यवस्था के तहत, एचडीएफसी बैंक की शाखाएं अपने आसपास के क्षेत्रों एवं देश में अन्य महत्वपूर्ण औद्योगिक क्षेत्रों में स्थित एमएसएमई परियोजनाओं को सहयोग प्रदान करेंगी।इस समझौतापत्र पर हस्ताक्षर ओखला, नई दिल्ली स्थित एनएसआईसी कार्यालय में गौरंग दीक्षित, डायरेक्टर ऑफफाईनेंस, एनएसआईसी एवं श्री अखिलेश कुमार रॉय, नेशनल हेड, सेल्स एक्सिलेंस एवं ट्रांसफॉर्मेशन, एचडीएफसी बैंक के द्वारा किया गया। इस ईवेंट में श्री राहुल शुक्ला, ग्रुप हेड, कमर्शियल एवं ग्रामीण बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक ने हिस्सा लिया तथा एनएसआईसी के ज़ोनल कार्यालयों को संबोधित कर देश में एमएसएमई परिवेश को मजबूत बनाने के लिए अपने पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। राहुल शुक्ला, ग्रुप हेड, कमर्शियल एवं ग्रामीण बैंकिंग, एचडीएफसी बैंक ने कहा, ''बैंक के रूप में हमें अर्थव्यवस्था को पुन: शुरू करने और गति देने के इस बड़े प्रयास का हिस्सा बनने की खुशी है। हमारा मानना है कि एनएसआईसी के साथ यह साझेदारी एमएसएमई सेक्टर की वृद्धि में मदद करेगी, जो आर्थिक विकास एवं नौकरियों के सृजन की दृष्टि से देश की रीढ़ है।''

वीएमसी ने साल का सबसे बड़ा टेस्ट वीआईक्यू शुरू किया

जयपुर (एजेंसी)। डॉ. एस. राधाकृष्णन की जन्मतिथि पर होने वाले शिक्षक दिवस के मौके पर जेईई और नीट की तैयारी कराने वाली देश की शीर्ष शिक्षण संस्था विद्यामंदिर क्लासेज (वीएमसी) ने साल का सबसे बहुप्रतीक्षित और सबसे बड़ा टेस्ट विद्यामंदिर इंटेलेक्ट क्रेस्ट (वीआईक्यू) शुरू किया है।विद्यामंदिर क्लासेस में उपलब्ध कई तरह के कोर्स में से किसी एक में अगले बैच से दाखिला और छात्रवृत्ति पाने के इच्छुक छात्रों के लिए वीआईक्यू राष्ट्रीय स्तर का ऑनलाइन टेस्ट है, लेकिन साथ ही यह मौजूदा सत्र में जल्दी दाखिला पाने का लाभ भी देता है। नया बैच अगले साल के शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2022 से शुरू होगा लेकिन इस टेस्ट के जरिये चुने गए छात्र मौजूदा सिलेबस भी पूरा कर सकते हैं।शिक्षक दिवस पर शुरू यह टेस्ट पांचवीं से लेकर ग्यारहवीं के छात्रों के लिए 23 और 30 अक्तूबर 2021 को आयोजित किया जाएगा। इसके लिए छात्र 5 से 15 सितंबर 21 के बीच नि:शुल्क पंजीकरण करा सकते हैं। परीक्षा में सफल छात्रों का चयन उनके प्रदर्शन के आधार पर किया जाएगा और उन्हें 100 फीसदी तक छात्रवृत्ति पाने का अवसर मिलेगा। यह टेस्ट उन छात्रों के लिए बड़ा अवसर है जो शुरुआती चरण से ही तैयारी का लाभ उठाना चाहते हैं और अगले सत्र के शुरू होने का इंतजार नहीं करना चाहते हैं।विद्यामंदिर क्लासेज के एकेडमिक डायरेक्टर सौरभ कुमार ने कहा, 'अपनी खास शिक्षण पद्धति, संपूर्ण पाठ्य सामग्री और शानदार नतीजों पर चलते हुए वीएमसी के बहुप्रतीक्षित टेस्ट वीआईक्यू में पांच तरह के लाभ मिलेंगे। चाहे यह उस साल दाखिला के लिए सबसे कम शिक्षण शुल्क से लेकर सर्वाधिक छात्रवृत्ति का लाभ हो, या मौजूदा सत्र में 100 घंटे तक (नवंबर से शुरू होने वाले बैच के लिए) की पूरक लाइव क्लास हो, मुफ्त प्रैक्टिस टेस्ट और पर्याप्त ई-मैटेरियल पाने का लाभ हो, वीएमसी उत्कृष्टता हासिल करने की सीमाओं से आगे बढ़ना जारी रखेगी।'

सराफ फर्नीचर ने कर्मचारियों के लिए वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया

सरदारशहर (एजेंसी)। सराफ फर्नीचर ने अपनी फैक्ट्री के कर्मचारियों और मज़दूरों के लिए मुफ्त वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया। इस ड्राइव में सभी लोगों को दूसरी वैक्सीन लगाई गयी। वैक्सीनेशन ड्राइव के इस चरण में 500 से अधिक कर्मचारियों को वैक्सीन लगी। इससे पहले फैक्ट्री में जुलाई और अगस्त महीने में वैक्सीन ड्राइव चलाई, जिसमें सभी लोगों को वैक्सीन का पहला डोज़ लगाया गया था। वैक्सीन के लिए सभी लोगों में काफी उत्साह दिखा और सुरक्षा के सभी मानकों का पालन करते हुए सोसाइटी निवासियों ने वैक्सीन लगवाई।सराफ फर्नीचर के सीईओ व फाउंडर, रघुनन्दन सराफ ने बताया कि, कोरोना वैक्सीन लगाये जाने को लेकर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी गाइडलाइंस का पालन किया जा रहा है। हमारा प्रयास है लोग फैक्ट्री और ऑफिस में सुरक्षित व सुविधाजनक महसूस करें। हम चाहते है की हमारा हर एक कर्मचारी कार्यस्थल पर सुरक्षित महसूस करें और यह पहल उसी श्रृंखला में एक कदम है। कंपनी ने अपने कर्मचारियों के लिए भी मुफ्त वैक्सीन कैंप लगाने की घोषणा की है, जो जल्दी ही फैक्ट्री में ही आयोजित किया जायेगा। इस कैंप की खास बात यह होगी कि, कर्मचारियों के परिवार वालों के आने जाने एवं खाने की व्यवस्था भी कंपनी की तरफ से किया जायेगा।

प्रीतिका ऑटो ने अगस्त में रिकॉर्ड संयुक्त डिस्पैच की घोषणा की

प्रीतिका ऑटो उत्तर भारत में सबसे बड़ी मशीनीकृत कास्टिंग निर्माता बनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)। बीएसई और एनएसई में सूचीबद्ध प्रीतिका ऑटो इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने अब तक का सबसे ज्यादा संयुक्त मासिक डिस्पैच करने की घोषणा की है, जो करीब 3450 टन है। इसके साथ कंपनी ने अगस्त में अब तक की सबसे ज्यादा संयुक्त मासिक बिक्री की है, जो 30 करोड़ रुपए से अधिक है। वर्तमान में, कंपनी की तीन अत्याधुनिक मैन्युफैक्चरिंग यूनिट्स हैं, जिनमें से दो पंजाब में और एक हिमाचल प्रदेश में स्थित हैं। इनके अलावा कंपनी पंजाब में अपना चौथा प्लांट लगाने की दिशा में भी काम कर रही है। पुरे भारत में मजबूती के साथ अपनी उपस्थिति दर्ज करने वाली प्रीतिका, अमेरिका में भी प्रमुख ग्राहकों को निर्यात करती है।कंपनी के पास अपने उत्पादों का एक विविध पोर्टफोलियो है जिसमें एक्सल हाउसिंग, व्हील हाउसिंग, हाइड्रोलिक लिफ्ट हाउसिंग, एंड कवर, प्लेट डिफरेंशियल कैरियर, सिलेंडर ब्लॉक, क्रैंक केस शामिल हैं। हाल ही में, कंपनी ने संयुक्त आधार पर सर्वाधिक मासिक बिक्री और वार्षिक बिक्री की घोषणा की थी और अब मशीनीकृत कास्टिंग के लिए यह उत्तर भारत की सबसे बड़ी कंपनी में से एक बन चुकी है। कंपनी के ग्राहकों में एमएंडएम, स्वराज, टीएएफई, एस्कॉर्ट्स, एसएमएल इसुजु, टीएमटीएल, अशोक लीलैंड, न्यू हॉलैंड ट्रैक्टर्स इंडिया लिमिटेड, ब्रेक्स इंडिया लिमिटेड जैसे ओईएम शामिल हैं। कंपनी के पास भारत और विदेशों में एक विस्तृत और विविधायामी ग्राहक आधार है। कंपनी की विस्तार योजनाओं के बारे में मैनेजिंग डायरेक्टर श्री हरप्रीत सिंह निब्बर ने कहा, फ़िलहाल हमारे पास पंजाब और हिमाचल प्रदेश में तीन मैन्युफैक्चरिंग यूनिट हैं, जिनकी कुल उत्पादन क्षमता 50,000 टन प्रति वर्ष से अधिक है। बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए, कंपनी की योजना प्रति माह 1,500 टन तक क्षमता बढ़ाने की है। इसी योजना के तहत कंपनी पंजाब में 2023 में एक नई मैन्युफैक्चरिंग यूनिट शुरू करने जा रही है, जिसकी क्षमता 18,000 प्रति वर्ष होगी। इस प्रकार, 2023 तक हमारी कुल क्षमता प्रति वर्ष 68,000 टन होगी। नई यूनिट कंपनी के स्वामित्व वाली भूमि पर बनाई जाएगी। यह पूरी तरह से नवीनतम तकनीक और मशीनरी से लैस होगी, जो कंपनी द्वारा वर्तमान में उत्पादित सभी उत्पादों का निर्माण करने में सक्षम है। इस नए प्रयास के लिए हमारा लक्ष्य लगभग 35 करोड़ रुपये की पूंजी जुटाने का है। इसमें से नए संयंत्र के लिए 25 करोड़ रुपये होंगे, जबकि शेष 10 करोड़ रुपए वर्किंग कैपिटल के रूप में इस्तेमाल किए जाएंगे।

थम्स अप ने जसप्रीत बुमराह के साथ साझेदारी की

आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप के साथ अपने पलटदे कैम्पेरन को जारी रखा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कोका-कोला इंडिया के घरेलू ब्रांड थम्स अप ने एक्सक्लूसिव नॉन-अल्कोहलिक बेवरेज भागीदार के रूप में आईसीसी (अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) के साथ भागीदारी की है। टोक्यो ओलंपिक्स और पैरालिंपिक गेम्स 2020 में #PalatDe और #TaanePalatDe कैम्पेन के साथ असली साहस का जश्न मनाने के बाद, थम्स अप ने आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के साथ भागीदारी के माध्यम से ताकत, लचीलेपन और वीरता की कहानियां सुनाना जारी रखा है। आईसीसी मेंस टी-20 विश्व कप 2021 का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात और ओमान में किया जाएगा।कोका-कोला कंपनी का दुनिया भर में प्रमुख खेल आयोजनों को प्रायोजित करने का एक लंबा इतिहास रहा है। कोका-कोला कंपनी का ओलंपिक के साथ आठ दशकों, फीफा के साथ चार दशकों और विश्व कप रग्बी के साथ लगभग 25 सालों का जुड़ाव रहा है। खेल आयोजनों के साथ ये सहयोग कंपनी के अपने उपभोक्ताओं के खुशी के क्षणों और अवसरों का हिस्सा बनने के प्रयासों की फिलॉसफी को भी दर्शाते हैं। इस साझेदारी की घोषणा करते हुए कोका-कोला इंडिया और साउथ वेस्ट एशिया के वाइस प्रेसिडेंट और मार्केटिंग हेड अर्नब रॉय ने कहा, ''क्रिकेट एक साझा जुनून है और यह जेंडर, पीढ़ियों और संस्कृतियों से परे एक अरब से अधिक भारतीय प्रशंसकों को जोड़ने वाला सबसे लोकप्रिय खेल है। वैश्विक खेल आयोजनों के साथ साझेदारी का हमारा इतिहास और टोक्यो ओलंपिक्स व पैरालिंपिक 2020 के साथ हमारे जुड़ाव के मुताबिक आईसीसी के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी दर्शकों को खुश करने और उनके मनोरंजन के अनुभवों को बेहतर बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को पुष्ट करती है।

आईटेल ने 5000एमएएच की बैटरी के साथ स्मार्टफोन विज़न 2S लॉन्च किया

- *5000एमएएच की बड़ी बैटरी एआई पावर मास्टर के साथ यूज़र्स को मिलेगा 24 दिनों का स्टैंडबाई और 25 घंटे का टॉकटाइम*
- *बड़ी स्क्रीन, ताकतवर बैटरी, पावर-पैक प्रदर्शन और स्टाइलिश डिजाइन वाले इस फोन को किफायती कीमत पर बेहतरीन अनुभव देने के लिए डिज़ाइन किया गया*

नई दिल्ली,(एजेंसी)। आईटेल की प्रीमियम-अफोर्डेबल विज़न सीरीज को भारत में मिली भारी सफलता के बाद भारत के सबसे भरोसेमंद स्मार्टफोन ब्रैंड ने आज अपनी फ्लैगशिप विज़न सीरीज तहत एक और इनोवेटिव तथा अगली पीढ़ी के लिए बनाए गए स्मार्टफोन 'आईटेल विज़न 2S' को लॉन्च करने की घोषणा की। इस लॉन्च के ज़रिए आईटेल ने फिर से इस बात को दोहराया है कि ब्रैंड नई पीढ़ी के ग्राहकों की आकांक्षाओं को पूरा करने और उन्हें बेहतरीन अनुभव देने के लिए बेहद किफायती कीमत वाले स्मार्टफोन लाने के लिए प्रतिबद्ध है। 'लिव लाइफबिग साइज' की सोच के साथ लाए गए विज़न 2S में 5000 एमएएच की ताकतवर बैटरी लगी है और इसके 6.5 इंच के एचडी+ आईपीएस वॉटरड्रॉप डिस्प्ले से देखने का प्रीमियम अनुभव मिलता है। इसमें प्रीमियम डिजाइन के साथ अडवांस टैक्नोलॉजी फीचर्स जैसे एआई-क्षमता वाला विज़न कैमरा, नवीनतम एंड्रॉइड ओएस, फेस अनलॉक और फिंगरप्रिंट सेंसर जैसे दोहरे सुरक्षा फीचर्स, 8.9mm स्लिम डिजाइन और तेज प्रोसेसर दिया गया है। 6999 रुपये की किफायती कीमत पर आने वाला विज़न 2S बाज़ार का गेम चेंजर बनने के लिए तैयार है। इसके साथ विशेष वीआईपी ऑफर भी मिल रहा है। इस ऑफर में ग्राहक खरीद के 100 दिनों के भीतर स्क्रीन के टूटने पर उसे एक बार मुफ्त में बदलवा सकेंगे। ट्रांसियॉन इंडिया के सीईओ, अरिजीत तालापात्रा ने कहा, आज नए दौर में स्मार्टफोन डिवाइस का इस्तेमाल कई गुना बढ़ गया है, क्योंकि ग्राहक अपने मोबाइल डिवाइस के साथ काफी समय बिता रहे हैं। इस रुझान को देखते हुए प्रीमियम डिज़ाइन और अपनी श्रेणी में बेहतरीन फीचर्स के साथ आने वाले विज़न 2S में ताकतवर बैटरी दी गई है।

प्रैक्टिकली ने टीचर्स डे पर फ्री टीचर्स एप्प लॉन्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रैक्टिकली ने प्रैक्टिकली स्कूरल सॉल्यूशन सूट के हिस्सेर के तौर पर एक टीचर एप्प लॉन्चट किया है। प्रैक्टिकली भारत का पहला एक्सपेरियेंशियल लर्निंग एप्प है, जो कक्षा 6 से 12 तक के स्टूनडेंट्स के लिये पढ़ाई को रोचक बनाने के लिये डिजाइन किया गया है। यह एप्प मौजूदा प्रैक्टिकली एप्प में इंटीग्रेटेड है और इसके साथ टीचर्स डे के अवसर पर सुधार के बाद टीचर वेब पोर्टल लॉन्चट किया गया है। यह स्टूगडेंट्स के साथ बेहतर बातचीत और जुड़ाव को बढ़ावा देने के लिये आसान और यूजर-फ्रैंडली फीचर्स के साथ प्रीमियर क्लासरूम के अनुभव की पेशकश करता है। टीचर्स अपनी सुविधा के अनुसार एप्प या टीचर वेब पोर्टल के जरिये क्लासेस चला सकते हैं। इस समाधान के माध्य्म से, स्कूजल टीचर्स के अलावा दुनिया का कोई भी टीचिंग पेशेवर अपनी ऑफलाइन और ऑनलाइन क्लोसेस चला सकता है और इसके इमर्सिव और दिलचस्पच कंटेन्टु का फायदा ले सकता है। यह एप्प दो आसान चरणों में सेशंस और क्लाकसरूम का क्रियेशन कर टीचर्स और स्टूडिंट्स के लिये ऑनलाइन और ऑफलाइन टीचिंग और लर्निंग की उबाऊ प्रक्रियाओं को आसान बनाता है।

बुलगरी, एक प्रसिद्ध रोमन ज्वेलरी ब्राण्ड जिसे अपने सदाबहार डिजाइनों के लिये जाना जाता है

बुलगरी ने अपनी ग्लोबल एम्बेसेडर प्रियंका चोपड़ा जोनस के साथ भारत के लिये खास अपना पहला आभूषण- बुलगरी मंगलसूत्र लॉन्च किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। बुलगरी, एक प्रसिद्ध रोमन ज्वेलरी ब्राण्ड जिसे अपने सदाबहार डिजाइनों के लिये जाना जाता है, ने आज अपनी ग्लोबल ब्राण्ड एम्बेसेडर प्रियंका चोपड़ा जोनस के साथ अपना पहला भारत से प्रेरित और भारत के लिये खास ज्वेलरी स्टेटमेंट पीस- बुलगरी बुलगरी मंगलसूत्र लॉन्च किया है।18 कैरट पीले सोने के बुलगरी बुलगरी मंगलसूत्र में गोल और काले गोमेद के साथ जड़े हीरे एक आधुनिक और स्टाइलिश आभूषण को पारंपरिक और पवित्र तरीके से अलंकृत करते हैं। यह संस्कृति में गहराई से रचा-बसा है और आधुनिक दुल्हन की वैश्विक स्तर की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व भी करता है।बुलगरी ने अपनी रोमन संस्कृति से प्रेरणा लेकर और व्यापक शोध के बाद बड़ी सावधानी से यह खूबसूरत और अपनी तरह का अनोखा पीले सोने का नेकलेस बनाया है। यह परंपरा और आधुनिकता का बेहतरीन मेल है और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं के साथ मायने रखने वाले तरीके से जुड़ता है।लॉन्च के अवसर पर बुलगरी की ज्वेलरी बिजनेस यूनिट के मैनेजिंग डायरेक्टर माउरो डि रोबर्टो ने कहा, ''साल 2014 में भारत में दोबारा प्रवेश करने के बाद से हम भारत की सांस्कृतिक परंपराओं और उनमें निहित गहनों की भूमिका को लेकर ज्यादा रोमांचित रहे हैं। आधुनिक भारतीय महिला के लिये मंगलसूत्र की हमारी व्याख्या को डिजाइन करने में हमें कई साल लगे हैं, क्योंकि यह गहना अक्सर उसके लिये सबसे महत्वपूर्ण गहनों में से एक होता है। इसकी पारंपरिक अपील को बनाये रखने के लिये तो हमने कड़ी मेहनत की ही है, यह आज की आधुनिक दुल्हन की जीवनशैली से मेल खाता हो, ऐसा सुनिश्चित करने के लिये हमने भारत में हमारी टीम और प्रियंका चोपड़ा जोनस के साथ मिलकर काम किया है। इसे हर दिन सुबह से लेकर रात तक कहीं भी पहना जा सकता है और यह भारतीय तथा पश्चिमी परिधानों के साथ आसानी से मैच हो जाता है।'' इस ब्राण्ड की ग्लोबल एम्बेसेडर के तौर पर, एक्टर, फिल्म प्रोड्यूसर, एक्टिविस्ट और एनवायटी बेस्ट सेलिंग ऑथर प्रियंका इस रोमन हाई ज्वेलरी हाउस को सपोर्ट करने के लिये पूरी तरह तैयार हैं। यह सपोर्ट ब्राण्ड की पहुँच और संदेश को दुनियाभर में मजबूती देने के लिये होगा। यह महिला सशक्तिकरण, विविधता, समावेश और परोपकार के थीमों पर विशेष रूप से केन्द्रित होगा।प्रियंका के बारे में माउरो डि रोबर्टो ने कहा, ''प्रियंका चोपड़ा हमारी ग्लोबल ब्राण्ड एम्बेसेडर हैं और हमारी इस भावना से बहुत मेल खाती हैं। वे आज के वैश्विक नागरिक का प्रतीक हैं, लेकिन अपनी जड़ों और परंपराओं से भी जुड़ी हुई हैं।'' हाल ही में कोविड-19 की भयंकर दूसरी लहर ने प्रियंका चोपड़ा जोनस के देश भारत को बुरी तरह प्रभावित किया था। इसके जवाब में उन्होंने स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं, चिकित्सा उपकरणों और वैक्सीन सपोर्ट के लिये धनराशि जुटाने के लिये एक गैर-लाभकारी संस्था 'गिव इंडिया' के साथ मिलकर एक फंडरेज़र बनाया था। इस फंडरेज़र ने 3 मिलियन अमेरिकी डॉलर जुटाये थे और बुलगरी ने भारत और प्रियंका की इन कोशिशों में महत्वपूर्ण योगदान के साथ भागीदारी की थी।

जोस बटलर और जैक लीच की वापसी

भारत के खिलाफ पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम घोषित, पिता बनने के कारण चौथे टेस्ट में नहीं खेले थे बटलर

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड ने भारत के खिलाफमैनचेस्टर में 10 सितंबर से शुरू हो रहे पांचवें और आखिरी टेस्ट मैच के लिए 16 मेंबर्स की टीम घोषित कर दी है। टीम में विकेटकीपर बल्लेबाज जोस बटलर और लेफ्ट आर्म स्पिनर जैक लीच की वापसी हुई है। बटलर दूसरी बार पिता बनने के कारण तीसरे टेस्ट मैच में नहीं खेले थे। वहीं, लीच को सीरीज के पहले चार मुकाबलों के लिए नहीं चुना गया था।चार टेस्ट मैचों के बाद भारत इस सीरीज में 2-1 से आगे है। ओवल में खेले गए चौथे टेस्ट मैच में भारत ने 157 रनों से जीत हासिल की थी।

पहले तीन टेस्ट में फेल रहे थे बटलर-जोस बटलर भारत के खिलाफ चल रही मौजूदा सीरीज के पहले तीन मुकाबलों में खेले थे। हालांकि, इनमें बतौर बल्लेबाज वे पूरी तरह फ्लॉप रहे थे। बटलर ने तीन मैचों में 14.40 की औसत से सिर्फ72 रन बनाए थे। इसमें एक भी अर्धशतक शामिल नहीं है। बलटर ने अपने टेस्ट करियर में अब तक 53 टेस्ट मैचों में 33.33 की औसत से 2800 रन बनाए हैं। इनमें 2 शतक और 18 अर्धशतक शामिल हैं।

16 टेस्ट मैच खेल चुके हैं लीच-लेफ्ट आर्म स्पिनर जैक लीच अब तक 16 टेस्ट मैच खेल चुके हैं। इनमें उन्होंने 29.98 की औसत से 62 विकेट लिए हैं। इंग्लैंड ने अब तक ऑफस्पिनर मोइन अली पर ज्यादा भरोसा किया है लेकिन उनका प्रदर्शन काफी कमजोर रहा है। वे बल्ले और बॉल दोनों के साथ कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए हैं।

***पांचवें टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम**-जो रूट (कप्तान), मोईन अली, जेम्स एंडरसन, जॉनी बेयरस्टो, रोरी बर्न्स, जोस बटलर, सैम करन, हसीब हमीद, डैन लॉरेंस, जैक लीच, डेविड मलान, क्रेग ओवर्टन, ओली पोप, ओली रॉबिंसन, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।*

टेस्ट चैंपियनशिप में भारत की बादशाहत कायम

इंग्लैंड को दूसरे टेस्ट में हराने के बाद भारत 54.17% पॉइंट के साथ पहले स्थान पर, पाकिस्तान नंबर-2

नई दिल्ली (एजेंसी)।

उमेश यादव और जसप्रीत बुमराह की अगुवाई में गेंदबाजों के उम्दा प्रदर्शन से भारत ने चौथे टेस्ट के अंतिम इंग्लैंड को 157 रन से हराकर पांच मैचों की सीरीज में 2-1 की अजेय बढ़त बनाई। मैच में मिली यादगार जीत के साथ ही वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट टेबल में टीम इंडिया टॉप पर बरकरार है। पाकिस्तान दूसरे और वेस्टइंडीज तीसरे स्थान पर है। वहीं, इंग्लैंड की टीम चौथे स्थान पर मौजूद है।

***चार टेस्ट मैचों से 26 अंक**-भारत-इंग्लैंड सीरीज में अब तक चार टेस्ट मैच हुए हैं। इनमें से भारत ने दो जीत और एक ड्रॉ से 26 अंक हासिल किए हैं। हर जीत के लिए भारत को 12-12 अंक मिले। वहीं, ड्रॉ रहे मुकाबले के लिए 2 अंक मिले। ड्रॉ मैच में दोनों टीमों को 4-4 अंक मिलते हैं, लेकिन ट्रेंट ब्रिज में स्लो ओवर रेट के कारण भारत और इंग्लैंड दोनों के 2-2 पॉइंट काट लिए गए थे।*

***परसेंटेज पॉइंट के आधार पर तय होता है टेबल**- ICC के नियमों के अनुसार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का पॉइंट टेबल टोटल पॉइंट की जगह परसेंटेज पॉइंट के आधार पर होता है। भारत ने 4 टेस्ट में 26 अंक हासिल किए। हर टेस्ट के लिए 12 अंक होते हैं। यानी भारत ने कुल उपलब्ध 48 अंकों में से 26 अंक हासिल किए। इस तरह भारत का परसेंटेज पॉइंट 54.17 रहा।*

***मैनचेस्टर में खेला जाएगा अंतिम टेस्ट**- मौजूदा टेस्ट सीरीज का अंतिम मुकाबला 10 सितंबर से ओल्ड ट्रैफर्ड, मैनचेस्टर के मैदान पर खेला जाएगा। मैनचेस्टर टेस्ट अगर ड्रॉ रहा या टीम इंडिया जीतने सफल रही तो साल 2007 के बाद भारत इंग्लैंड में टेस्ट सीरीज जीतने में कामयाबी हासिल करेगा।*

***चैंपियनशिप में हर टीम को 6 सीरीज खेलनी है**-ICC टेस्ट चैंपियनशिप के दूसरे साइकिल में हर टीम को 6-6 सीरीज खेलनी है। सभी टीमें 3 सीरीज अपने घर में और 3 सीरीज विदेश में खेलेगी। भारत को विदेश में इंग्लैंड के अलावा साउथ अफ्रीका और बांग्लादेश से खेलना है। वहीं, घर में भारत का सामना न्यूजीलैंड, श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया से होगा।*

आखिरी विकेट गिरने पर जेम्स एंडरसन ने लिया रिव्यू फैन्स बोले- ऐतिहासिक जीत का मजा किरकिरा कर दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत ने लंदन के ओवल मैदान पर मेजबान इंग्लैंड को 157 रनों से हराकर पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में 2-1 से बढ़त हासिल कर ली है। भारतीय तेज गेंदबाज उमेश यादव ने जैसे ही इंग्लैंड के आखिरी विकेट जेम्स एंडरसन को ऋषभ पंत के हाथों कैच आउट कराया, वैसे ही पूरा स्टेडियम दर्शकों के शोर से गूंज उठा। हालांकि यहां भारतीय खिलाड़ी और फैन्स का ऐतिहासिक जीत के बावजूद मजा किरकिरा हो गया, क्योंकि एंडरसन ने आउट होने के बाद भी रिव्यू ले लिया, जिसकी वजह से थोड़ी देर के लिए सही, लेकिन भारत को इंतजार करना पड़ा। मैच खत्म होने के बाद भारतीय फैन्स ने सोशल मीडिया पर एंडरसन की जमकर क्लास ली है। मैच में भारतीय टीम ने दूसरी पारी में 466 रनों का विशाल स्कोर बनाकर इंग्लैंड के सामने जीत के लिए 368 रखा था, लेकिन इसके जवाब में इंग्लैंड की टीम पांचवें दिन लक्ष्य से काफी दूर रह?

गौतम गंभीर ने बताया आईपीएल 2021 के दूसरे हाफमें किस टीम को होगा फायदा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2021 का दूसरा चरण शुरू होने में अब ज्यादा समय नहीं रह गया है। इसका पहला हाफभारत में ही खेला गया था, लेकिन टूर्नामेंट के लीग स्टेज के दौरान एक के बाद एक

कोविड-19 मामले सामने आने के बाद बोर्ड के सामने लीग को रोकने के अलावा कोई और रास्ता नहीं बचा था। बीसीसीआई अब आईपीएल 2021 का दूसरा चरण यूएई में आयोजित करवा रहा है। इसकी शुरुआत 19 सितम्बर से हो रही है। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारत के पूर्व क्रिकेटर गौतम गंभीर ने उस आईपीएल टीम के बारे में बात की, जिसे यूएई में होने वाले आईपीएल 2021 के दूसरे हाफ में फायदा हो सकता है। स्टार स्पोर्ट्स के शो 'गेम प्लान' में गंभीर ने बताया कि इस बार एक बार फिर मुंबई इंडियंस को फायदा हो सकता है। गंभीर ने कहा कि, 'रोहित शर्मा की टीम ने पिछली बार उसी जगह आईपीएल खिताब अपने नाम किया था, जहां इस बार भी आईपीएल होने जा रहा है। इसके अलावा टीम इस बार भी उस स्थिति में है, जहां वह टॉप दो टीमों के रूप में टूर्नामेंट खत्म कर सकती है।' उन्होंने कहा कि, 'अगर आप दूसरी फ्रैंचाइजियों जैसे कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद को देखें तो उनका प्लेऑफ के लिए क्वालीफाई करना बहुत मुश्किल नजर आ रहा है। यही हाल पंजाब किंग्स का भी है। लेकिन अगर आप उस टीम की बात करते हैं, जिसे यहां फायदा होने की पूरी उम्मीद है, तो उसमें मुंबई इंडियंस का नाम सबसे ऊपर रहेगा।'गंभीर ने यहां यह भी बताया कि क्यों आईपीएल 2021 के दूसरे चरण में चेन्नई सुपर किंग्स और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर को कुछ मैच गंवाने के बाद भी ज्यादा नुकसान नहीं होगा। उन्होंने कहा कि, 'सीएसके और आरसीबी के दृष्टिकोण से मुझे लगता है कि उन्होंने खुद को एक ऐसी स्थिति में ला दिया है।

आईसीसी टी-20 रैंकिंग में शेफाली वर्मा की बादशाहत बरकरार, स्मृति मंधाना इस नंबर पर मौजूद

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा स्टार बल्लेबाज शेफाली वर्मा ने मंगलवार को जारी इंटरनेशनल क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की लेटेस्ट रैंकिंग में महिला टी-20 बल्लेबाजों में अपनी टॉप पोजीशन बरकरार रखी है, जबकि न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन ऑलराउंडरों की लिस्ट में संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गई हैं। शेफाली 759 रैंकिंग प्वॉइंट्स के साथ टॉप पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी (744) दूसरे जबकि भारतीय टी-20 टीम की उप-कप्तान स्मृति मंधाना (716) तीसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की मेग लेनिंग 709 प्वॉइंट्स के साथ चौथे जबकि सोफी एक स्थान के फायदे से 689 प्वॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर हैं।सोफी ने होव में इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी-20 इंटरनेशनल में 50 रन बनाने के अलावा 26 रन देकर दो विकेट भी चटकाए। इस प्रदर्शन की बदौलत वे ऑलराउंडरों की लिस्ट में भी एक स्थान के फायदे से इंग्लैंड की नताली स्किवर के साथ संयुक्त रूप से टॉप पर पहुंच गई हैं। ऑलराउंडरों की लिस्ट में भारत की दीप्ति शर्मा, ऑस्ट्रेलिया की एलिस पैरी और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज को भी एक-एक स्थान का फायदा हुआ है और ये क्रमश: चौथे, पांचवें और छठे स्थान पर हैं। वेस्टइंडीज की स्टेफनी टेलर तीन स्थान के नुकसान से सातवें स्थान पर खिसक गई हैं। बल्लेबाजी रैंकिंग में दक्षिण अफ्रीका की लिजेल ली तीन स्थान के फायदे से आठवें स्थान पर पहुंच गई हैं। बॉलिंग रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की मेगन शूट दो स्थान चढ़कर दूसरे स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया की ही जेस योनासेन भी एक स्थान के फायदे के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं।

रूट बोले- शार्दुल ठाकुर या रोहित शर्मा नहीं बल्कि इस भारतीय के कारण मिली हार

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में अभी तक विराट कोहली एंड कंपनी का दबदबा देखने को मिला है। चार टेस्ट मैचों के बाद टीम इंडिया ने सीरीज में 2-1 से अजेय बढ़त बना ली है। सोमवार को लंदन के द ओवल मैदान पर खेले गए सीरीज के चौथे टेस्ट मैच के आखिरी दिन भारत ने 157 रनों से जीत दर्ज की। सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा को दूसरी पारी में 127 रन बनाने के लिए मैन ऑफद मैच चुना गया, जबकि शार्दुल ठाकुर ने दोनों पारियों में हाफसेंचुरी जड़ी और साथ ही तीन विकेट भी लिए। इन दोनों ने इंग्लैंड के खिलाफइस जीत में अहम भूमिका निभाई, लेकिन मैच के बाद जो रूट ने बताया किस भारतीय खिलाड़ी के चलते मेजबान टीम को हार का सामना करना पड़ा। रूट ने कहा कि मैच के आखिरी दिन लंच ब्रेक के बाद जसप्रीत बुमराह के स्पेल ने मैच का नक्शा पलट डाला।इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने भी कहा कि बुमराह के स्पेल ने मैच के रुख को मोड़ दिया। उन्होंने कहा, 'भारत को श्रेय दिया जाना चाहिए, उन्होंने गेंद को रिवर्स स्विंग कराया और वह रुख मोड़ने वाला साबित हुआ।' उन्होंने कहा, 'इस मैच से कुछ हासिल नहीं होना निराशाजनक रहा। हमें लगा कि हमारे पास जीतने का मौका है। हम पहली पारी में अधिक बढ़त बना सकते थे, और आपको वर्ल्ड क्लास खिलाड़ियों के खिलाफ मौके भुनाने होंगे।' रूट ने कहा कि इंग्लैंड को पहली पारी में 100 नहीं बल्कि कम से कम 200 रनों की बढ़त बनानी चाहिए थी। भारत ने टॉस गंवाया और इसके बाद पहली पारी में महज 191 रनों पर टीम इंडिया ऑलआउट हो गई।

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने शार्दूल ठाकुर की तारीफ की है।

शार्दूल के मुरीद सुनील गावस्कर: पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा-शार्दूल जो भी छूते हैं वह सोना बन जाता है, साउथ अफ्रीका दौरे पर भी निभाएंगे अहम भूमिका

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने शार्दूल ठाकुर की तारीफ की है। उन्होंने कहा है ठाकुर जो कुछ भी छूते हैं वह सोने में बदल जाता है। साथ ही गावस्कर ने कहा कि आठवें नंबर पर भारत को ऐसा खिलाड़ी मिल गया है जो न सिर्फइंग्लैंड में बल्कि साउथ अफ्रीका में भी टीम के लिए दमदार प्रदर्शन कर सकता है। इंग्लैंड के मौजूदा दौरे पर अभी शार्दूल ठाकुर ने अपने शानदार प्रदर्शन से सभी का खासा प्रभावित किया है। ठाकुर ने गेंद के साथ जलवा बिखरने के साथ बल्ले से भी लगातार जबरदस्त खेल दिखा रहे हैं।

बल्लेबाजी में नजर आया आत्मविश्वास-सुनील गावस्कर ने सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क पर बात करते हुए कहा- इस समय... वह (शार्दूल ठाकुर) जो कुछ भी छूता है वह सोने में बदल रहा है। मेरा मतलब है, उन्होंने जो शॉट खेले उनमें से कुछ शानदार थे। खासतौर पर उनका स्ट्रेट ड्राइव और जबरदस्त छक्का। वे देखने में बिल्कुल आनंदमय थे। जिस आत्मविश्वास के साथ उन्होंने बल्लेबाजी की, वह आप देख ही सकते हैं। बल्ले से वह वाकई में काफी प्रभावी रहे।

मैच में बनाए 117 रन-शार्दूल ठाकुर ने ओवल टेस्ट की पहली पारी में 57 और दूसरी पारी में 60 रनों का योगदान दिया। पहली पारी में उन्होंने आठवें विकेट के लिए उमेश यादव के साथ 63 रन जोड़े और दूसरी पारी में ऋषभ पंत के साथ मिलकर सातवें विकेट के लिए 100 रनों की साझेदारी निभाई। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर ब्रिस्बेन टेस्ट के दौरान भी ठाकुर ने पहली पारी में शानदार बल्लेबाजी करते हुए 67 रन बनाए थे। शार्दूल अभी अपने टेस्ट करियर की छह पारियों में कुल 3 अर्धशतक जमा चुके हैं।

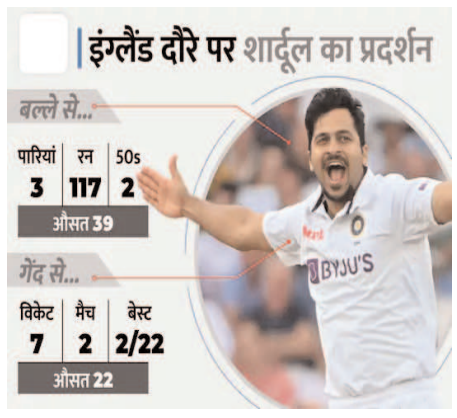

गेंद से भी छोड़ी छाप-सुनील गावस्कर ने आगे अपने बयान में कहा- इंग्लैंड में विशेष रूप से, जब गेंद इधर-उधर हो रही होती है, उस समय उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। अपनी गेंदों से उन्होंने बढ़िया बल्लेबाजी कर रहे रोरी बर्न्स को परेशान किया और फिर निश्चित रूप से, जो रूट का विकेट।

स्पोर्ट्स ब्रीफ

क्या मैनचेस्टर टेस्ट खेल पाएंगे रोहित शर्मा? इंजरी पर खुद दिया अपडेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज और इंग्लैंड के खिलाफमौजूदा टेस्ट सीरीज में भारत की ओर से सबसे ज्यादा रन बनाने वाले रोहित शर्मा को ओवल टेस्ट में मैन ऑफद मैच चुना गया। रोहित ने दूसरी पारी में 127 रन ठोके और इस दौरान वह चोटिल भी हो गए। इस पारी के बाद रोहित ओवल टेस्ट में फील्डिंग के लिए नहीं उतर पाए थे। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या रोहित मैनचेस्टर टेस्ट खेल पाएंगे। इंग्लैंड के खिलाफलंदन के द ओवल मैदान पर टीम इंडिया की 157 रनों की जीत के बाद रोहित ने अपनी चोट को लेकर खुद अपडेट दिया है। मैन ऑफद मैच बने रोहित ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह मैनचेस्टर टेस्ट में खेल सकेंगे, लेकिन अभी कुछ भी कहना जल्दबाजी होगी।भारत और इंग्लैंड के बीच सीरीज का आखिरी टेस्ट मैच 12 सितंबर से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान पर खेला जाना है। टीम इंडिया सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है और मैनचेस्टर टेस्ट भी जीतकर सीरीज 3-1 से अपने नाम करना चाहेगी। ओवल टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीरीज में अजेय बढ़त बना चुकी है। पहला टेस्ट नॉटिंघम में ड्रॉ रहा था, जबकि लॉर्ड्स के ऐतिहासिक मैदान पर टीम इंडिया ने जीत दर्ज की थी। इसके बाद हेडिंग्ले में टीम इंडिया को पारी की हार झेलनी पड़ी, लेकिन ओवल टेस्ट में टीम इंडिया ने एक बार फिर साबित कर दिया कि क्यों उन्हें कमबैक करने में माहिर माना जाता है। रोहित से जब इंजरी को लेकर सवाल किया गया, तो उन्होंने कहा, 'फिलहाल मैं ठीक हूं, लेकिन फीजियो के मैसेज के हिसाब से इंजरी को हर मिनट मॉनिटर किया जाएगा।' रोहित अगर अगला टेस्ट नहीं खेल पाते हैं, तो ऐसे में पृथ्वी शॉ या मयंक अग्रवाल में से कोई एक केएल राहुल के साथ पारी का आगाज कर सकता है। रोहित ने इस सीरीज में अभी तक चार टेस्ट की आठ पारियों में 52.57 की औसत से 368 रन बनाए हैं, जिसमें एक सेंचुरी और दो हाफसेंचुरी शामिल हैं। रोहित ने ओवरसीज टेस्ट मैच में पहली बार सेंचुरी ठोकी।

टी-20 वर्ल्ड कप:विराट कोहली पहली बार करेंगे टी-20 वर्ल्ड कप में कप्तानी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी टी-20 वर्ल्ड कप के लिए आज 15 सदस्यीय भारतीय टीम का ऐलान होने वाला है। टी-20 वर्ल्ड कप का आयोजन 17 अक्टूबर से 14 नवंबर के बीच ओमान और श्व में किया जाएगा। इस टूर्नामेंट को लेकर फैंस के बीच काफी उत्साह भी देखने को मिल रहा है।ओवल टेस्ट में शानदार प्रदर्शन करने वाले शार्दूल ठाकुर ने टी-20 वर्ल्ड कप के लिए अपनी मजबूत दावेदारी पेश की है। इंग्लैंड के खिलाफचौथे मैच में उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों से कमाल का खेल दिखाया। पहली पारी में उनके बल्ले से 57 और दूसरी पारी में 60 रन देखने को मिले। साथ ही पहली पारी में टाकुर ने एक और दूसरी पारी में जो रूट के विकेट के साथ 2 खिलाड़ियों को पवेलियन का रास्ता दिखाया। चेतन शर्मा की अगुवाई वाली चयन समिति मुंबई में BCCI के मुख्यालय में बैठक करेगी। इस बैठक में इंग्लैंड से कप्तान विराट कोहली और हेड कोच रवि शास्त्री वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए जुड़ेंगे। इस बात में कोई शक नहीं है कि टी-20 वर्ल्ड कप के लिए टीम का चयन बिल्कुल भी आसान नहीं होने वाला है। कई ऐसी जगह है जिसके लिए एक या दो नहीं बल्कि कई सारे दावेदार मौजूद है। विकेटकीपर की रेस में ऋषभ पंत और केएल राहुल का चयन पक्का है, लेकिन ईशान किशन और संजू सैमसन में से किसी एक को भी बैकअप कीपर के रूप में चुना जा सकता है। चयनकर्ताओं के सामने अतिरिक्स स्पिनर की भूमिका के लिए रहस्यमयी गेंदबाज वरुण चक्रवर्ती और लेग ब्रेक गेंदबाजी करने वाले राहुल चाहर में से किसी एक को चुनने की चुनौती होगी। श्रीलंका दौरे पर अच्छा प्रदर्शन करने वाले कुलदीप यादव भी रेस में बने हुए हैं।10 खिलाड़ियों का सिलेक्शन तय दिख रहा है। ये खिलाड़ी हैं रोहित शर्मा, केएल राहुल, विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव, ऋषभ पंत, हार्दिक पंड्या, रवींद्र जडेजा, यजुवेंद्र चहल, जसप्रीत बुमराह और वॉशिंगटन सुंदर। हालांकि, सुंदर अनफिट होने के चलते ढाक्का फेज-2 से बाहर हो गए हैं और अगर वह फिट नहीं हुए तो ये संख्या 10 के बजाय 9 हो जाएगी।। बाकी पांच जगहों के लिए 12 खिलाड़ियों के बीच मुकाबला है।

शास्त्री-कोहली से बीसीसीआई नाराज

कैप्टन और कोच भीड़भाड़ वाली इवेंट में गए, मंजूरी भी नहीं ली; अब शास्त्री के अलावा 2 और कोच कोरोना संक्रमित

लंदन (एजेंसी)। टीम इंडिया ने शानदार अंदाज में ओवल टेस्ट जीतकर देश को फख्र का मौका दिया है, पर BCCI टीम के कोच रवि शास्त्री और कैप्टन विराट कोहली से नाराज बताया जा रहा है। दरअसल, पिछले हफ्ते शास्त्री और विराट लंदन में एक भीड़भाड़ वाली इवेंट में शामिल हुए थे। इसके बाद रविवार को शास्त्री कोरोना संक्रमित हो गए। टाइम्स ऑफइंडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शास्त्री और कोहली कुछ दूसरे टीम मेंबर्स के साथ बुक लॉन्च इवेंट में गए थे। दोनों स्टेज पर भी गए। इस इवेंट में जाने के लिए इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड से मंजूरी भी नहीं ली गई थी। जब टीम इस इवेंट में पहुंची तो पूरा कमरा लोगों से भरा था। BCCI इसी लापरवाही पर नाराज है, क्योंकि कोरोना महामारी के दौरान ये कदम टीम के स्वास्थ्य और पूरे दौरे को संकट में डाल सकता था।इस इवेंट के कुछ ही दिन बाद शास्त्री की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। रविवार को शास्त्री के करीब बॉलिंग कोच भरत अरुण और फील्डिंग कोच आर श्रीधर थे। सोमवार को इनकी टेस्ट रिपोर्ट भी पॉजिटिव आई। टीम के फीजियो नितिन पटेल अभी भी आइसोलेशन में हैं।सोशल मीडिया पर आई इस इवेंट की फोटोज के साथ शेयर की गई हैं। बोर्ड इस मामले की जांच करेगा। शास्त्री और कोहली से भी जवाब मांगा जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना से बोर्ड शर्मसार महसूस कर रहा है। इस मामले में बोर्ड टीम के एडमिनिस्ट्रेटिव मैनेजर गिरीश डोंगरे के रोल की भी जांच कर रही है।

सार समाचार

देश में 13 दिन के अंदर 10 करोड़ कोरोना वैक्सीन के डोज लगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में अब तक 70 करोड़ से ज्यादा कोरोना वैक्सीन डोज लगाए जा चुके हैं। पिछले 13 दिनों के अंदर ही 10 करोड़ से ज्यादा वैक्सीन डोज लगाए गए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। हाल ही में हिमाचल प्रदेश ने जानकारी दी है कि वहां 18 साल से ज्यादा उम्र के 100त्न लोगों को कोरोना वैक्सीन का कम से कम एक डोज लग चुका है।

महबूबा मुफ्ती ने केंद्र पर फिर लगाया नजरबंद करने का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और क्ष्क्क चीफ महबूबा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर उन्हें नजरबंद करने का आरोप लगाया है। महबूबा ने कहा कि एक तरफ केंद्र सरकार कश्मीर में हालात ठीक होने के झूठे दावे कर कर रही है तो दूसरी तरफ मुझे हालात खराब होने का हवाला देते हुए नजरबंद किया गया है। कश्मीर के अलगाववादी नेता सैयद अली शाह गिलानी की मौत के बाद कई जिलों में इंटरनेट बंद कर दिया गया था। जिसे धीरे-धीरे फिर शुरू कर दिया गया है।

2 साल के बच्चों को कोरोना वैक्सीन लगाने वाला दुनिया का पहला देश बना क्यूबा

क्यूबा (एजेंसी)। कोरोनाकाल में अमेरिका, चीन और रूस जैसे देशों को पीछे छोड़ते हुए क्यूबा ने बड़ी उपलब्धि हासिल की है। क्यूबा दुनिया का पहला देश बन गया है, जहां 2 साल के बच्चों का वैक्सीनेशन शुरू कर दिया गया है। यहां अब्दला और सोबराना नाम के 2 कोरोना टीके लगाए जा रहे हैं, दोनों ही क्यूबा ने खुद तैयार किए हैं। इनका बच्चों पर भी क्लिनिकल ट्रायल किया जा चुका है। ड्ड।ह्र ने फिलहाल इन्हें मान्यता नहीं दी है। क्यूबा में 12 साल तक के बच्चों का वैक्सीनेशन पहले ही शुरू किया जा चुका है।

हैरतंगेज करतबः इटली के पायलट ने 2 सुरंगों में 3 फीट की ऊंचाई पर विमान उड़ाया, बनाए 5 रिकॉर्ड

इटली (एजेंसी)। तुर्की के इस्तांबुल में रेड बुल टीम से जुड़े इटली के डेयर डेविल पायलट डारियो कोस्टा ने कमाल कर दिया है। रेस प्लेन जिव्को एज 540 में सवार कोस्टा ने पहले 360 मीटर लंबी सुरंग में 3 फीट की ऊंचाई पर विमान उड़ाया। फिर 1,160 मीटर लंबी दूसरी सुरंग ऐसे ही पार की। इस दौरान विमान ने 5,200 फीट की दूरी तय की। खास बात ये है कि इस उड़ान में उन्हें महज 43.44 सेकंड लगे और विमान की रफ्तार 150 किमी प्रति घंटा रही। इसी के साथ उन्होंने पहली बार टनल में उड़ान भरने, सुरंग में सबसे लंबी उड़ान, ठोस दीवारों के भीतर सबसे लंबी उड़ान, दो टनल के बीच पहली एयरोप्लेन उड़ान और किसी टनल से पहली बार प्लेन के टेक ऑफ के रिकॉर्ड समेत 5 विश्व रिकॉर्ड बनाए हैं।

पिता का बंगला खाली करने के मूड में नहीं चिराग, 12 जनपद पर लगवा दी रामविलास पासवान की मूर्ति

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी में जारी घमासान के बीच पिता रामविलास पासवान के दिल्ली स्थित 12 जनपद वाले बंगले को चिराग पासवान खाली करने के मूड में नहीं हैं। चिराग पासवान ने इस बंगले में पिता रामविलास पासवान की मूर्ति लगवा दी है। साथ ही साथ उनके नाम का बोर्ड भी लगाया गया है। चिराग पासवान के इस कदम से दिल्ली से पटना तक राजनीतिक चर्चा तेज हो गई है। आपको बता दें कि हाल में ही केंद्र सरकार ने चिराग को वह बंगला छोड़ने के लिए कहा था। चिराग की ओर से दलील दी गई थी कि पिता की बरसी तक उस बंगले में रहने की इजाजत दी जाए। स्वर्गीय राम विलास पासवान के नाम पर आवंटित यह बांग्ला अब केंद्रीय आईटी एवं रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को आवंटित किया गया है। यह बंगला कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के बंगले के बिल्कुल बगल में है। रामविलास पासवान ने 12 जनपद में ही करीब तीन दशक अपने परिवार के साथ बिताए थे। इस बंगले में जो प्रतिमा लगाई गई है उसमें पासवान की छाती तक का हिस्सा दर्शाया गया है।

खाली कैबिनेट पदों को भरने के संबंध में इस बार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ कोई चर्चा नहीं होगी : बोम्मई

बेंगलुरू (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने अपनी नई दिल्ली यात्रा से पहले मंगलवार को कहा कि चार खाली कैबिनेट पदों को भरने के संबंध में इस बार भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ कोई चर्चा नहीं होगी। मुख्यमंत्री मंगलवार से नई दिल्ली के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे। 28 जुलाई को कार्यभार संभालने के बाद से यह उनका राष्ट्रीय राजधानी का चौथा दौरा है। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात के सवाल के जवाब में बोम्मई ने कहा कि अभी उनसे से मिलने का कोई कार्यक्रम नहीं है। केंद्रीय मंत्री प्रल्हाद जोशी की बेटी की शादी के रिसेप्शन में उनसे बात करूंगा। उन्होंने कहा कि इस यात्रा के दौरान भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के साथ चार खाली कैबिनेट पदों को भरने पर कोई चर्चा नहीं होगी। राज्य मंत्रिमंडल में वर्तमान में मुख्यमंत्री सहित 30 मंत्री हैं, जबकि स्वीकृत संख्या 34 है।

पीएम मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आज, कई महत्वपूर्ण फैसलों की संभावना

नई दिल्ली (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आज सुबह 11 बजे केंद्रीय कैबिनेट की बैठक आयोजित की जाएगी। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण फैसले किए जाने की संभावना है। सरकारी सूत्रों ने कहा कि केंद्रीय मंत्रिमंडल गेहूं और दलहन सहित रबी फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में वृद्धि पर चर्चा कर सकता है। किसीन पिछले साल 26 नवंबर से तीन नए कृषि कानूनों- किसान उपज व?यापार एवं वाणिज्?य (संवर्धन एवं सुविधा) विधेयक, 2020; किसानों (सशक्तिकरण एवं संरक्षण) का मूल?य आश?वासन अनुबंध एवं कृषि सेवाएं विधेयक, 2020 और आवश?यक वस्?तु (संशोधन) विधेयक, 2020 के खिलाफ राष्ट्रीय राजधानी की विभिन्न सीमाओं पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं।

इसके अलावा केंद्रीय मंत्रिमंडल बुधवार को अत्यधिक तनाव वाले दूरसंचार क्षेत्र और कपड़ा क्षेत्र के लिए राहत पैकेज देने पर भी विचार किया जा सकता है। सरकार इस क्षेत्र को राहत पैकेज देने के लिए बैंकों सहित कई हितधारकों के साथ बातचीत कर रही है। वोडाफोन आइडिया भारी नुकसान और उच्च कर्ज के साथ संकट से जूझ रहे हैं। जानकारों के अनुसार सरकार का विचार है कि इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बनी रहनी चाहिए और एकाधिकार की किसी भी संभावना को टाला जाना चाहिए। पिछले हफ्ते वोडाफोन आइडिया के पूर्व चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने केंद्रीय संचार मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। 1 सितंबर को हुई बैठक के दौरान बिड़ला और वैष्णव ने सेक्टर की सेहत और सरकारी हस्तक्षेप की तत्काल जरूरत पर चर्चा की। सरकार की ओर से राहत उपायों की संभावना से मंगलवार को टेलीकाम शेयरों में तेजी आई। बीएसई पर वोडाफोन आइडिया के शेयरों में करीब 15 फीसदी की तेजी आई। दिन के कारोबार के अंत में, इसके शेयर 8.28 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए, जो पिछले बंद से 14.68 प्रतिशत अधिक है। दूसरी ओर, भारती एयरटेल के शेयर 2.48 प्रतिशत बढ़कर 670.70 रुपये प्रति शेयर पर बंद हुए।

जेपी नड्डा ने कर्नाटक के लोगों को कहा 'धन्यवाद'

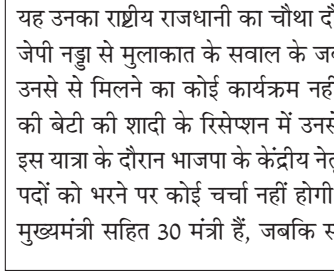

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने सोमवार को बेलगावी नगर निगम में सोमवार को स्पष्ट बहुमत हासिल किया, लेकिन हुबली-धारवाड़ नगर निगम में उसे बहुमत नहीं मिल पाया। वहीं, कलबुर्गी में कांग्रेस से करारा झटका मिला। हालांकि, फिर भी, भाजपा तीनों प्रमुख नगर निगमों में मेयर उम्मीदवारों का चुनाव करने वाली है। इस बीच भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने ट्वीट करते हुए कर्नाटक के लोगों का आभार व्यक्त किया। नड्डा लिखते हैं, %तीन नगर निगमों के बेलगावी, हुबली-धारवाड़ और कलबुर्गी चुनावों में भाजपा पर भरोसा करने के लिए कर्नाटक के लोगों को धन्यवाद।% बता दें कि ये तीन प्रमुख शहर उत्तरी कर्नाटक में स्थित हैं, जहां सत्तारूढ़ भाजपा की मजबूत पकड़ है। चुनावों को नए मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई के लिए एक लिटमस टेस्ट माना गया, जो हुबली जिले के रहने वाले हैं। कर्नाटक राज्य चुनाव आयोग के अनुसार, 300 उम्मीदवारों ने कलबुर्गी में 55 सीटों पर चुनाव लड़ा, जबकि 420 ने हुबली-धारवाड़ में 82 सीटों पर चुनाव लड़ा। बेलगावी के 58 वार्डों के लिए 519 उम्मीदवार थे। बता दें कि ष्ह्ल्क्क्ढ्ढ-19 प्रोटोकाल के तहत मतगणना केंद्रों में बीते दिन वोटिंग की गई।

कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध राजनीतिक हो गया है : केंद्रीय मंत्री बालियान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध राजनीतिक हो रहा है। उन्होंने कहा, %पूरा मामला राजनीतिक हो रहा है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में किसान भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे, लेकिन वे हरियाणा में विरोध नहीं करेंगे क्योंकि वहां कोई चुनाव नहीं होना है। कल हुई रैली के लिए हो या भविष्य में अन्य, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) जैसी पार्टियां इसके लिए संसाधन उपलब्ध करा रही हैं। बालियान ने कहा कि किसानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्षी दल उनका इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए न करें। किसानों और सरकार के बीच बातचीत पर बालियान ने कहा, हम चाहते हैं कि किसानों और सरकार के बीच बातचीत हो और किसानों के वास्तविक मुद्दों पर चर्चा हो। किसान खाली हाथ घर न लौटें। कानूनों को निरस्त करने के बारे में अड़े रहने के बजाय, उन्हें अपनी इच्छानुसार कानूनों में संशोधन करने का प्रयास करना चाहिए। बालियान ने कहा कि भाजपा की किस्मत जनता के हाथ में है। वे बोले, %हमारा भाग्य जनता के हाथों में है। लोग अंततः समझ जाएंगे कि जब वे विरोध में अन्य दलों के झंडे देखेंगे तो क्या हो रहा है।

प्रधानमंत्री बोले- सरकारी स्कूलों में शिक्षा की क्वालिटी बढ़ाने में सब योगदान दें

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को शिक्षक पर्व की शुरुआत की। 7 सितंबर को शुरू यह कार्यक्रम 17 सितंबर तक चलेगा। कार्यक्रम में वर्चुअली उपस्थित होकर मोदी ने राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले शिक्षकों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सभी शिक्षकों कठिन समय में देश में शिक्षा के लिए, विद्यार्थियों के भविष्य के लिए अतुलनीय योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि हमें सरकारी स्कूलों में शिक्षा की गुणवत्ता बढ़ाने में अपना योगदान देना है। इसके लिए हमारे प्राइवेट सेक्टर को भी आगे आना होगा। मोदी ने कहा कि शिक्षक पर्व पर नई योजनाओं की शुरुआत हुई है। ये पहल इसलिए भी अहम है, क्योंकि देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है और आजादी के 100 वर्ष होने पर भारत कैसा होगा, इसके लिए नए संकल्प ले रहा है। नई योजनाएं शिक्षा को वैश्विक स्तर तर पहुंचाएंगी

प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि आज विद्यांजली 2.0, निष्ठा 3.0, टॉकिंग बुक्स और स्थ्र बेस ढ्ढस्रडिक्शनरी जैसे नए कार्यक्रम और व्यवस्थाएं लॉन्च की गई हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि यह हमारे शिक्षा व्यवस्था को वैश्विक स्तर पर फायदा पहुंचाएंगी। राष्ट्रीय शिक्षा योजना (ह्रश्वक्क) को बनाने से लेकर लागू करने तक हर स्तर पर शिक्षकों और एक्सपर्ट्स का योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि अब हमें इस भागीदारी को एक नए स्तर तक लेकर जाना है, हमें इसमें समाज को भी जोड़ना है। देश ने सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के साथ सबका प्रयास का जो संकल्प लिया है, विद्यांजलि 2.0 उसके लिए एक प्लेटफॉर्म की तरह है। जब समाज मिलकर कुछ करता है, तो अच्छे परिणाम जरूर मिलते हैं। आपने देखा है कि बीते कुछ वर्ष में जनभागीदारी अब फिर भारत का नेशनल कैरेक्टर बनता जा रहा है।

कई ऐसे काम हुए, जिनकी कल्पना नहीं की थी: मोदी ने कहा कि पिछले 6-7 सालों में जनभागीदारी की ताकत से भारत में ऐसे-ऐसे काम हुए हैं, जिनकी कोई कल्पना भी नहीं कर सकता था। शिक्षा में असमानता को खत्म करके उसे आधुनिक बनाने में नेशनल डिजिटल एजुकेशन आर्केटेक्चर यानी, ह-ष्ठश्वक्र की भी बड़ी भूमिका होने वाली है।

उत्तराखंड में नदी पर बना टेम्परेरी पुल बहा

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तराखंड में 27 अगस्त को जाखन नदी पर बना देहरादून-रानीपोखरी-ऋषिकेश हाइवे बह गया था। इसके बाद लोगों की सहूलियत के लिए एक वैकल्पिक पुल बनाया गया था। इस पर लोगों के अलावा छोटे वाहनों का आवागमन भी हो जाता था, लेकिन भारी बारिश के बाद सोमवार रात यह वैकल्पिक पुल भी बह गया। लोगों को आ रही परेशानी को देखते हुए नदी पर एक वैकल्पिक पुल बनाया गया था, जिस पर रविवार शाम को ही आवागमन चालू हुआ था, वह पुल भी बीती रात बह गया। पुल बहने के बाद ऋषिकेश-हरिद्वार हाइवे पर वाहनों का दबाव बढ़ गया है। यहां से घूमकर जाने वालों को ज्यादा दूरी भी तय करनी पड़ेगी।

टिहरी में गिरी थीं बड़ी-बड़ी चटटानें: इससे पहले सोमवार को उत्तराखंड के टिहरी में बड़ी-बड़ी चट्टानें अचानक सड़क पर गिर गई थीं। इस दिन हिमाचल प्रदेश के किन्नौर में भी लैंडस्लाइड हुई थी। यहां रामपुर के ज्योरी क्षेत्र में लैंडस्लाइड के बाद नेशनल हाईवे ब्लॉक हो गया, जिससे लोगों को परेशानी हुई।

प्रशासन ने पहले ही अलर्ट कर दिया था

जिला प्रशासन ने इस घटना से पहले ही इलाके में अलर्ट जारी कर दिया था। ऐहतियातन पुलिस के जवान भी तैनात कर दिए गए थे। जिसकी वजह से किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई। दो दिन पहले से ही यहां पहाड़ों से पत्थर गिरने का क्रम जारी था। इस बात की आशंका प्रशासन को पहले ही हो गई थी कि पहाड़ का बड़ा हिस्सा टूट सकता है।

जनरल वांग हेईजियांग, जिन्हें चीन ने भारत से लगती सीमा की निगरानी करने वाली सैन्य कमान का प्रमुख बनाया

बीजिंग (एजंसी)। पूर्वी लद्दाख से सटी वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) को लेकर भारत और चीन के बीच विवाद बना हुआ है। इसी बीच चीन के राष्टपति शी जिनपिंग ने भारत के साथ लगने वाली सीमाओं पर निगरानी रखने वाली पीपल्स लिबरेशन आर्मी (पीएलए) की वेस्टर्न थियेटर कमान का नया कमांडर जनरल वांग हेईजियांग को नियुक्त किया है। जनरल वांग हेईजियांग को चीन की सरकार ने वेस्टर्न थियेटर कमान का नया कमांडर नियुक्त कर दिया है। इसी के साथ ही उन्हें भारत, अफगानिस्तान और पाकिस्तान की सीमा की अहम जिम्मेदारी दी गई है।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक जनरल वांग हेईजियांग ने साल 1977 में वियतनाम युद्ध के दौरान अहम भूमिका निभाई थी। इस युद्ध में चीन को हार का सामना करना पड़ा था। इसके बावजूद जनरल वांग हेईजियांग को सम्मानित किया गया था। दक्षिण शिनजियांग में उन्हें डिप्टी कमांडर के तौर पर नियुक्त किया गया था। इसके बाद उन्हें पदोन्नत करके लेफ्टिनेंट जनरल बनाकर तिब्बत भेज दिया गया था, जहां पर उन्होंने दलाई लांबा के समर्थकों की आवाज को कुचलने का काम किया था। चीन की सरकारी वेबसाइट 'चाइनामिल' के अनुसार सत्तारूढ़ चीन की कम्युनिस्ट पार्टी और केन्द्रीय सैन्य आयोग (सीएमसी) के अध्यक्ष शी ने वांग तथा चार अन्य सैन्य अधिकारियों को जनरल की रैंक पर पदोन्नति दी है। चीन में सैन्य सेवा में कार्यरत अधिकारियों के लिए 'जनरल' सर्वोच्च रैंक होता है। पीएलए के लिए सीमएसी समग्र हाई कमान है। पिछले महीने पूर्वी लद्दाख में भारत और चीन के बीच गतिरोध होने के बाद से जनरल वांग वेस्टर्न थियेटर कमान के प्रमुख का पद संभालने वाले चौथे कमांडर हैं।

कृषि कानूनों के खिलाफ विरोध राजनीतिक हो गया है

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री संजीव बालियान ने मंगलवार को कहा कि केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का विरोध राजनीतिक हो रहा है। उन्होंने कहा, %पूरा मामला राजनीतिक हो रहा है। उत्तर प्रदेश और पंजाब में किसान भाजपा के खिलाफ प्रदर्शन करेंगे, लेकिन वे हरियाणा में विरोध नहीं करेंगे क्योंकि वहां कोई चुनाव नहीं होना है। कल हुई रैली के लिए हो या भविष्य में अन्य, समाजवादी पार्टी और राष्ट्रीय लोक दल (रालोद) जैसी पार्टियां इसके लिए संसाधन उपलब्ध करा रही हैं। बालियान ने कहा कि किसानों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि विपक्षी दल उनका इस्तेमाल अपने राजनीतिक एजेंडे के लिए न करें। हम चाहते हैं कि किसानों और सरकार के बीच बातचीत हो ।

जगदानंद से विवाद के बीच तेज प्रताप यादव ने बनाया नया संगठन, कहा- यह अलग तरीके से चलेगा

पटना (एजेंसी)। राजद के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह से चल रहे विवाद के बीच लालू यादव के बड़े बेटे और पूर्व स्वास्थ्य मंत्री तेज प्रताप यादव ने नया संगठन बना लिया है। शिक्षक दिवस के मौके पर अपने घर पर एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने इसके बारे में बताया। तेज प्रताप के नए संगठन का नाम छात्र जनशक्ति परिषद रखा गया है। इस संगठन का प्रमुख खुद तेज प्रताप यादव है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि इसका गठन छात्रों के मुद्दे को लेकर संघर्ष करने के लिए किया गया है। गर्म मिजाज वाले तेज प्रताप यादव ने कहा कि इसका मकसद राजद को सशक्त करने का है। यह एक तरीके से नया सामाजिक संगठन है। यह शिक्षा, स्वास्थ्य, कानून और बेरोजगारी जैसे मुद्दों को उठाने का काम करेगा। तेज प्रताप यादव ने कहा कि इसके जरिए बिहार में नए आंदोलन की शुरुआत की जाएगी जो दूसरे राज्यों तक भी पहुंचेगा। तेज प्रताप ने दावा किया कि यह छात्रा राजग से अलग काम करेगा। इसे अलग से पंजीकृत कराया गया है। तेज प्रताप यादव ने यह भी साफ कहा कि उनका यह छात्र संगठन अलग नहीं है। यह राजद का अभिन्न हिस्सा होगा और इसका उद्देश्य पार्टी को मजबूत करना है। उसमें नई जान फूंकना है। दूसरी ओर राजद में भी साफ कह दिया है कि इसका कोई राजनीतिक अर्थ नहीं निकाला जाना चाहिए। राजद प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा कि बताया, इसमें कोई राजनीतिक अर्थ नहीं पढ़ा जाना चाहिए। तेजप्रताप पहले से ही एक सहायक संगठन धर्मनिर्पेक्ष सेवक संगठन के प्रमुख हैं। इसी तरह उनका नया राजनीतिक उपक्रम पार्टी को मजबूत करने की दिशा में काम करेगा. छत्र राजद को कोई खतरा नहीं है।

अफगानिस्तान में बदलते घटनाक्रम पर भारत अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान की पंजशीर घाटी में तालिबान के पूर्ण नियंत्रण के दावे और पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी के चीफ फैज हमीद के काबुल दौरे ने बारत की चिंताएं बढ़ा दी हैं। अफगानिस्तान की लगातार बिगड़ती स्थिति को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार शाम एक उच्चस्तरीय बैठक कर वहां के हालात का जायजा लिया। पीएम ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ गहन विचार विमर्श किया। इस बैठक में विदेश मंत्री एस.जयशंकर और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण भी मौजूद रहीं। तालिबान द्वारा काबुल पर नियंत्रण करने के तीन सप्ताह से अधिक समय बाद भी सरकार के गठन पर कोई स्पष्टता नहीं होने से हालात चिंताजनक हैं।

किसी भी अफगान को भारत से जाने को नहीं कहा जाएगा, अफगान संकट पर गृह मंत्रालय ने दिखाया मानवीय चेहरा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा है कि उसकी मंजूरी के बिना भारत में रहने वाले किसी भी अफगान नागरिक को देश छोड़ने के लिए नहीं कहा जाएगा। मंत्रालय का फैसला तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने और उस देश के नए शासकों से प्रतिशोध के डर से कई अफगानों के भारत आने के करीब एक पखवारे के बाद आया है।

अफगान नागरिकों की मदद के लिए खोले दरवाजे

गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि विदेशियों के क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) द्वारा किसी भी अफगान नागरिक को गृह मंत्रालय की पूर्व मंजूरी के बिना भारत छोड़ने के लिए नहीं कहा जाएगा। ऐसे मामलों को एफआरआरओ द्वारा गृह मंत्रालय को भेजा जाएगा।

वीजा की अवधि भी बढ़ाई

यह तब हुआ जब अफगान संसद की एक महिला सदस्य रंगीना कारगर को वैध कागजात के बावजूद दिल्ली के आइजीआइ हवाई अड्डे से इस्तांबुल भेज दिया गया था। सरकार ने बाद में कारगर से माफी मांगी थी। सरकार पहले ही भारत में रहने वाले अफगानिस्तान समेत सभी देशों के नागरिकों को दिए जाने वाली सभी श्रेणियों के वीजा की अवधि 30 सितंबर तक बढ़ा चुकी है।

ई-वीजा सुविधा 30 सितंबर तक बढ़ाई सीमा

तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जा करने से पहले भारत आए कई अफगान नागरिक छह महीने से अधिक समय से भारत में रह रहे हैं। गृह मंत्रालय ने कोरोना के कारण भारत में फंसे विदेशी नागरिकों को बिना अधिक अर्थदंड के नियमित वीजा या ई-वीजा या स्टे स्टिपुलेशन अवधि के विस्तार की मौजूदा सुविधा 30 सितंबर तक बढ़ाने का फैसला किया है।

नहीं होगी कोई आवेदन जमा करने की जरूरत

ऐसे विदेशी नागरिकों को अपने वीजा के विस्तार के लिए संबंधित एफआरआरओ को कोई आवेदन जमा करने की आवश्यकता नहीं होगी। वे देश छोड़ने से पहले या बाहर जाने की अनुमति के लिए आवेदन कर सकते हैं। उन्हें एफआरआरओ द्वारा बिना किसी ओवरस्टे जुर्माने के मुफ्त आधार पर सुविधा दी जाएगी।

विजा विस्तार के लिए ऐसे कर सकते हैं आवेदन

यदि 30 सितंबर से आगे वीजा के विस्तार की आवश्यकता होती है तो संबंधित विदेशी नागरिक भुगतान के आधार पर आनलाइन ई-एफआरआरओ प्लेटफार्म पर विस्तार के लिए आवेदन कर सकते हैं, जिसे एफआरआरओ द्वारा वीजा मैनुअल के प्रविधानों के अनुसार पात्रता के अधीन माना जाएगा। वीजा नियमों के अनुसार, भारत आने के 14 दिन के भीतर अफगान नागरिकों को अपने और अपने परिवार के सदस्यों को स्थानीय पुलिस के समक्ष पंजीकृत करवाना चाहिए।

अफगान शरणार्थियों के लिए खोले दरवाजे

उल्लेखनीय है कई अफगान नागरिक तालिबान के हाथों उत्पीड़न के डर का सामना कर रहे हैं। उन्होंने भारत में रहने की इच्छा व्यक्त की है। तालिबान के अफगानिस्तान के अधिग्रहण के बाद, गृह मंत्रालय ने अफगान नागरिकों के लिए ई-आपातकालीन एक्स-मिसलेनियस वीजा नामक वीजा की एक नई श्रेणी शुरू करने की घोषणा की थी।

झारखंड के बाद अब यूपी-बिहार में भी संग्राम, विधानसभा में नमाज और हनुमान चालीसा के लिए कमरे की उठी मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा लगातार झारखंड सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इन सब के बीच ऐसा ही कुछ मामला अब उत्तर प्रदेश और बिहार में भी उठने लगा है। झारखंड विधानसभा में हाल में ही नमाज के लिए एक कमरे को आवंटित किया गया है। इसको लेकर राज्य में विवाद जारी है। भाजपा लगातार झारखंड सरकार पर तुष्टीकरण की राजनीति करने का आरोप लगा रही है। इन सब के बीच ऐसा ही कुछ मामला अब उत्तर प्रदेश और बिहार में भी उठने लगा है। उत्तर प्रदेश और बिहार के विधायक ने भी धार्मिक आस्था के लिए विधानसभा में कमरे के आवंटन को लेकर मांग उठाई है।

उत्तर प्रदेश में नमाज के कमरे की मांग

उत्तर प्रदेश के कानपुर के विधायक इरफान सोलंकी ने विधानसभा में नमाज के लिए अलग कमरे की मांग की है। उन्होंने कहा कि विधानसभा में इस तरह की व्यवस्था होनी चाहिए। समाजवादी पार्टी के इस विधायक ने कहा कि सत्र के दौरान नमाज पढ़ने में दिक्कत होती है। ऐसे में आस्था को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया जाना चाहिए।

बिहार में भी उठी मांग

यूपी की तरह बिहार में भी इस तरह के कमरे की मांग उठने लगी है। भारतीय जनता पार्टी के विधायक हरि भूषण ठाकुर ने मांग की है कि बिहार विधानसभा में हनुमान चालीसा का पाठ करने के लिए अलग से कमरा बनाया जाए। साथ ही साथ उन्होंने तो मंगलवार को छुट्टी भी घोषित करने की बात कह दी है।

गहलोत समर्थक खेल मंत्री का पायलट कैंप पर हमला

अशोक चांदना बोले- कुछ 'जयचंद' एक साल पहले बीजेपी के हाथ बिक चुके, कांग्रेस में रहकर पार्टी को हरवाया

जयपुर (कासं)।

जयपुर जिला प्रमुख चुनाव में कांग्रेस का बहुमत होते हुए भी क्रॉस वोटिंग और बगावत के बाद अब कलह शुरू हो गई है। सीएम अशोक गहलोत के करीबी माने जाने वाले खेल मंत्री अशोक चांदना ने नाम लिए बिना सचिन पायलट खेमे पर हमला किया। कुछ नेताओं को %जयचंद% तक कह दिया। उन्होंने कहा- मुझे इसमें बीजेपी से कोई शिकवा नहीं है, लेकिन कुछ %जयचंद% बीजेपी के हाथ बिके हुए हैं। कांग्रेस में रहकर बीजेपी का काम कर रहे हैं। इनकी शक्ल पर मंशा साफ दिखती है।

राजनीति में मुर्दे दफन नहीं होते

चांदना ने कहा- ये लोग रह तो कांग्रेस में रहे हैं, लेकिन काम बीजेपी का कर रहे हैं। एक साल पहले ही बीजेपी के हाथ बिक गए हैं। आलाकमान ने और मुख्यमंत्री ने एक साल पहले %फॉरगेट एंड फॉरगिव% पॉलिसी के तहत बड़ा दिल रखकर सबका स्वागत किया। उसके बाद भी अगर इस तरह की धोखाधड़ी पार्टी के साथ होती है तो निश्चित रूप से ऊपर तक शिकायत जाएगी। आलाकमान ने माफ किया तो आगे कार्रवाई भी करेंगे। ये लोग कांग्रेस के अंदर रहकर कांग्रेस को निपटाने का काम कर रहे हैं। यह जनता के सामने है। राजनीति में मुर्दे दफन नहीं होते हैं। जिला प्रमुख चुनाव में बगावत करने वाले दोनों जिला परिषद सदस्यों को सचिन पायलट समर्थक विधायक वेद प्रकाश सोलंकी के कहने पर टिकट दिए थे। कांग्रेस हाईकमान को भेजे जाने वाली रिपोर्ट में भी वेद प्रकाश सोलंकी को क्रॉस वोटिंग के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए कार्रवाई की सिफारिश की है। वेद प्रकाश सोलंकी ने खुद पर लगे आरोपों को गलत बताया है। कहा है कि स्थानीय कांग्रेस नेता गड़बड़ी करेंगे। इस बारे में पहले ही प्रदेशाध्यक्ष को अवगत करा दिया था। फिर भी संगठन ने कोई कदम नहीं उठाया। अब उन्हें जिम्मेदार ठहराना गलत है। बाकी जिलों में भी क्रॉस वोटिंग हुई है। अब खेल मंत्री अशोक चांदना ने क्रॉस वोटिंग के लिए पायलट खेमे को ही जिम्मेदार ठहरा दिया है।

मंत्री अशोक चांदना बयान से विवाद तय

गहलोत समर्थक मंत्री अशोक चांदना के बयान से अब विवाद तय माना जा रहा है। सचिन पायलट खेमे को %जयचंद% बताकर चांदना ने गहलोत-पायलट खेमे के बीच नए सिरे से जुबानी जंग की शुरुआत कर दी है।

पंचायत चुनाव : भाजपा ने लोकतंत्र को टूलतंत्र में ऐसे बदला....

जयपुर (कासं)।

राजनीति में कभी भी, कुछ भी हो सकता है। ये बात साबित हुई है राजस्थान में जिला प्रमुख चुनाव में। यहां पर जो महिला प्रत्याशी कांग्रेस से जिला परिषद सदस्य बनी थीं, वह सोमवार को जिला प्रमुख का चुनाव था तो सुबह-सुबह वह पाला बदलकर भाजपा में पहुंच गईं। तुरंत उन्हें भाजपा से जिला प्रमुख का उम्मीदवार बनाया गया शाम को वह भाजपा से जिला प्रमुख का चुनाव जीत गई। भाजपा के इस दांव से कांग्रेसी हतप्रभ हैं तो तमाम विशेषज्ञ नैतिकता की राजनीति के बीच शून्य होते संबंध पर चर्चा कर रहे है। अब विस्तार से बताते हैं कि आखिर हुआ क्या ? राजस्थान में कुछ समय पहले जिला परिषद के सदस्यों को चुनाव हुए थे। इसमें छह जिलों में चार में कांग्रेस का बहुमत था। एक जिले में भाजपा का बहूमत था। सोमवार को सभी छह जिलों में जिला प्रमुख का चुनाव होना था। इसमें जयपुर जिले में रमा देवी चोपड़ा कांग्रेस से जिला परिषद सदस्य थीं। यहां कांग्रेस बहुमत में थी। सोमवार सुबह एक अन्य सदस्य के साथ वह भाजपा में शामिल हो गईं। इसके बाद जिला प्रमुख चुनाव में वह भाजपा की कैंडिडेट के रूप में उतरीं। उन्हें 26 वोट मिले, जबकि भाजपा के अपने कुल 24 ही जिला परिषद सदस्य थे। इस तरह बहुमत होते हुए भी जयपुर में कांग्रेस जिला प्रमुख का चुनाव हार गई। अन्य जिलों के बात करें तो जोधपुर में कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे परसराम मदेरणा की पुत्रवधु लीला मदेरणा भी कांग्रेस से जिला परिषद सदस्य थीं। वह जिला प्रमुख उम्मीदवार भी थीं। यहां भी काफी खींचतान के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के दखल के पश्चात आखिर में लीला मदेरणा जीतने में सफल रहीं। इस तरह भरतपुर में भी भारी खेल हुआ। यहां पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह के बेटे जगत सिंह बीजेपी के टिकट पर जिला प्रमुख का चुनाव जीत गए, जगत सिंह को 28 वोट मिले, जबकि बीजेपी के 17 सदस्य ही जीते थे। यहां भी कमजोर प्रबंधन के कारण कांग्रेस के 5 वोट खिसक गए। बीजेपी ने कांग्रेस के कई सदस्यों तथा निर्दलीयों को मिलाकर चुनाव जीत लिया। भरतपुर में इन चुनावों में इस बार पार्टी सिंबल प्रत्याशियों को न बांटना भारी पड़ा और उसका खामियाजा पार्टी ने चुनाव हार कर भुगता। दौसा में कांग्रेस के हीरालाल सैनी जीतने में कामयाब रहे। उन्होंने बीजेपी की नीलम गुर्जर को हराया। सिरोही में बीजेपी के अर्जुन पुरोहित चुनाव जीत गए। उन्होंने कांग्रेस के हरीश चौधरी को हराया। सवाईमाधोपुर में कांग्रेस के उम्मीदवार सुदामा मीणा, बीजेपी की बीना मीणा को हराकर चुनाव जीती।

जिंदा गीदड़ निगल गया अजगर

10 फीट लम्बे अजगर को देखकर ग्रामीणों में दहशत, रस्सी डंडे की मदद से किया काबू

करौली (कासं)। करौली जिले के कोंडर गांव में मंगलवार सुबह अजगर ने जिंदा गीदड़ को शिकार बना लिया। इससे ग्रामीणों में दहशत फैल गई। करीब 10 फीट लंबे इस अजगर को रस्सी और डंडे के सहारे ग्रामीणों ने पेड़ के सहारे काबू करके रखा था। इसके बाद वन विभाग की टीम आई और उसे जंगल में सुरक्षित छोड़ा। सुबह करीब 8:30 बजे गांव में खिरकारी के पास कच्चे रास्ते पर अजगर देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते वहां भीड़ जमा हो गई। इसी दौरान पास से गुजर रहे गीदड़ को अजगर निगल गया। इसके बाद ग्रामीणों ने अजगर को रेस्क्यू करने का प्रयास किया। उन्होंने रस्सी व डंडे की मदद से अजगर के पेट से गीदड़ को बाहर निकलवाया। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद गीदड़ का शव बाहर निकला। इस दौरान ग्रामीणों ने उसे एक पेड़ के बीच में रस्सी से बांधकर काबू में रखा। वन विभाग की टीम के मौके पर पहुंचने पर अजगर को उनके हवाले कर दिया।

डूंगरपुर में कोरोना से 512 बच्चों के पॉजिटिव होने की खबर सिर्फ अफवाह

डूंगरपुर (कासं)। कोरोना की दूसरी लहर के बाद संभावित तीसरी लहर का डर लोगों में है। राजस्थान के डूंगरपुर जिले में 512 बच्चों के पॉजिटिव होने की अफवाह फैली हुई। कुछ चैनल और सोशल मीडिया पर इस तरह की कई खबरें शेयर की जा रही हैं। जब इस मामले की सच्चाई का पता किया तो सामने आया कि ये झूठी खबर है। राजस्थान के किसी जिले में ऐसे हालात नहीं हैं।

अंजली ने मिस ग्लैमर राजस्थान में फर्स्ट रनरअप से हासिल की जीत

कोटा (कासं)। ग्लैमर इंडिया द् ड्रीम मेकर्स प्रजेंट्स मिस/मिसेज एण्ड मिस्टर ग्लैमर राजस्थान-2021 में राजस्थान के बीकानेर की अंजली राठौड़ ने मिस ग्लैमर राजस्थान-2021 फर्स्ट रनरअप से जीत हासिल की है। अंजली के पिता मनोज कुमार ने मंगलवार को बताया कि अंजली को प्रथम रनरअप की ओर से ट्रॉफी, ताज, गुलदस्ते के साथ सर्टिफिकेट प्रदान किया गया है। यह प्रतियोगिता कोटा में बूंदी रोड़ स्थित माहेश्वरी रिजॉर्ट में आयोजित की गयी। फाउंडर रीटा शर्मा व डा. जितेंद्र शर्मा ने सर्टिफिकेट प्रदान किया।

हाथ का हुनर स्वरोजगार का मुख्य आधार

बीकानेर (कासं)।

''हाथ का हुनर बेरोजगारी के विकटदौर में स्वरोजगार का मुख्य आधार है।''ये उद्बोधन ओम प्रकाश सुथार, निदेशक, जन शिक्षण संस्थान, बीकानेर ने देशनोक में जन शिक्षण संस्थान से प्रशिक्षित प्रियंका चौहान द्वारा अपने स्वरोजगार के रूप में खोले गए 'प्रियंका ब्यूटी पार्लर' का शुभारंभ करते हुए व्यक्त किए।

अपने मुख्य आतिथ्य उद्बोधन में सुथार ने कहा कि सीखे हुए काम को काम में लेना ही उसकी उपयोगिता है। संस्थान से कौशल प्रशिक्षण प्राप्त कर जब कोई अपना काम शुरू करता है तब इससे अन्य प्रशिक्षणार्थियों को भी प्रेरणा मिलती है। इसके साथ ही श्रीसुथारने इस महती कार्य में प्रियंका चौहान का उत्साह बढ़ाने और हरसम्भव सहयोग करने के लिए उनके परिवारजन का भी संस्थान परिवार की ओर से आभार व्यक्त किया। उल्लेखनीय है कि भारत सरकार के कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के सौजन्य से बीकानेर प्रौढ़ शिक्षण समिति द्वारा संचालित जन शिक्षण संस्थान, बीकानेर से प्रशिक्षित प्रियंका चौहान ने संस्थान से मेकअप प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त किया और शादी के पश्चात् अपने ससुराल देशनोक में अपना ब्युटीपार्लर खोलकर स्वरोजगार स्थापित किया है।

इस अवसर पर संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी महेश उपाध्याय ने कहा कि संस्थान द्वारा कौशल प्रशिक्षणों के संचालन के साथ-साथ प्रशिक्षुओं को स्वरोजगार से जोड़ने का भी प्रयास किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री मुद्रा योजना एवं स्वयं सहायता समूह से जुड़कर आत्मनिर्भर बनने की जानकारी भी दी। संस्थान की संदर्भ व्यक्ति श्रीमती ममता पंवार ने कार्यप्रगति के संबंध में बताया कि प्रियंका चौहान ने प्रशिक्षण केन्द्र पर काम सीखते समय से ही अपना ब्यूटीपार्लर खोलने का मन बना लिया था और आज उसने अपना सपना सच कर दिया।प्रियंका चौहान के ससुर मोहन लाल चौहान ने कहा कि हमारे परिवार में बहु भी हमारे लिए अपनी बेटी के समान है। इसकी प्रगति के लिए हर सम्भव सहयोग देना हमारा कर्तव्य है। संस्थान के कार्यक्रम सहायक तलत रियाज ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि महिलाएं अपनी झिझक छोड़कर हाथ का हुनर सीखें और आत्मनिर्भर बनें। इस अवसर सुनीलदत्त सोलंकी, राकेश सोलंकी, चतुर्भुज चौहान, पायल सोलंकी आदि की भी सक्रिय सहभागिता रही।

अब प्रदेश में योगा साइंस

कोटा (कासं)। वर्धमान महावीर ओपन यूनिवर्सिटी कोटा के डिप्लोमा इन योगा साइंस का केन्द्र अब बीकानेर भी बन गया। राजस्थान प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र को यूनिवर्सिटी ने अपना केन्द्र बनाया है। दो दिन से यहां बीकानेर, हनुमानगढ़, चूरू समेत कई जिलों के स्टूडेंट्स प्रेक्टिकल ट्रेनिंग के लिए पहुंचे हैं। करीब एक सप्ताह तक इनकी ट्रेनिंग चलेगी। दरअसल यूनिवर्सिटी में 1989 से इस तरह के कोर्स चल रहे हैं लेकिन बीकानेर के प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र को पहली बार प्रशिक्षण केन्द्र बनाया गया है।

टेंट हाउस गोदाम में आग, लाखों का सामान खाक

टोंक (कासं)। पीपलू क्षेत्र के नाथड़ी गांव में टेंट हाउस के गोदाम में मंगलवार तड़के भीषण आग लग गई। 4 दुकानों में बने गोदाम से आग की लपटे व धुएं के गुबार को उठाते देखकर मौके पर लोग इकट्?ठा हो गए। पुलिस को सूचना दी और आग पर काबू पाने का प्रयास किया। मौके पर पहुंची पुलिस ने दो दमकलों की मदद से आग पर काबू पाया। गोदाम में रखा करीब 50 लाख रुपए का माल जलकर खाक हो गया। पुलिस ने बताया कि ढूंढिया गांव के रहने वाले रामजीलाल प्रजापत की नाथडी गांव के बाहर टेंट हाउस का गोदाम है। पिछले दो सालों से उसने चार दुकानों में टेंट हाउस का गोदाम बना रखा था। रोज की तरह सोमवार रात को वह गोदाम के ताले लगाकर घर चला गया। तड़के करीब 4ः30 बजे टेंट हाउस के गोदाम में आग लग गई। बंद दुकान के शटर के अंदर से आग की लपटों व धुएं को उठता देखकर ग्रामीण मौके पर इकट्ठा हो गए।

वाणी संयम दिवस के रूप में पर्युषण महापर्व का चतुर्थ दिवस मनाया गया

बीकानेर (कासं)। पर्युषण महापर्व का चतुर्थ दिवस आज वाणी संयम दिवस के रूप में सेवाकेन्द्र व्यवस्थापिका साध्वी श्री पावनप्रभा जी के सान्निध्य में शांति निकेतन में आयोजित किया गया। साध्वीश्री पावनप्रभाजी ने अपने उद्बोधन में वाणी संयम का महत्त्व बताते हुए कहा कि वाणी का संयम मनुष्य को अनेक समस्याओं से बचाता है। जिस व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान दिखाई देती हैए वह आनन्दित व प्रसन्न जीवन जीता है। पवित्र आत्मा वाले व्यक्ति के मुखमंडल पर सहज ही मुस्कान का सागर लहराता है। परिवार के सदस्यों के बीच में हो उस वक्त भी भाषा का विवेक रहे यह आवश्यक है। शब्दों का अविवेक परस्पर कटुता बढ़ाता है पर कर्म बन्धन भी होता है। जिसका परिणाम जन्म जन्मान्तर में अवश्य मिलेगा। नीति शास्त्र में कहा गया है कि हार कण्ठ में सुशोभित होता है तथा कटु शब्द करने वाले नूपुर को पैरों में स्थान

मिलता है। उन्होंने भगवान महावीर के जीवन प्रसंगों का वर्णन करते हुए कहा कि क्रोध का दमन करके वैराग्य की दिशा में बढ़ना ही आत्मा का सही दिशा में प्रस्थान है। साध्वियों ने सामूहिक गीत द्वारा जीवन सार के बारे में बताया। वाणी संयम दिवस के अवसर पर साध्वी श्री रम्यप्रभाजी ने कहा व्यक्ति के व्यक्तित्व का परिचय देती है भाषा। एक वाक्य श्रोता के दिल में जहां दरार पैदा कर देता है वहीं दूसरा वाक्य टूटते दिलों को जोड़ देता है। साध्वीश्री शुक्लप्रभाजी ने भी अपने विचारों को गीतिका के माध्यम से प्रबोधन किया। साध्वी पावन प्रभा जी ने तपस्या करनेवालों को प्रत्याख्यान करवाया। तेरापंथ भवनए गंगाशहर में पर्यूषण महापर्व पर मुनिश्री शांतिकुमार जी के सान्निध्य में अखंड नवकार महामंत्र के जप तथा सायंकालीन प्रतिक्रमण में अनेक श्रावक.श्राविका भाग लेकर लाभांवित हो रहे हैं।

लायंस क्लब द्वारा मुकेश बिस्सा सम्मानित

जैसलमेर (कासं)। शिक्षक दिवस के अवसर पर अमर शहीद सागरमल गोपा सीनियर सैकंडरी विद्यालय मेंआयोजित कार्यक्रम में लायंस क्लब के द्वारा केंद्रीय विद्यालय वायुसेना स्थल जैसलमेर के शिक्षक, कवि मुकेश बिस्सा को राजस्थान सरकार के मंत्री साले मोहम्मद व नगर परिषद जैसलमेर के अध्यक्ष हरिवल्लभ कल्ला,पूर्व जिला प्रमुख अंजना मेघवाल तथा लायंस क्लब के अध्यक्ष मनवंत गहलोत ने पारितोषिक व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। इससे पूर्व भी इन्हें केंद्रीय विद्यालय संगठन व अनेक साहित्यिक तथा सांस्कृतिक संस्थाओं के द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

छात्र संगठन एसएफआई ने किया शेखावाटी यूनिवर्सिटी का घेराव

सीकर (कासं)। छात्र संगठन एसएफआई ने नौ सूत्री मांगों को लेकर शेखावाटी विश्वविद्यालय का घेराव किया। कुलपति को ज्ञापन सौंपा। जिला महासचिव सचिन चोपड़ा ने बताया कि ज्ञापन में परीक्षा में हो रही धांधली और जिम्मेदार आला अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की गई। प्रदेशाध्यक्ष सुभाष जाखड़ ने कहा कि यूनिवर्सिटी खुलवाने में झुंझुनूं और सीकर के कई एसएफआई कार्यकर्ताओं ने मुकदमे खाएं है तब जाकर यूनिवर्सिटी खुली है ।ये एसएफआई कार्यकर्ताओं की मेहनत का नतीजा है ।

13594 लोगों को लगाया टीका

कोविड-19 टीकाकरण अभियान

सीकर (कासं)। जिले में चल रहे कोविड-19 टीकाकरण अभियान के तहत मंगलवार को जिले के चिकित्सा विभाग की ओर से जिलेभर में 13594 लोगों को कोरोना वायरस से बचाव का टीका लगाकर सीकर जिला शिखर पर रहा। जिला प्रजनन एवं शिशु स्वास्थ्य अधिकारी डॉ निर्मल सिंह ने बताया कि जिला कलेक्टर अविचल चतुर्वेदी के निर्देशन में टीकाकरण अभियान के तहत 13594 लोगों को टीका लगाया गया। 18 से 44 वर्ग 8101 को पहली और 1999 युवाओं को द्वितीय डोज लगाई गई।

वहीं 45 से 59 आयु वर्ग के 1434 को पहली और 1185 को द्वितीय डोज लगाई गई। वहीं 60 से अधिक आयु के 428 को पहली और 447 नागरिकों को द्वितीय डोज लगाई गई। आरसीएचओ डॉ सिंह ने बताया कि सोमवार को 9963 पहली और 3631 को द्वितीय डोज लगाई गई।

किसानी किसान के हाथों से छीन लेंगे यह तीनों काले कानून

श्रीगंगानगर (कासं)। मंगलवार को श्रीगंगानगर की पंचायती धर्मशाला में किसान मोर्चा द्वारा आयोजित किसान सम्मेलन में आईकेएमएस के जनरल सैक्रेटरी एवं संयुक्त किसान मोर्चा कमेटी के सदस्य आशीष मित्तल ने किसानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि सरकार जो यह तीनों काले कृषि कानून लेकर आई है यह किसान से उसकी किसानी छीन लेंगे। अब तक जो कमेटियां किसानों के लिए काम कर रही थी उनका काम अब कम्पनियों के लाभ का काम करना हो जाएगा। इससे किसान से किसानी छीन ले जाएगी। कार्पोरेट के हाथों में किसानों के सभी अधिकारों को गिरवी रख दिया जाएगा। बड़ी-बड़ी कम्पनियां इन कानूनों का लाभ लेते हुए पूरी खेती का नियंत्रण अपने हाथ में ले लेंगी। इसलिए हमें अपने अधिकारों के प्रति जागरुक होते हुए आंदोलन को मजबूती प्रदान करनी होगी।

डिफेंस एकेडमी संचालक के अपहरण

रुपयों के लेनदेन विवाद में हुआ कार सवार बदमाशों ने किया था बस स्टैंड से अपहरण, दो सगे भाई गिरफ्तार

जयपुर (कासं)। रुपयों के लेनदेन विवाद में डिफेंस एकेडमी संचालक का 3 सितंबर की रात को अपहरण करने वाले दो सगे भाईयों को जयपुर जिले की गोविंदगढ़ थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मंगलवार को केस का खुलासा किया। प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि रुपयों के लेनदेन में चल रहे विवाद में अपहरण कर रुपयों की डिमांड की गई थी। जयपुर ग्रामीण एसपी शंकरदत्त शर्मा ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी संदीप भीण्डा (21) निवासी भीण्डों की ढाणी, महरोली थाना सीकर का रहने वाला है। वह जयपुर में हरमाड़ा घाटी स्थित मकान नंबर 122, भगवान नगर विस्तार कॉलोनी में रहता है। पकड़ा गया दूसरा आरोपी विजयपाल जाट (22) उसका सगा भाई है। वह भी संदीप के साथ हरमाड़ा में रहता है।

यह है पूरा मामला

रोलानियों की ढाणी, तन नांगल नाथूसर, श्रीमाधोपुर जिला सीकर के रहने वाले महेन्द्र जाट ने गोविंदगढ़ थाने में सोमवार को एक मुकदमा दर्ज करवाया था कि उसका भाई महेश कुमार जाट, गोविन्दगढ़ में डिफेंस एकेडमी चलाता है। वह 3 सितंबर को रात 9 बजे गोविन्दगढ़ से अपने गांव नांगल नाथूसर जा रहा था। तभी गांव सिंगोद खुर्द में एक कार में सवार कुछ बदमाशों ने महेश जाट का अपहरण कर लिया।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति मुंशी खांन के नाम से एक पिकअप गाड़ी पंजीकृत है। पिकअप का रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 29 GA 0983 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस पिकअप को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अतः किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर को सूचित करें।

अमीना बानो पत्नी मुंशी खांन, तेली पाड़ा, हनुमान जी के मंदिर के सामने, चूलीगेट, गंगापुर सिटी, जिला- सवाईमाधोपुर।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पति दीपक कुमार तेजवानी के नाम से एक होण्डा स्कूटर पंजीकृत है। स्कूटर का रजिस्ट्रेशन नम्बर RJ 25 SR 7311 है। मेरे पति का स्वर्गवास हो चुका है। अब मैं इस स्कूटर को अपने नाम हस्तान्तरण करवाना चाहती हूँ। अतः किसी को आपत्ति हो तो सात दिवस में जिला परिवहन अधिकारी, सवाईमाधोपुर को सूचित करें।

लक्ष्मी तेजवानी पत्नी स्व. श्री दीपक कुमार तेजवानी, हनुमान मिल, नहर रोड, गंगापुर सिटी, जिला- सवाईमाधोपुर।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक, संपादक पूजा खण्डेलवाल के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर 3-ए-विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिन्धी कॉलोनी, गंगापुर सिटी से प्रकाशित।
प्रबंध सम्पादक विनोद कुमार गुप्ता. मो. 9887454960, ई-मेलःbadhtikalam@gmail.com